जबलपुर शनिवार 12 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, अमावस्या वर्ष 32 अंक 75 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96 www.swatantramat.com

बढ़ रही व्यापार बाधाएं...भारत बना रहा आर्थिक पुल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित किया, पुतिन के साथ दिखाई कार डिप्लोमेसी

नई दिल्ली

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस वर्ष हम ब्रिक्स के 20 साल मना रहे हैं। 2006 में जब इस समूह की शुरुआत हुई थी तो इसमें केवल चार देश थे। आज ब्रिक्स और ब्रिक्स पार्टनर्स मिलाकर 21 देशों का हमारा परिवार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ब्रिक्स के देश, विश्व की 50 प्रतिशत पॉपुलेशन, 40 प्रतिशत जीडीपी और 25 प्रतिशत से अधिक ट्रेड को रिप्रेजेंट करते हैं। इतना ही नहीं, इन वर्षों में जहां ग्लोबल जीडीपी करीब 1.5 गुना हुई है, वहीं ब्रिक्स देशों की कंबाइन जीडीपी करीब 4.5 गुना हुई है। यानी ब्रिक्स की इकोनॉमिक स्ट्रैंथ दुनिया की तुलना में करीब दो गुने रफ्तार से बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देश ग्लोबल इनोवेशन और सॉल्यूशन के महत्वपूर्ण सेंटर्स बन रहे हैं। ग्रासरूट से लेकर फ्रंटियर टेक्नोलॉजी तक हमारे देशों में इनोवेशन की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। ब्रिक्स की बढ़ती स्केल, स्पीड और ऑप्टिमिज्म हमारे बीच साफ दिखाई दे रही है। भारत में आयोजित ये फोरम अब तक का सबसे बड़ा ब्रिक्स बिजनेस फोरम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ग्लोबल ट्रेड तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट खुले हों और समुद्री यात्री सुरक्षित हों। इसलिए, भारत नेविगेशन की आजादी और समुद्री यात्रियों की सुरक्षा का पक्का समर्थक है। ब्रिक्स विमेंस विंग्स बिजनेस अलायंस भी हमारे विजन का एक अहम हिस्सा है। हम चाहते हैं कि महिला उद्यमी हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम है, लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण। पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस मंत्र को अपनी इकोनॉमिक और ट्रेड पॉलिसिज का आधार बनाया है। लचीलापन की बात करें तो भारत ने एनर्जी से लेकर टेक्नोलॉजी तक सप्लाई चेन को और अधिक डायवर्सिफाइड और रिलायबल बनाया है। इसी का परिणाम है, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत आज ग्रोथ और स्थिरता का भरोसा दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब दुनिया में व्यापार बाधाएं बढ़ रहे हैं, तो भारत आर्थिक पुल बना रहा है। 2014 के बाद से हमने दुनिया के करीब 40 देशों के

साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। ब्रिक्स में भी हमारी अप्रोच यही है कि बाधाओं को कम करना है और व्यापार के के लिए अवसर बढ़ाना।

राजधानी दिल्ली में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए पुतिन अपने दोस्त पीएम मोदी के साथ एक अलग ही अंदाज में नजर आए। भारत की कूटनीति की ये तस्वीर अब सिर्फ बातचीत की मेज तक सीमित नहीं रह गई है। भारत और रूस के बीच मजबूत होते रिश्तों की एक दिलचस्प झलक शुक्रवार को नई दिल्ली में देखने को मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मुलाकात के बाद एक ही कार में सफर किया। दोनों नेता पुतिन की बेहद सुरक्षित मानी जाने वाली बख्तरबंद ऑरस सेनाट लिमोजिन में साथ निकले। इस गाड़ी को फोर्ट्रेस ऑन व्हील्स यानी पहियों पर किला भी कहा जाता है। पुतिन के नई दिल्ली पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया और इसके बाद करीब 45 मिनट तक बैठक की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा तथा रक्षा समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

जी-7 से आगे निकला ब्रिक्स : पुतिन

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन हो रहा है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में करीब 45 मिनट बैठक हुई, जिसमें दोनों देशों के रिश्ते समेत मिडिल-ईस्ट तनाव और ब्लैक सी के हालातों पर चर्चा हुई। पुतिन ने मोदी को 24वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए मास्को आने का न्योता दिया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। पुतिन ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधन करते हुए पुतिन ने कहा कि आज जीडीपी के मामले में ब्रिक्स जी-7 से आगे निकल चुका है और दुनिया का ग्रोथ इंजन बन चुका है। अमेरिका और यूरोपीय देशों पर निशाना साधते हुए पुतिन ने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव हो रहे हैं और अब नए देश विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। वहीं पश्चिमी देशों का दबदबा अब पहले जैसा नहीं रहा है।

देश को क्या मिला : चिदंबरम

भारत में ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस के दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने पूछा था, 'इस ब्रिक्स से भारत को क्या फायदा हुआ।' देश में 2012, 2016 और 2021 में भी समिट हो चुके हैं। चिदंबरम ने सवाल किया कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी-20, क्वाड और शंघाई सहयोग संगठन जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन संगठनों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए।

यह भारत की ताकत : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने समिट के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि भारत में सम्मेलन होना देश की कूटनीतिक ताकत को दिखाता है। 11 देशों के बड़े नेताओं का भारत आना और उन्हें एक मंच पर लाना भारत की दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दर्शाता है। थरूर ने ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ में 100 से ज्यादा देश हैं, लेकिन ब्रिक्स में शामिल 11 प्रमुख देश दुनिया की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जहरीली शराबकांड: मुख्य आरोपी के पैर में मारी गोली

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी रवि लखेरा को पकड़ लिया गया। बरायठा के जंगल में पुलिस और रवि के बीच फायरिंग हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी रवि को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इस पर 20 हजार का इनाम था। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुष्टि की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- शराब कांड के एक आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर हुआ है। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। लगातार कार्रवाई हो रही है। जहरीली शराब पीने से अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती 3 और मरीजों ने दम तोड़ा था। हालांकि, प्रशासन 16 मौतों की ही पुष्टि कर रहा है।

डीयू चुनाव के लिए एनएसयूआई के उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली (वार्ता)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2026-27 के लिए अपने चार उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि विजय शंकर मीणा को अध्यक्ष पद, वीर चतरथ को उपाध्यक्ष पद, नम्रता चौधरी को सचिव पद और गोपाल चौधरी को संयुक्त सचिव पद का उम्मीदवार बनाया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन ने छात्र हितों, विश्वविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक एवं छात्र सुविधाओं तथा विद्यार्थियों की समस्याओं को चुनावी अभियान के केंद्र में रखने का संकेत दिया है। डीयू चुनाव दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र राजनीति में महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

व्यापारियों और कारीगरों पर भाजपाई बर्बादी का कहर : सुरजेवाला

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने दिल्ली के चांदनी चौक स्थित कूचा महाजनी मार्केट में 50 से अधिक दुकानों की कथित सीलबंदी को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर हमला बोला। श्री सुरजेवाला ने कहा कि देश के 3.5 करोड़ से अधिक सुनारों, स्वर्णकारों, ज्वैलर्स, दुकानदारों, व्यापारियों और कारीगरों पर भाजपाई बर्बादी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले चार महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दो बार सोना नहीं खरीदने की अपील और आर्थिक मंदी के कारण जेम्स एंड ज्वैलरी उद्योग पहले ही संकट से जूझ रहा है। ऐसे में दुकानों की सीलबंदी से छोटे और मध्यम कारोबारियों तथा लाखों कारीगरों की आजीविका प्रभावित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बेरोजगारी और महंगाई की समस्या से निपटने के बजाय अपनी नाकामी और बदइंतजामी का बोझ व्यापारियों पर डाल रही है।

कांग्रेस ने संसद के सत्रावसान में देरी पर फिर उठाये सवाल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र के सत्रावसान में देरी को लेकर फिर सरकार की नीति पर सवाल उठाए और कहा कि उसे परिसीमन के प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने और उसके सत्रावसान के बीच का अंतर 29 दिन हो गया है, जो 2015 के मानसून सत्र के 28 दिन के रिकॉर्ड को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर यह अंतर केवल तीन-चार दिनों का होता है। श्री रमेश ने कहा कि सरकार परिसीमन के अपने प्रस्तावों पर चर्चा करने और व्यापक सहमति बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने से क्यों इनकार कर रही है।

शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश: राहुल

नई दिल्ली

राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा। राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4

कार्यक्रम कर चुके हैं। इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है। कांग्रेस पिछले 11 दिन से अनुमति के लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कलेक्टर, नगर निगम, पुलिस और इंदौर विकास प्राधिकरण के स्तर पर आवेदन और प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस का कहना है कि अनुमति मिले या नहीं, कार्यक्रम होकर रहेगा। वहीं प्रशासन का कहना है कि अनुमति निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था के आधार पर दी जाएगी।

कांग्रेस ने आईडीए को जमा किए 10 लाख रुपए

इंदौर में कांग्रेस ने राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर 10 लाख रुपए आईडीए को जमा कर दिए हैं। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि हमने 17, 18 और 19 सितंबर के लिए मैदान किराए पर लिया है। शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि हमने आरटीजीएस के माध्यम से आईडीए के खाते में राशि जमा की है। हमें लगता है कि अब अनुमति को लेकर कोई समस्या नहीं होगी। मंगलवार को आधिकारिक रूप से अनुमति मिल जाएगी।

मध्यप्रदेश में 55 जिलों का सर्वे पूरा 1000 से अधिक नए रूटों पर दौड़ेंगी बसें

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को प्रदेशभर में लागू करने के लिए सरकार ने रूट प्लान से लेकर तकनीकी निगरानी और बस अधोसंरचना तक की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में बताया गया कि प्रदेश के 55 जिलों का रूट सर्वे पूरा हो चुका है। डेटा आधारित योजना के तहत करीब 150 सिटी, 450 इंटरसिटी और 436 इंटरस्टेट मार्ग विकसित किए जाएंगे।

बसों में सीसीटीवी, जीपीएस, पैनिक बटन और रियल टाइम मानिटरिंग की सुविधा होगी तथा ईवी और सीएनजी बसों को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड बनाई गई है। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि बस संचालन, आईटीएमएस और परिवहन अधोसंरचना को पीपीपी मॉडल पर एकीकृत किया जाएगा। इसका उद्देश्य सही बस सही मार्ग और सही समय के आधार पर यात्रियों को भरोसेमंद सेवा देना है। फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए एपपीवायपीआइएल और रैपिडो के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत बस स्टैंड, बस स्टाप और मेट्रो स्टेशनों की जानकारी रैपिडो के तकनीकी प्लेटफार्म से जोड़ी जाएगी।

महिलाओं द्वारा संचालित रैपिडो पिंक बाइक-टैक्सी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल और इंदौर में होगी। सरकार ने एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज-2026 भी शुरू किया है। इसमें एआई और डेटा आधारित मोबिलिटी, वित्तीय व परिचालन स्थिरता, समावेशी परिवहन, अधोसंरचना व लास्ट-माइल कनेक्टिविटी तथा ग्रीन मोबिलिटी जैसे पांच क्षेत्रों में नए समाधान तलाशे जाएंगे। स्टार्टअप, एमएसएमई, शोधकर्ता, शिक्षण संस्थान और नवप्रवर्तक इसमें भाग ले सकेंगे। समिट में उद्योग

प्रतिनिधियों ने भी निवेश और तकनीक की जानकारी दी। एका मोबिलिटी पीथमपुर में ई-बस निर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता पांच हजार ई-बस बताई गई। वहीं, समिट में बस आपरेशन, आधुनिक टर्मिनल, डिपो, स्टाप, डिजिटल टिकटिंग, रियल टाइम यात्री सूचना प्रणाली और ग्रीन मोबिलिटी को लेकर पीपीपी आधारित माडल पर मंथन हुआ।

गगनयान कार्यक्रम: क्रायोजेनिक इंजन का हॉट टेस्ट सफल

चेन्नई

गगनयान मिशन के लिए इस्तेमाल होने वाले एलवीएम3 रॉकेट के ऊपरी तीसरे चरण, यानी क्रायोजेनिक इंजन का फ़्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। एक ताजा जानकारी में अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसने एलवीएम3 प्रक्षेपण यान के सातवें परिचालन मिशन के लिए चुने गए क्रायोजेनिक इंजन की फ़्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह परीक्षण नौ सितंबर, 2026 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में मेन इंजन और स्टेज टेस्ट फैसिलिटी (एमईटी) में किया गया। हर मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन को उड़ान के लिए मंज़ूरी मिलने से पहले हॉट टेस्ट से गुजरना पड़ता है। ज़्यादा ऊंचाई पर काम करने के लिए डिज़ाइन किए गए नोज़ल वाले इस उपरी चरण के इंजन की हॉट टेस्टिंग समुद्र-स्तरीय परिस्थितियों में करने के लिए, एक नोजल प्रोटेक्शन सिस्टम विकसित किया गया था और कई क्वालिफ़िकेशन परीक्षणों के माध्यम से उसे पहले ही प्रमाणित किया जा चुका था। एलवीएम3 प्रक्षेपण यान की पेलोड क्षमता बढ़ाने के लिए, एलवीएम3 के भविष्य के मिशनों की योजना सीई20 इंजन के लिए 22टी के उन्नत थ्रस्ट स्तर पर संचालित होने वाले सी32 चरण के साथ बनाई गई है।

रेलवे ने बनाया नया कीर्तिमान, एक दिन में बुक किये गये 20 लाख टिकट

नई दिल्ली (वार्ता)। रेलवे ने ई टिकट बुकिंग के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह रिकॉर्ड सात सितंबर को दर्ज किया गया। इस दिन भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के माध्यम से त्योहारों के मौसम में अग्रिम आरक्षण अवधि (एआरपी) के तहत 20,06,353 टिकट बुक किये गये और इसी के साथ ही एआरपी के तहत अब तक एक दिन में सर्वाधिक टिकट बुक करने का कीर्तिमान बन गया। गत वर्ष त्योहारों के मौसम में 19 अगस्त को एक दिन में सबसे अधिक 18,40,203 टिकट बुक किए गए थे। आठ सितंबर 2026 को भी 19,50,699 टिकट बुक किए गए। रेलवे ने कहा कि उसने टिकट बुकिंग प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाये हैं और इस दिशा में लगातार काम चल रहा है। इसी क्रम में 15 जुलाई से नयी यूजर इंटरफेस (यूआई) का बीटा संस्करण शुरू किया गया। रेलवे के मुताबिक मौजूदा समय में कुल आरक्षित टिकटों में से करीब 89 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन माध्यम से बुक किए जा रहे हैं। अगली पीढ़ी की ई-टिकटिंग (एनजीईटी) की मजबूत बुकिंग प्रणाली एक साथ बड़ी संख्या में टिकटों की बुकिंग को संभाल रही है। मौजूदा समय में दिन की कुल बुकिंग में से केवल 8.43 से 14.14 प्रतिशत बुकिंग पहले घंटे यानी सुबह आठ बजे से नौ बजे के बीच पूरी होती है और 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग दिन में बाद में पूरी की जाती है। सुबह आठ बजे से 8.15 बजे के बीच लगातार सबसे अधिक संख्या में टिकट बुक किए जाते हैं।

अमेरिका के साथ भारतीयों के हितों की मजबूत पैरवी ना करने की वजह बताए सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों का लगातार अपमान हो रहा है लेकिन इन मामलों में मोदी सरकार चुप्पी साधे हुए है और वह भारतीयों के हितों तथा गरिमा की मजबूती से पैरवी नहीं कर पा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना मित्र बताते रहे हैं, उनके प्रशासन में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों का लगातार अपमान हो रहा है लेकिन मोदी सरकार इस पूरे प्रकरण पर मूक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के आधिकारिक हैंडल से मिस्टर सिंह को निशाना बनाकर एक आपत्तिजनक पोस्टर जारी किया गया जिसमें पगड़ीधारी भारतीय को हमारी सड़कों से हट जाओ, स्वेच्छा से देश छोड़ दो, वरना अंजाम भुगतो जैसी धमकी दी गई। इसका जब अमेरिका में व्यापक विरोध हुआ तो उसके बाद विभाग को यह पोस्ट हटाने पड़े लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि बाद में भी उसने अपने आधिकारिक पोस्ट के जरिए इस अभियान और उसकी भाषा का बचाव किया है। श्री रमेश ने कहा कि यह केवल किसी एक व्यक्ति या समुदाय का अपमान नहीं, बल्कि सभी भारतीयों की गरिमा का अपमान है।

सरकार की अनुमति के बिना अफसरों पर केस नहीं

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में अब अफसरों, खासकर राजपत्रित अधिकारियों के खिलाफ सरकारी कामकाज से जुड़े आधिकारिक मामलों में सरकार की अनुमति के बगैर आपराधिक केस दर्ज नहीं होंगे। अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यदि किसी सरकारी अधिकारी पर उसके आधिकारिक काम के दौरान किए गए कार्य को लेकर शिकायत होती है, तो ऐसे मामले में अदालत की ओर से संज्ञान लेने से पहले राज्य शासन से अभियोजन स्वीकृति लेना जरूरी होगा। दूसरी ओर, सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति देने की स्थिति देखें तो पता चलता है कि अकेले लोकायुक्त के 295 मामलों में सरकार ने अभियोजन की मंजूरी नहीं दी है। पुलिस मुख्यालय के अपराध अनुसंधान विभाग ने प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के 19 जुलाई 2026 के आदेश का हवाला दिया गया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ बिना आवश्यक अभियोजन स्वीकृति के दर्ज शिकायत पर अदालत द्वारा संज्ञान लेने के आदेश को निरस्त कर दिया था। इसके बाद पुलिस

हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय का निर्णय

मुख्यालय ने प्रदेश की पुलिस इकाइयों को इस आदेश और संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। यदि कोई राजपत्रित सरकारी अधिकारी अपने सरकारी पद की जिम्मेदारी निभाते समय कोई ऐसा काम करता है, जिसे लेकर उसके खिलाफ आपराधिक शिकायत की जाती है और वह मामला उसके आधिकारिक कामकाज से जुड़ा है, तो अदालत में आगे की कार्रवाई से पहले शासन की अनुमति जरूरी हो सकती है। इस संबंध में पहले दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 में प्रावधान था, जो अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 में किया गया है।

लोकायुक्त को 295 मामलों में नहीं मिली है अभियोजन स्वीकृति

दूसरी ओर, सरकार द्वारा अधिकारियों के विरुद्ध केस चलाने की अभियोजन स्वीकृति देने के मामले की बात करें तो पता चलता है कि अकेले लोकायुक्त पुलिस के पास 295 मामले इसलिए पेंडिंग हैं, क्योंकि सरकार इन मामलों में अभियोजन की स्वीकृति नहीं दे रही है। इसमें आईपीएस, आईएएस और राज्य के राजपत्रित कैडर के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा स्कूल शिक्षा, संसदीय कार्य, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, श्रम, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और पशुपालन विभाग में एक-एक मामला लंबित है। राज्य के अन्य निकायों के पास 166 मामले लंबित हैं।

हैदराबाद में सेना के चोरी हुए हथियार जब्त

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से चोरी हुए सेना के सभी हथियार जब्त कर लिए हैं। इस मामले में पुलिस ने सेना के पूर्व हवलदार उप्पुथल्ला मल्लेश को अरेस्ट किया है। तेलंगाना के डीजीपी सी.वी. आनंद ने यह जानकारी दी। चोरी का मामला 31 अगस्त को तब सामने आया था, जब मद्रास रेजिमेंट के एक लेफ्टिनेंट कर्नल ने हैदराबाद के बोलाराम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, लगभग 40 मीटर की दूरी पर स्थित दो शस्त्रागार रूम के ताले तोड़कर बड़ी संख्या में हाईटेक वेपंस चोरी कर लिए गए थे। डीजीपी ने यहां पत्रकारों को बताया कि 37 साल का उप्पुथल्ला मल्लेश 20 बटालियन, मद्रास रेजिमेंट में हवलदार के पद पर था। अनुशासनहीनता और खराब स्वास्थ्य के चलते उसे इस साल जून में समय से पहले सेना से सेवानिवृत्त कर दिया गया था।

सेना का पूर्व हवलदार अरेस्ट

जायंट्स सतना सहेली का भव्य शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नवगठित कार्यकारिणी ने लिया सेवा का संकल्प

सतना ब्यूरो।

समाज सेवा जनकल्याण एवं मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित जायंट्स सतना सहेली का भव्य शपथ ग्रहण समारोह बुधवारए 9 सितंबर 2026 को होटल शिवलोक, मुख्तियारगंज, सतना में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में नवगठित संस्था की कार्यकारिणी की घोषणा के साथ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाज सेवा के प्रति पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ कार्य करने की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि फेडरेशन अध्यक्ष दीपिका शर्मा एवं फेडरेशन सचिव दीपाली गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही यूनिट डायरेक्टर बसंत शर्मा, राजेश अग्रवाल, संरक्षक श्रीमती मोना चोपड़ा,राखी होतचांदनी,पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर नीलांबर झा जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष डॉ.दीपक सोई हेमंत डेनियल विनोद गेलानी एवं भूमिका जी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नवगठित कार्यकारिणी

अध्यक्ष डॉ.मनीषा सोई, उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति चौरसिया ,उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता शर्मा,सचिव श्रीमती मोनिका कत्याण,कोषाध्यक्ष ‚ श्रीमती जागृति सिंह, सहित संस्था की समस्त सदस्याओं ने सेवा कार्यों को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में मोक्ष भक्ति सुखेजा एवं जागृति सिंह की विशेष भूमिका रही। वहीं विनीता लेखवानी, राखी होतचांदनी,मोना चोपड़ा एवं डाली भामरी सहित संस्था से जुड़ी सदस्याओं की सक्रिय सहभागिता रही। समारोह में सतना शहर के अनेक समाजसेवी एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इनमें सुषमा गुप्ता, काजल श्रीवास्तव, मुक्ता शुक्रामणि,इंद्राणी चटजी, सरिता शुक्रामणि मधु दालवानी शोभा आर्टनी, मौसमी बनर्जी,बबीता चौरसिया, वीणा श्रीवास्तव,सोनिका जायसवाल,ज्योति मनवानी, रावी गुप्ता हर्षा कपड़ी, वर्षा दसानी एसोनिया केसवानी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और नवगठित संस्था की पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

वक्ताओं ने कहा कि जायंट्स सतना सहेली की शुरुआत समाज सेवा के क्षेत्र में एक सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण पहल है। संस्था समाज के विभिन्न वर्गों की सेवाए जरूरतमंदों की सहायता तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यों को निरंतर गति प्रदान करेगी। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सेवा कार्यों को नई दिशा और नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई। संस्था की ओर से कहा गया कि सेवा केवल कार्य नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का भाव है। जायंट्स सतना सहेली इसी भावना के साथ जरूरतमंदों तक पहुंचकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य करेगी।

भव्य शपथ ग्रहण समारोह के साथ जायंट्स सतना सहेली ने समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी नई यात्रा का शुभारंभ किया। उपस्थित अतिथियों एवं समाजसेवियों ने संस्था की पूरी टीम को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मिस्टी सिंह ने नीट में रचा सफलता का नया अध्याय 589 अंकों से हासिल किया एम.बी.बी.एस में प्रवेश

सतना ब्यूरो। प्रतिभा अगर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़े तो मंजिल खुद कदम चूमती है। ऐसा ही गौरवपूर्ण उदाहरण पेश किया है कोठी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत रनेही निवासी एवं दिल्ली में बिल्डर का कार्य करने वाले मेरे परम मित्र राकेश सिंह चन्देल पिंकू की सुपुत्री मिस्टी सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट यूजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 589 अंक हासिल किए और अपनी मेहनत लगन एवं प्रतिभा का परचम लहराया। मिस्टी की इस उपलब्धि के बाद उनका चयन बुलंदशहर स्थित मेडिकल कॉलेज में एम .बी .बी. एस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। उनकी सफलता से न केवल परिवार बल्कि रनेही गांव कोठी क्षेत्र और पूरे सतना जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखने वाली मिस्टी ने यह साबित कर दिया कि सपनों को पूरा करने के लिए परिस्थितियां नहीं बल्कि मजबूत इरादे और निरंतर मेहनत मायने रखती है। अपनी इस सफलता का श्रेय मिस्टी ने अपने बाबा राजेंद्र सिंह, दादी श्रीमती गीता सिंह, माता.पिता,चाचा.चाची एवं समस्त परिवारजनों को दिया। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के उन तमाम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें हकीकत में बदलने का जुनून रखते हैं। मिस्टी की इस शानदार उपलब्धि पर परिवारजनों मित्रों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

सतना के पांच खिलाड़ी दिखा रहे दमखम, इंदौर में नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप शुरू

सतना ब्यूरो। एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान तथा वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन के सानिध्य में आयोजित पांच दिवसीय सीनियर एवं मास्टर्स नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप मेंस एंड वूमेंस का इंदौर में आगाज हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में सतना के पांच खिलाड़ी मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जिले की उत्कृष्ट खिलाड़ी वैभवी मिश्रा दीक्षा खरे आकांक्षा वर्मा आदित्य प्रताप सिंह परिहार एवं ध्रुव प्रताप सिंह प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं। 8 से 12 सितंबर तक आयोजित इस चैंपियनशिप में पूरे भारतवर्ष से 1100 से अधिक खिलाड़ी एवं 200 से अधिक ऑफिशियल्स भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में सभी राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों आर्मी एवं पैरामिलिट्री फोर्स सहित लगभग 50 टीमें हिस्सा ले रही हैं। किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ सतना उपाध्यक्ष पदम रंजन मिश्रा ने बताया कि सतना के आदित्य प्रताप सिंह परिहार प्रतियोगिता की सबसे कठिन मानी जाने वाली 75 किलोग्राम से कम भार वर्ग की सीनियर के.1 फाइट स्पर्धा में भाग लेंगे। वहीं वैभवी मिश्रा एवं आकांक्षा वर्मा म्यूजिकल फॉर्म हार्ड स्टाइल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। आकांक्षा 48 किलोग्राम किक लाइट तातामी इवेंट में भी चुनौती पेश करेंगी। दीक्षा खरे प्लस 70 किलोग्राम फुल कॉन्टेक्ट एवं लो किक रिंग इवेंट में मुकाबला करेंगी। सतना के नेशनल चैंपियन ध्रुव प्रताप सिंह ने प्रतियोगिता से ठीक पहले वाको इंडिया द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कैंप में भी सहभागिता दर्ज की है। एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश के अध्यक्ष विनोद सोनाडवाले एवं महासचिव आशुतोष दाधीच ने बताया कि इसी प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर किक बॉक्सिंग सुपर लीग के लिए खिलाड़ियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके साथ ही आगामी वाको इंडिया वर्ल्ड चैंपियनशिप एवं एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के चयन की प्रक्रिया भी होगी। वाको इंडिया के प्रेसिडेंट संतोष अग्रवाल ने प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना की। वरिष्ठ खिलाड़ी अदिति शर्मा और श्रीमती सोनाली मिश्रा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए खिलाड़ियों के साथ प्रतियोगिता स्थल में है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. शिल्पी त्रिपाठी ने एमपीपीएससी वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा में प्रदेश में किया टॉप

सतना ब्यूरो। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं बीएससी में गोल्ड मेडलिस्ट डॉ.शिल्पी त्रिपाठी ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ; द्वारा गृह विभाग के अंतर्गत आयोजित वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। 7 सितंबर को घोषित परिणाम में डॉ. शिल्पी ने अनारक्षित वर्ग की मुख्य चयन सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए फॉरेंसिक अफसर के पद पर अपना चयन सुनिश्चित किया है।

ग्रामोदय से शुरू हुआ उत्कृष्टता का सफर

डॉ.शिल्पी त्रिपाठी ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से बीएससी बायो तथा एमएससी रसायन शास्त्र की शिक्षा प्राप्त की। वे दोनों ही पाठ्यक्रमों में टॉपर रहीं तथा बीएससी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने इसी विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में पीएचडी की उपाधि हासिल की। ग्रामोदय विश्वविद्यालय से शुरू हुआ उनका शैक्षणिक सफर अब प्रदेश की प्रतिष्ठित लोक सेवा परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने तक पहुंचा है। उनकी सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता शोधपरक वातावरण तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा का उल्लेखनीय उदाहरण है। डॉ.शिल्पी त्रिपाठी का परिवार भी शिक्षा एवं अकादमिक क्षेत्र से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके पिता प्रोण् आई.पी. त्रिपाठी राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा में कुलगुरु पद पर कार्यरत हैं। उनकी दोनों बहनें डॉ.चंदन त्रिपाठी आयुर्वेद चिकित्सक व स्वाति शुक्ला पीएचडी उपाधि धारक हैं जबकि उनके छोटे भाई हेमंत त्रिपाठी पीएचडी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। उनके पति डॉ. अतुल कुमार शुक्ला शासकीय टीआरएस महाविद्यालय रीवा में प्राध्यापक हैं। अकादमिक परिवेश से जुड़े परिवार के बीच डॉ. शिल्पी ने अपनी मेहनत लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर स्वयं की विशिष्ट पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धि इस दृष्टि से भी उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय स्तर पर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा में भी प्रदेश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया।

कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे ने व्यक्त की प्रसन्नता

डा.शिल्पी त्रिपाठी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.आलोक चौबे ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं पूर्व विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां पूरे ग्रामोदय परिवार के लिए गौरव का विषय हैं। डॉ.शिल्पी की सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। कुलगुरु प्रो चौबे ने कहा कि डॉण् शिल्पी ने अपनी मेहनत लगन निरंतर अध्ययन और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की है। ग्रामोदय विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडल प्राप्त करने से लेकर पीएचडी की उपाधि हासिल करने और अब मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने तक की उनकी यात्रा विद्यार्थियों के लिए प्रेरक उदाहरण है। डॉ. शिल्पी त्रिपाठी की यह उपलब्धि ग्रामोदय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता शोधपरक वातावरण और विद्यार्थियों की प्रतिभा का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

राष्ट्रीय कवि संगम के पितृ पुरुष जगदीश मित्तल परमार्थी को साहित्यकारों ने अर्पित की भावांजलि

शहडोल (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक ,राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिश्ठ संघ प्रचारक पूज्य बाबूजी जगदीष परमार्थी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन, राष्ट्रीय कवि संगम षहडोल की जिलाध्यक्ष अंजू सिंह बघेल के बाणगंगा स्थित निवास पर किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि संगम विंध्य प्रांत संरक्षक एवं संचालक मृगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बाबूजी के साथ बिताए अनेक प्रेरणास्पद संस्मरण साझा किए। श्री राम वन गमन पथ काव्य यात्रा के दौरान षहडोल आगमन तत्पष्चात ब्यौहारी में बृहद काव्य आयोजन बाबूजी की विषेश कृपा का ही प्रसाद था। ज्ञातव्य है

स्वयं कवि न होते हुए भी बाबूजी ने हजारों रचनाकारों को राष्ट्रीय कवि संगम के माध्यम से मंच प्रदान कर काव्य को राष्ट्रीय भावना एवं संस्कृति से जोड़ते हुए जो एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया है ।वह वंदनीय है, अभिनंदनीय है ।बाबूजी की निस्वार्थ, समर्पित, प्रेरक एवं स्नेहिल कार्य व्यवहार और पद्धति को विषेश याद किया गया। जिन्हें सुनकर राष्ट्रीय कवि संगम के सदस्य भावुक हो उठे। उपस्थित साहित्यकारों एवं पदाधिकारियों ने बाबूजी जगदीष परमार्थी के व्यक्तित्व, कृतित्व, राश्ट्र एवं समाज के प्रति उनके समर्पण तथा साहित्यिक योगदान को स्मरण करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बाबूजी के विचारों एवं उनके द्वारा दिए गए च्राश्ट्र जागरण, धर्म हमाराज्ज के उद्घोश को स्मरण किया गया। उपस्थित साहित्यकारों ने कहा कि बाबूजी का संपूर्ण जीवन राश्ट्र जागरण, भारतीय संस्कृति, साहित्य और समाज में सकारात्मक चेतना के प्रसार के लिए समर्पित रहा।

उनके विचार, संस्कार और आदर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित साहित्यकारों एवं पदाधिकारियों ने बाबूजी से जुड़े अपने-अपने संस्मरण साझा किए तथा उनसे संबंधित एवं उन्हें समर्पित रचनाओं का पाठ कर भावांजलि अर्पित की।

धनपुरी में बने वाटर पार्क को जल्द से जल्द कराएं प्रारंभ : कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल एवं पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने आज धनपुरी में 11 एकड़ भूमि में लगभग 20 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित वाटर पार्क का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओ का जायजा लिया। कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि धनपुरी वाटर पार्क को यथाशीघ्र प्रारंभ कराएं जिससे वाटर पार्क में बनाएं गए जिम, क्लब, आदि सुविधाओ का लाभ लोगो को मिल सके। कलेक्टर को निरीक्षण के दौरान बताया गया कि वाटर पार्क में जिम, क्लब, तैराक, रेस्टोरेंट, मीटिंग हॉल जैसे अन्य आधुनिक सुविधाओ को समाहित किया गया।

सीएमओ के औचक निरीक्षण में सामने आई लापरवाही उपयंत्री को 24 घंटे में स्पष्टीकरण का नोटिस

ट्रेंचिंग ग्राउंड की सड़क बनी कचरा डंपिंग जोन, नगर पालिका ने कसा शिकंजा

शहडोल (स्वतंत्रमत)। षहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर पालिका परिशद ने अब लापरवाही के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। जमुई स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड की सड़क पर कचरा डाले जाने की स्थिति सामने आने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी आषा जितेंद्र भंडारी ने अचानक मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क पर कचरा जमा पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करते हुए उपयंत्री पुनित त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नगर के विभिन्न वार्डों से कचरा लेकर ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचने वाले वाहन सड़क पर ही कचरा खाली कर रहे थे। इसके चलते सड़क पर कचरे का ढेर लग गया था और ट्रेंचिंग ग्राउंड तक कचरा वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। सड़क पर कचरा जमा होने से न केवल कचरे के व्यवस्थित निस्तारण में बाधा उत्पन्न हो रही थी, बल्कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित होने की स्थिति में पहुंच गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ आषा जितेंद्र भंडारी ने उपयंत्री पुनित त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर लिखित स्पश्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देष दिए हैं। नोटिस में स्पश्ट किया गया है कि कचरा प्रबंधन एवं सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही सिद्ध होने पर संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ ने स्पश्ट षब्दों में कहा कि षहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कचरा संग्रहण, परिवहन और उसके अंतिम निस्तारण की व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी लापरवाही सामने आएगी, वहां जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग राजकुमार की शिक्षा में दिव्यांगता नहीं बनेगी बाधक

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के ग्राम दरषिला निवासी दिव्यांग राजकुमार जायसवाल के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर उम्मीद और नई संभावनाओं की सौगात लेकर आया। शिक्षा के प्रति लगन रखने वाले राजकुमार की दिव्यांगता अब उनकी पढ़ाई में बाधक नहीं बनेगी। षिविर में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने राजकुमार की आवष्यकता को समझते हुए उन्हें मोटराइज्ड साइकिल उपलब्ध कराने की पहल की। साथ ही बस में दिव्यांग के लिए मुफ्त यात्रा पास तथा छात्रावास में रहने की सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में आवष्यक सहयोग देने का भरोसा दिया। राजकुमार जायसवाल की आर्थिक एवं पारिवारिक परिस्थितियों के कारण षिक्षा के लिए आवागमन एक चुनौती बना हुआ था। मोटराइज्ड साइकिल मिलने से उन्हें आने-जाने में सुविधा होगी और वे अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रख सकेंगे। बस में नि:षुल्क यात्रा पास मिलने से आवष्यक आवागमन का खर्च भी कम होगा।

सरकार पहुंची गांव की चौखट पर

गुतलवाह में जन.विश्वास शिविर ने बांटा योजनाओं का लाभ और भरोसा

कलेक्टर ने बच्चों को अपने हाथों से पहनाए जूते

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन.विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद पंचायत शहपुरा के ग्राम गुतलवाह में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के साथ पात्र हितग्राहियों को स्वीकृत हितलाभ एवं सहायता राशि का वितरण किया गया। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं डीएफओ ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत चार हितग्राहियों को सामूहिक रूप से 5 लाख 72 हजार रुपये का लाभ प्रदान किया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा पीएमएफएमई योजना एवं समूह ऋण के माध्यम से स्व.सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों के लिए 14 लाख 96 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई।

आजीविका मिशन से जुड़ी स्व.सहायता समूहों की दीदियों को 51 लाख रुपये का वितरण किया गया। जनपद शिक्षा केन्द्र द्वारा विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई। जनजातीय कार्य विभाग की मुख्यमंत्री नि:शुल्क स्कूटी प्रदाय योजना के तहत दो छात्राओं को 1 लाख 80 हजार रुपये तथा लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपये प्रदान किए गए। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजनाए भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण स्वरोजगार योजना के तहत हितग्राहियों को 4 लाख 88 हजार रुपये से लाभान्वित किया गया। इसके अलावा पंचायत

एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संबल योजनाए स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, दिव्यांग पेंशन एवं कल्याणी पेंशन के हितग्राहियों को सहायता उपलब्ध कराई गई। नगर परिषद शहपुरा द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के तहत 1 लाख 90 हजार रुपये तथा आरबीसी के प्रकरणों में 8 लाख 32 हजार रुपये की राहत राशि स्वीकृत की गई।

आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए हितग्राहियों से योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। जिन प्रकरणों का समाधान शिविर में संभव नहीं हो सका है, उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

बच्चों के बीच पहुंचीं कलेक्टर, खुद पहनाए जूते

शिविर से पहले कलेक्टर ने वीरांगना रानी दुर्गावती अंग्रेजी माध्यम कन्या आश्रम, शहपुरा का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीयता के साथ संवाद कर उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों को अपने हाथों से जूते पहनाए। कलेक्टर का यह आत्मीय व्यवहार बच्चों के लिए उत्साह और खुशी का विषय रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से

विद्यालय आनेए मन लगाकर पढ़ाई करने तथा जीवन की चुनौतियों से बिना घबराए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

204 सड़कों का होगा सर्वे

कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक जिले के विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का निराकरण करने के साथ पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने बताया कि विकासखंड शहपुरा में 204 सड़कों को चिन्हित किया गया हैए जिनका सर्वे कर योजना के माध्यम से निर्माण कार्य कराया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जिले के 84 विद्यालयों के कक्षा 12वीं के 962 मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप के लिए 25.25 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है। इस मद में कुल 2 करोड़ 40 लाख 50 हजार रुपये की राशि वितरित की गई है।

समय अनमोल है, बीता हुआ पल कभी लौटकर नहीं आता

समय हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक है। धन, वस्तुएं और अन्य साधन खो जाने पर दोबारा प्राप्त किए जा सकते हैं, लेकिन बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय का सदुपयोग करना चाहिए। जो व्यक्ति समय के महत्व को समझता है और अपने कार्य समय पर पूरा करता है, वह जीवन में सफलता की ओर आगे बढ़ सकता है।

विद्यार्थी जीवन में समय का विशेष महत्व

विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व और भी अधिक होता है। विद्यार्थी का मुख्य उद्देश्य पढ़ाई करना, ज्ञान बढ़ाना और अपने भविष्य की नींव मजबूत करना है। पढ़ाई के साथ खेल, आराम, भोजन और अन्य गतिविधियों के लिए भी उचित समय निर्धारित करना चाहिए। समय-सारणी बनाकर पढ़ाई करने से सभी विषयों को पर्याप्त समय दिया जा सकता है। इससे पढ़ाई का बोझ कम महसूस होता है और कार्य व्यवस्थित तरीके से पूरे होते हैं।

समय की बर्बादी से बचें

समय की बर्बादी व्यक्ति के लिए कई समस्याएं पैदा कर सकती है। मोबाइल, टेलीविजन, खेल या अन्य अनावश्यक गतिविधियों में जरूरत से ज्यादा समय बिताने से पढ़ाई और जरूरी काम प्रभावित होते हैं। समय पर काम पूरा न करने से अवसर हाथ से निकल सकते हैं। इसलिए आज के काम को कल पर

टालने की आदत से बचना चाहिए।

समय प्रबंधन से बढ़ता है अनुशासन

समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति अनुशासित और जिम्मेदार बनता है। वह अपने कार्यों को प्राथमिकता के अनुसार व्यवस्थित करता है और निर्धारित समय पर पूरा करने का प्रयास करता है। समय प्रबंधन से तनाव कम होता है और व्यक्ति अपने लक्ष्यों की ओर लगातार आगे बढ़ सकता है।

सफलता की पहली सीढ़ी है समय का सम्मान

जीवन में सफलता प्राप्त करने वाले लोगों ने समय के महत्व को समझकर उसका सही उपयोग किया है। विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेकर समय का सम्मान करना चाहिए। सुबह समय पर उठना, विद्यालय समय पर पहुंचना, नियमित पढ़ाई करना, गृहकार्य पूरा करना और पर्याप्त आराम करना अच्छी समय-प्रबंधन की आदतें हैं।

हर पल का करें सही उपयोग

यदि विद्यार्थी छोटी उम्र से ही समय का महत्व समझ लें और उसका सही उपयोग करने की आदत विकसित कर लें, तो वे अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। समय का सही उपयोग केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता का आधार बनता है।

निष्कर्षतः, हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि समय ही जीवन है। समय का सम्मान करना वास्तव में अपने जीवन का सम्मान करना है। इसलिए हर पल को सार्थक बनाएं और समय को व्यर्थ न गंवाएं।

उर्मिला विश्वकर्मा

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

कर लो इज्जत माँ-बाप की

ये जीवन के पहले शिक्षक हैं,
उँगली पकड़कर चलना सिखाएँ,
ये ही हमारे सच्चे रक्षक हैं।
न कोई फीस, न कोई किताब,
फिर भी ज्ञान अपार दिया,
खुद धूप में जलते रहे मगर,
हमें सदा सुख-संसार दिया।
माँ ने लोरी में पाठ पढ़ाया,
पिता ने संघर्ष सिखाया,
गिरकर फिर से उठना कैसे,
दोनों ने हमें बताया।
पहली बोली माँ से सीखी,
पहला कदम उन्हीं के संग,
सही-गलत का भेद बताया,
भर दिया जीवन में रंग।
खुद के सपने पीछे रखकर,
हमारे सपने सजाते हैं,
हम मुस्काएँ बस इस खातिर,
अपने आँसू छिपाते हैं।
हम बड़े हुए तो भूल गए,
किसने हमें बड़ा बनाया,
जिस घर ने हमको सब कुछ दिया,
उसी घर को छोटा बताया!
मोबाइल में दुनिया अपनी है,
पर माँ-बाप को वक्त नहीं,
हजारों मित्र ऑनलाइन हैं,
पर उनके लिए एक पल नहीं।
कभी माँ की बात पुरानी लगती,
कभी पिता की सीख भारी,
पर जब मुश्किल घेरती जीवन में,
याद आती वही जिम्मेदारी।
जिन हाथों ने हाथ पकड़कर,
हमें चलना सिखलाया था,
आज उन्हीं हाथों को हमने,
क्यों अकेला छोड़ दिया?
पद, पैसा और नाम मिलेगा,
दुनिया खूब सलाम करेगी,
पर माँ-बाप की आँखों में यदि,
नमी रहीकृतो जीत अधूरी रहेगी।
मत ढूँढ़ो भगवान मंदिर में,
पहले घर में सम्मान करो,
माँ-बाप के चरणों में बैठकर,
उनका थोड़ा मान करो।
उनके रहते प्रेम जता लो,
बाद में पछताना कैसा?
फूल चढ़ाने से क्या होगा,
जब साथ थाकृतब समय न दिया जैसा?
कर लो इज़्ज़त माँ-बाप की,
ये जीवन के पहले गुरु हैं,
इनके आशीर्वाद से ही तो,
हम अपने सपनों के काबिल हुए हैं।
कल हम भी बूढ़े होंगे,
कल हमारी भी बारी है,
आज जो देंगे अपने माता-पिता को,
कल वही हमारी तैयारी है।
इसलिए सिर झुकाकर कह दोकृ
माँ-पापा, आप महान हैं,
आपने ही जीवन दिया है,
आप ही मेरी पहली पहचान हैं।

मुकेश तिवारी

शिक्षक, हितकारिणी उ.मा. शाला, गोरखपुर, जबलपुर।

हमारे पास सब कुछ है, फिर भी समय क्यों नहीं?

आज का इंसान इतिहास के किसी भी दौर की तुलना में अधिक सुविधासंपन्न है। बटन दबाते ही खाना घर पहुंच जाता है, हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति से पलभर में बात हो जाती है और दुनिया की जानकारी हमारी जेब में मौजूद एक स्क्रीन पर मिल जाती है। तकनीक ने घंटों का काम मिनटों में समेट दिया है। फिर भी जब किसी से पूछा जाता है कैसे हो? तो अक्सर जवाब मिलता है, सब ठीक है, बस फुर्सत नहीं है। सवाल यह है कि आधुनिक सुविधाओं ने हमारा समय बचाया, फिर भी हमारे पास समय क्यों नहीं है?

समय बचाने वाली सुविधाओं का भ्रम

वॉशिंग मशीन, ऑनलाइन शॉपिंग और तेज परिवहन जैसी सुविधाओं से समय बचा है। उम्मीद थी कि इस अतिरिक्त समय में हम परिवार के साथ रहेंगे, आराम करेंगे या अपनी पसंद के काम करेंगे। लेकिन बचा हुआ समय हमने अधिक काम और अधिक जिम्मेदारियों से भर दिया। हमारी जिंदगी में गति बढ़ती गई, लेकिन ठहराव कम होता गया।

स ीन बन गई समय की बड़ी चुनौती

आज मोबाइल और सोशल मीडिया हमारा काफी समय खा रहे हैं। लगातार आने वाले नोटिफिकेशन, रील्स और फीड हमारे ध्यान को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट देते हैं। कई बार हम किसी जरूरी काम के बीच भी मोबाइल देखने लगते हैं। इससे वास्तविक आराम के

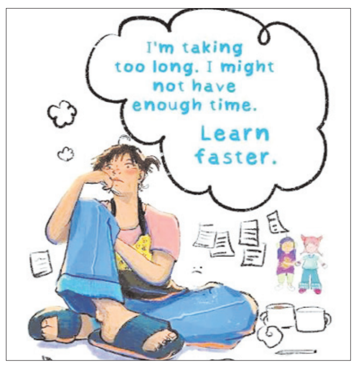

बजाय मानसिक थकान बढ़ती है और लगता है कि समय तेजी से निकल रहा है।

हर समय व्यस्त रहने की होड़

आधुनिक जीवनशैली में हमेशा व्यस्त रहना सफलता का प्रतीक मान लिया गया है। खाली बैठना कई बार आलस्य समझा जाता है। इसी सोच के कारण लोग एक साथ कई काम करने की कोशिश करते हैं। इसका असर काम की गुणवत्ता, एकाग्रता और मानसिक शांति पर पड़ता है।

बढ़ती इच्छाएं भी चुरा रही हैं समय

सुविधाओं के साथ हमारी इच्छाओं का दायरा भी बढ़ा है। बेहतर जीवनशैली, सामाजिक प्रतिष्ठा और लगातार कुछ नया हासिल करने की दौड़ में हम वर्तमान को जीने का समय खोते जा रहे हैं।

समय वापस पाने के लिए जरूरी हैं छोटे बदलाव

समय की कमी का समाधान हमेशा अधिक समय मिलने में नहीं, बल्कि प्राथमिकताएं तय करने में है। दिन में कुछ समय स्क्रीन से दूर रहना, हर निमंत्रण और काम को स्वीकार न करना, प्रतिदिन कुछ मिनट शांत बैठना और परिवार के साथ रहते समय पूरी तरह उपस्थित रहना उपयोगी आदतें हैं।

सुविधाएं जीवन के लिए हैं, जीवन सुविधाओं के लिए नहीं

समय कहीं खोया हुआ नहीं है, बल्कि वह आज और अभी हमारे पास मौजूद है। तकनीक और सुविधाओं का उद्देश्य जीवन को आसान बनाना है, उसे लगातार व्यस्त बनाना नहीं। यदि हम अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें, तो सब कुछ होने के बावजूद समय नहीं है की शिकायत को काफी हद तक बदला जा सकता है।

अंजना भारती

शिक्षक, आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

किचन वेस्ट से ऐसे बनाएं खाद

रसोई से निकलने वाला कचरा अक्सर बेकार समझकर फेंक दिया जाता है, जबकि इसका उपयोग घर पर ही जैविक खाद बनाने में किया जा सकता है। सब्जियों और फलों के छिलके, चायपत्ती, बची हुई पत्तियां और अन्य जैविक अवशेष खाद बनाने के लिए उपयोगी होते हैं। इससे कचरा भी कम होता है और पौधों को प्राकृतिक पोषण मिलता है।

कैसे बनाएं खाद?

सबसे पहले किसी बाल्टी या बड़े डिब्बे में नीचे छोटे-छोटे छेद कर लें, ताकि हवा का आवागमन बना रहे। इसमें सूखे पत्ते या कागज की एक परत डालें। इसके ऊपर सब्जियों और फलों के छिलके, चायपत्ती जैसे गीले कचरे की परत डालें। फिर सूखे पत्तों या मिट्टी की हल्की परत डालें। इसी तरह परतें बनाते रहें।

डिब्बे को ढककर रखें और सामग्री को समय-समय पर पलटते रहें। यदि मिश्रण बहुत सूखा लगे तो थोड़ा पानी छिड़क सकते हैं। कुछ सप्ताह बाद कचरा धीरे-धीरे गलकर गहरे रंग की भुरभुरी खाद में बदल जाएगा।

पर्यावरण के लिए फायदेमंद

घर पर खाद बनाने से किचन वेस्ट की मात्रा घटती है, कूड़े के ढेर पर दबाव कम होता है और पौधों के लिए रासायनिक खाद का विकल्प मिलता है। इस छोटी-सी आदत से घर को स्वच्छ और पर्यावरण को बेहतर बनाने में योगदान दिया जा सकता है।

खाद में क्या डालें?

- सब्जियों और फलों के छिलके
- बची हुई चायपत्ती और कॉफी के अवशेष
- सूखे पत्ते और घास
- पौधों की सूखी या हरी पत्तियां
- बिना तेल-मसाले का बचा हुआ भोजन
- अंडे के छिलके (कुचले हुए)

खाद में क्या न डालें?

- प्लास्टिक, पॉलीथिन और रबर
- कांच, धातु और पत्थर
- मांस मछली और हड्डियां
- बहुत अधिक तेल या चिकनाई वाला भोजन
- रासायनिक पदार्थ और डिटर्जेंट
- बीमार या संक्रमित पौधों के हिस्से

ध्यान रखें खाद बनाने के लिए गीले कचरे के साथ सूखे पत्ते या कागज की मात्रा संतुलित रखना जरूरी है। इससे दुर्गंध कम होती है और खाद अच्छी तरह तैयार होती है।

मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास, सफलता की सीढ़ी

हर व्यक्ति जीवन में सफल होना चाहता है, लेकिन सफलता किसी एक दिन में मिलने वाली उपलब्धि नहीं है। यह छोटे-छोटे प्रयासों, सही निर्णयों और लगातार आगे बढ़ने से हासिल होती है। सफलता की राह को यदि एक सीढ़ी माना जाए तो उसका हर पायदान हमें मंजिल के करीब ले जाता है। विद्यार्थी जीवन में इन पायदानों को समझना भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है।

पहला पायदान, सपना और लक्ष्य- सफलता की शुरुआत एक सपने से होती है, लेकिन केवल सपना देखना पर्याप्त नहीं है। उसे स्पष्ट लक्ष्य में बदलना जरूरी है। विद्यार्थी को तय करना चाहिए कि उसे किस क्षेत्र में आगे बढ़ना है और इसके लिए किन योग्यताओं की आवश्यकता होगी।

दूसरा पायदान, योजना- लक्ष्य तय करने के बाद उसकी प्राप्ति के लिए योजना बनाना जरूरी है। पढ़ाई, खेल, मनोरंजन और आराम के लिए समय निर्धारित करने से काम व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जा सकता है। छोटी-छोटी योजनाएं बड़े लक्ष्य को आसान बनाती हैं।

तीसरा पायदान, समय का सदुपयोग- समय सफलता की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है। बीता हुआ समय वापस नहीं आता। इसलिए विद्यार्थियों को मोबाइल, सोशल मीडिया और अनावश्यक गतिविधियों में समय गंवाने के बजाय उसका उपयोग पढ़ाई और कौशल विकास में करना चाहिए।

चौथा पायदान, मेहनत और अभ्यास- किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए मेहनत जरूरी है। केवल प्रतिभा के भरोसे आगे बढ़ना संभव नहीं। नियमित अभ्यास व्यक्ति की कमजोरियों को दूर करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। लगातार प्रयास करने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी क्षमता को बेहतर बनाता है।

पांचवां पायदान, अनुशासन- अनुशासन सफलता की सीढ़ी को मजबूत बनाता है। समय पर उठना, नियमित पढ़ाई करना, अपने काम की जिम्मेदारी लेना और बनाए गए लक्ष्य पर कायम रहना अनुशासन के उदाहरण हैं। छोटी अच्छी आदतें आगे चलकर बड़ी उपलब्धियों का आधार बनती हैं।

छठा पायदान, असफलता से सीख- सफलता की राह में असफलता आना स्वाभाविक है। परीक्षा में कम अंक या किसी प्रतियोगिता में हार को अंत नहीं मानना चाहिए। असफलता यह बताती है कि कहां सुधार की जरूरत है। गलतियों से सीखकर दोबारा प्रयास करना ही वास्तविक सफलता की पहचान है।

सातवां पायदान, आत्मविश्वास और धैर्य- कई बार परिणाम मिलने में समय लगता है। ऐसे में धैर्य बनाए रखना जरूरी है। स्वयं पर विश्वास रखने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास जारी रखता है। सकारात्मक सोच उसे निराश होने से बचाती है।

शब्द पहेली - 8972

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
8. पासे फेंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़-4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -8971 का हल

■	त	ल	वा	र	■	शि	■	■
■	क	■	ख	■	अ	म	न	क
क	ग	र	■	क	प	ट	■	ठ
■	र	ज	त	■	ना	■	अं	गु
अ	■	क	थो	प	क	न	■	से
ला	ची	■	ज	■	न	ज	ता	■
न	■	स	वा	ल	■	र	न	त
क	र	श	मा	■	अ	■	वा	■
■	■	ल	■	अ	म	आ	व	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वतंत्र मत
जबलपुर

मानपुर नगर में छाये अस्थाई अतिक्रमण किसी भी वक्त बन सकता है हादसे का कारण..!

मानपुर (स्वतंत्रमत) – राष्टीय उद्यान बांधवगढ़ क्षेत्र का ब्लॉक, विधान सभा मुख्यालय एवं नगर परिषद मानपुर, जिला उमरिया में स्थित है, मानपुर से ब्योहारी, रीवा सीधी, शहडोल, जयसिंह नगर, कटनी, मैहर और उमरिया के लिये सीधे पहुंच मार्ग है। रेलवे और हवाई सुविधा से वंचित इस ट्राइवल विधान सभा क्षेत्र में यातायात के लिये एक मात्र साधन सड़क है, बांधवगढ़ मुख्यालय ताला और तकरीब 84 ग्राम पंचायतों से युक्त जनपद पंचायत मुख्यलय मानपुर है, यहां का मुख्य बाजार मानपुर में लगता है, यहां एसडीएम, कॉलेज, स्कूल, न्यायालय, स्वास्थ्य विभाग जैसे कई विभीगीय कार्यालय संचालित हैं, यदि ऐसे केन्द्र विंदु नगर की ब्यवस्था चरमारई हो हमेशा जानलेवा हादसों का डर बना रहता हो, वहां मानव जीवन कैसे चलता होगा सब समझ सकते हैं।

मानपुर बस स्टैंड से ब्योहारी, शहडोल और उमरिया तीन मुख्य सड़क निकलते हैं, बस स्टैंड से ब्लॉक तक, बस स्टैंड से घनी गैस एजेंशी तक और बस स्टैंड से रेंज कार्यालय तक मानपुर के सड़क में अस्थाई अतिक्रमण का प्रकोप हैं। यहां से निकलने वाले लोग जैसे अपने प्राण को हंथेली में लेकर चलते हों के भय से सफर करते हैं।

इस क्षेत्र के सड़क के दोनो तरफ रोड से सट कर मकान बने हुये हैं, उन्ही मकान के सामने नाली बनी है तो कई जगह नली भी नहीं है, जहां डवल लाइन सड़क और मकानों के मध्य दो से चार मीटर तक रिक्त जगह है, कई मकान वालों ने अपने मकान के सीढ़ी और छत के पोर्च को रोड तरफ नाली क्रास कर बना दिये गये हैं, यहां ब्यापारियों द्वारा दुकान मकान से बाहर नाली को दवाकर सड़क के किनारे तक लगाया जाता है, वहीं प्रचारक बोर्ड को सड़क में रख दिया जाता है, जहां बाजार करने आये ग्राहकों और मालवाहक गाड़ी एवं आटो को दुकान के सामने घंटों के लिये खड़े कर दिये जाते हैं, जिसके बाद सड़क के ऊपर फुटकर ब्यापारी और ठेला वाले अपना दुकान लगा लिया करते हैं। स्थाई दुकान वाले ब्यापारी अपने मकान – दुकान के सामने सड़क से सटाकर लोहा व लकड़ी के खम्भे गड़ाकर टम्परेडी टीना टप्पड़ और पन्नी लगाकर भी स्थाई अतिक्रमण कर रखे हैं, वही सड़क अवारा मवेशियों का निवास और भृमण का आड्डा भी बना हुआ है, उसी सड़क से स्कूली बच्चे, स्कूली, आफिशल, मरीज, ब्यापारी और आम नागरिकों के बाहन का भी निकलना होता है, बड़े दुख की बात यह है कि पक्की डवल लाइन वाली बाई पास सड़क होते हुये भी खनिज,पेट्रोलियम, सवारी, मालवाहक वाले एवं जेसीबी, ट्रैक्टर, ट्रेक जैसे भारी बड़े वाहन इसी बीच बाजार और शास्कीय कार्यलयों के मध्य वाले सड़क से ही निकला करते हैं। इसी लिये यहां न चाहकर भी पल – पल में घंटों के लिये लम्बा जाम लगा रहता है, इस तरह के लम्बे जाम में फंसने पर स्कूली बच्चे और मरीजों पर क्या बीतता होगा..? सूत्रों की माने तो इस सच्चाई से जिला से प्रदेश तक के अधिकारी और जन प्रतिनिधि परचित होंगे, क्यों कि यही सड़क से मप्र के उप मुख्यमंत्री जी का भी भृमण हो चुका है, मानपुर नगर परिषद के सभी वार्डों के सड़कों में जगह जगह पर गिट्टी, मिट्टी, रेत, ईंटा के ढेर सालों से लगे हुये हैं, कई लोग खूंटा – खम्भा गड़ाकर अपने पालतू मवेशी संकले सड़कों पर बांधा करते हैं, कई लोग सड़क तोड़कर सिंचाई के लिये पाइप और पानी निकाला करते हैं, कई लोग अपने खेत के बाड़ी को हर वर्ष सड़क तरफ बढ़ा कर रुधाई करते हुये सड़क पटरी के ऊपर अतिक्रमण कर लिये हैं, जिस से यातायात में बाधायें बनी रहती है। यहां के घातक दुरदसा के स्थिति की जानकारी – मांग पत्र एवं समाचार के माध्यम से हमेशा से होते आरहा है, जिसके बाद भी इस जटिल समस्या का निवारण न होना कहीं किसी जानलेवा हादेसे का इंतजार तो नहीं है.?

स्थानीय लोगों का मानना है कि बस स्टैंट में पीएचई. सिंचाई विभाग के बने हुये जरजर भवन को हटवाकर बस स्टेंड में लगने वाले ठेला और फुटकर दुकानों को पीछे तरफ लगवाने योग्य है, सड़क किनारे के अतिक्रमण को हटवाने के लिये क्षेत्रीय जंता, ब्यापारी, समाजसेवी, जन प्रतिनिधि, राजस्व, पुलिश, यातायात और नगर प्रशासन का सहयोग हो जाय तो सराहनीय योगदान के समान है, क्यों कि इस बाजार और सड़क में आने वाले क्षेत्रवासी, स्कूली बच्चे, ग्राहक, मरीज, किसान कोई बाहरी नहीं अपने समाज से ही हैं जिनकी रक्षा और खुशी से ही हम आप सब के खुशी की बात के बराबर है।

इन्होंने कहाकि–

उपरोक्त समस्या निवारण के लिये मानपुर एसडीएम को आज ही निर्देशित करूंगी

श्रीमती राखी सहाय
कलेक्टर उमरिया

मानपुर ब्लॉक क्षेत्र में फल फूल रहा अवैध शराब पैकारी का कारोबार..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

जिले के मानपुर, इंदवार, अमरपुर,ताला क्षेत्र में अवैध शराब पैकारी का कारोबार धड़ल्ले से संचालित होने की शिकायतें मई 2026 से लगातार आ रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि शराब दुकानों से बड़ी मात्रा में शराब गांव–गांव पहुंचाई जा रही है। परिणाम् स्वरूप मानपुर तहसील क्षेत्र के सभी गांव कसवे में बड़े आसानी से 24 घंटे मदिरा प्राप्त हो जाती है। घर में परिवार पालन के लिये कितना भी तंगी क्यों न हो, घर में रुपिया हो अथवा बर्तन जमीन रासन गिरवी क्यों न रखना पड़े, परिवार में विवादों ग्रहण क्यों न लगा हो, लोग किडनी लीवर सम्बंधित जटिल कई बीमारियों से ग्रसित क्यों न हों, स्कूली बच्चों के लिये स्कूली वस्तुयें हों व नहीं, घातक दुरघटनाओं का कारण नशा ही क्यों न हो, पर नशे से आदतन लोगों को दोनो वक्त अथवा कई लोगों को पूरा दिन सराब मिलना ही चाहिये.! क्षेत्र में शिक्षा स्तर का तेजी से गिरना और अर्थ तंगी, बीमारी, बिवाद, चोरी, अशिक्षा, बेरोजगारी, दुर्घटनाओं के बढ़ते ग्राफ का मूल कारण – हर मोहल्ले में सरलता से मदिरा मिल जाना।

इसके कारण युवाओं में नशे की लत बढ़ने के साथ–साथ कानून व्यवस्था और सामाजिक वातावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

मौके पर आकास्मिक निरीक्षण करने से सच्चाई मिल जायेगी जो ग्रामीणों का कहना है कि मानपुर इंदवार ताला बांधवगढ़ एवं अमरपुर की अधिकृत शराब दुकानों से शराब लेकर कुछ लोग विभिन्न गांवों में बिना नंबर प्लेट के टू व्हीलर एवं सफेद कलर की बिना नंबर प्लेट की बोलेरो से अवैध शराब गांव– गांव तक पहुंचाई जा रही है, जो सेवा मौका देख 24सों घंटे उपलब्ध रहता है.! जिस सच्चाई से जवाबदार प्रशासन कर मिलीभत तालमेल के ताकत से अन्जान बनकर चुप्पी साधे रह शकते हैं पर अज्ञान नहीं हो शक्ते हैं, यदि हर गांव मोहल्लों में खुलेआम अवैध मदिरा का बिक्री चालू रखना हो तो नियमतह वैध दुकान चालू करवाने से पीछे क्यों हो रहे हैं ठेकेदार और प्रशासन.? कहीं तालमेल के मजबूती में गिरावट का भय तो नहीं ?

कोलकाता बाजार में देर रात आग का तांडव, लाखों के कपड़े जलने की आशंका

उमरिया.(स्वतंत्रमत).. जिला मुख्यालय की सब्जी मंडी में इन दिनों सजा कोलकाता बाजार देर रात आग की लपटों से घिर गया। देखते ही देखते आग ने करीब एक दर्जन दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। मंडी में मौजूद लोगों और आसपास के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि समय रहते फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई और आग को 100 से अधिक अन्य दुकानों तक फैलने से रोक लिया गया। कोलकाता बाजार में हर साल कोलकाता से बड़ी संख्या में व्यापारी कपड़े लेकर पहुंचते हैं। व्यापारी कुछ दिनों के लिए यहां अस्थायी दुकानें लगाकर सस्ते दामों पर कपड़ों की बिक्री करते हैं। यही वजह है कि बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में ग्राहक पहुंचते हैं और बाजार में काफी चहल–पहल रहती है। लेकिन देर रात लगी आग ने व्यापारियों की मेहनत पर पानी फेर दिया। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का मोर्चा संभाला। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। व्यापारियों के अनुसार, आग की चपेट में आई दुकानों में बड़ी मात्रा में कपड़े और अन्य सामग्री रखी थी। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक लाखों रुपए का कपड़ा और अन्य सामान जलने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन संबंधित अधिकारियों और व्यापारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। सबसे बड़ी राहत यह रही कि आग आसपास की 100 से अधिक दुकानों तक नहीं पहुंच सकी। यदि आग कुछ देर और फैलती तो कोलकाता बाजार में बड़े नुकसान की स्थिति बन सकती थी। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

जर्जर भवन अथवा निजी घरों में आगनबाड़ी केन्द्र संचालित होने के जवाबदार कौन..?

निर्धारित समय सीमा में निर्मित नहीं हो रहे हैं गुणवत्ता पूर्वक शासकीय भवन

मानपुर (स्वतंत्रमत)

कुपोषण से बचाव और शिक्षा स्तर को बढ़ाने के लिये सरकार बड़े लगन विकास कार्य कर रही है, आगनबाड़ी और स्कूली बच्चों को जरजर भवन में न बैठना पड़े इसी लिये तमान नये भवनो की स्वीकृत देकर भुक्तान करने में अग्रणी रहती है, जबकि निर्माण एजेंशी के मनमानी रवैया से स्वीकृति राषि के पूर्ण भुक्तान होने पर भी निर्धारित समय सीमा पर शास्कीय भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं करवा जाता है, जिससे आम नागरिक और हितग्राही बच्चे, माताओं को जरजर भवन में मजबूरन बैठना पड़ता है, नहीं कई जगह स्टीमेट को किनारे कर गुणवत्ता विहीन निर्माण करवाकर अत्यधिक राषियों को बचाकर आपस में बंदरबाट करने की चरचा दौड़ने लगती है, तो वहीं कई शिकायतें भी होने लगती हैं। किसी भी निर्माण कार्य के समय में उपयंत्री एसडीओ अथवा जवाबदार अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार के कोई निरीक्षण अथवा कड़ाई से नियम पालन पर जोर नहीं दिया जाता है, जो भवन लोकार्ण के पहले ही यदि जरजर का रूप लेने लगे तो उसे निर्माणाधीन बताकर शांत कर दिया जाता है, फिर उन बड़े दरारों में टेंटिंग पेंटिग कर दरारों छिपाकर किसी जन प्रतिनिधी से लोकार्पण करवाकर उस गुणवताता विहीन निर्माण कार्य रूपी भृष्टाचार से मुक्ति पाकर बचत बैलेंश का बंदरबाट कर लिया जाता है, कई जगह तो सालों तक मजदूरों का पूर्ण भुक्तान भी नहीं करवा जाता है,अच्छा खासा मुनाफा कमाई के लिय सबसे सस्ता अथवा लोकल अनुपयोगी रेत, गिट्टी, मिट्टी, और निर्माण के अन्य वस्तुओं की उपलब्धता करवा जाता है, जिसकी शिकायत होने पर कड़ी जांच और कार्यवाही के नाम से बिना मौका देखे कहीं भी बैठकर फरमल्टी अदा कर दिया जाता है, जिस पंचनामा में अपने घनिस्ट लोगों के ही हस्ताक्षर करवा कर तालमेल के बाद शिकायत को झूंठा एवं गुणवत्ता विहीन को गुणवत्ता पूर्वक शिद्ध कर दिया जाता है, चार

छरू वर्ष में उस निर्माण कार्य को पुनह जरजर हो जाने पर यह कहकर कि चार पांच साल चल गया बहुत है जिंदगी तक न चलेगा, यदि वही निर्माण कर्ता और विभागीय प्रशासन के भवनों को देखा जाय जो कम बजट से बने होते हैं, तो वो 50सों साल तक नये निर्मित जैसे अच्छे और सुरक्षित रहते हैं क्यों कि अपने खुद के मकान, बाध तालाब खेत में मिलीभगत और तालमेल का हिरकाव नहीं हो पाता है। मानपुर के नजदीक ग्राम पंचाय लखनौटी की लीला महान् है, यहां कई लाख के बजट से पिछले कई महीनों पहले से एक सामुदायिक भवन निर्माणाधीन है, जिसका अभी तक प्लेंथ भी पूरा नहीं हो पाया है और मोटी बजट का यारा न्यारा हो गया है, गुपित नाम स्थानीयों का कहना है कि लोकल नाले का मिट्टी युक्त कुदरी रेता, घटिया गिट्टी, सस्ते वाले कम क्वालिटी के सीमेंट और कड़े लोहे का उपयोग किया गया है, जिनके कॉलम की गहराई भी कम है, जिस भवन की उम्र भगाव भरोसे है, यही दसा यहां के उरदना आगन बाड़ी केन्द्र भवन की है द्य दो साल बीतने के बाद भी यहां के आगनबाड़ी के छोटे भवन का निर्माण कार्य आज तक अधर में लटका हुआ है, पुराना भवन जरजर है कई जगह टूट भी गयाहै, वहां जानलेवा हादसा से बचने लिये किसी निजी घर के छोटे जगह में यह केन्द्र संचालित है द्य यहां का पंचायत भवन अक्सर बंद रहता है, सरपंच सचिव के यहां के कार्यालय में कब दर्शन हो जायें, कोई बताने को तैयार नहीं हैं। पत्रकार और क्षेत्रीय जन्ता से पूंछे जाने पर जवाबदार अधिकारियों द्वारा अपने कथन में संतुष्ट जनक जवाब भी नहीं दिया जाता है, उक्त विष पर मोबाइल के माध्यम से पूछे जाने पर अपने कथन में स्थानीय उपयंत्री संतोष सिंह द्वारा कहा गया कि मै अभी बाहर हूं, दो तीन दिन बाद मानपुर पहुमच कर देख कर बताऊंगा। वही एसडीओ सैलेन्द्र जी ने फोन ही नहीं उठाना चाहे, सीईओ मानपुर अंकित कुमार सिरोठिया जी ने बोले की मैं अभी नोटिस जारी करवाता हूं, उसी बात पर जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ने बोले कि मैं देखवाता हूं।

क्या देखवायेंगे ? नोटिस में क्या लिखा जायेगा? जांच कब और किसके द्वारा किसके उपस्थित में कैसी जांच होगी ? कुछ कहने और सोचने के बाहर है, क्यों कि बिना उचित कार्यवाही और सुधार के क्षेत्रवासी और दोसियों को कैसे जानकारी होगी कि उपरोक्त कार्य कैसे हुये हैं।

यदि स्टीमेट, समय सीमा से बाहर हुये तो क्यों और दोसियों पर क्या कार्वाही हुई। वहीं अपने कथन में मानपुर सीडीपीओ महिला वाल विकास अधिकारा आरएन सिंह मानपुर ने कहा कि अपने विभाग द्वारा उरदना, कोड़ार, बड़ार के सांथ पांचों भवने के स्वीकृत राषि का पूर्ण भुगतान बहुत पहले ही जिला से कर दिया गया है, उसी समय के अन्य दो भवन बनाकर हमारे विभाग को सौंप दिये गये हैं जहा केन्द्र संचालित हैं और इन तीन जगह के निर्माण कार्य अभी तक अधर में लटके हुये हैं।

कटंगी और तिरोड़ी में 3 दिन बंद रहेंगे बैंक

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन की हड़ताल शुरू

कटंगी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर देशभर के साथ–साथ कटंगी और तिरोड़ी तहसील में भी बैंकों की हड़ताल शुरू हो गई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक सभी सरकारी और कुछ निजी बैंक आज शुक्रवार से लगातार तीन दिन तक बंद रहेंगे। यूनियन ने 2 साल से अटकी 5–डे वर्किंग की मांग को लेकर शुक्रवार, 11 सितंबर को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल का ऐलान किया है। जिसका आज असर देखने को मिला। नगर के तमाम प्रमुख बैंक बंद रहे। चूंकि 12 सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार है और 13 सितंबर को रविवार है, इस कारण बैंक शाखाएं लगातार 3 दिन बंद रहेंगी। इससे आम ग्राहकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस जो 9 बैंक कर्मचारी संगठनों का संगठन है, उसकी 04 मुख्य मांगें है। जिसमें 5 दिन का कार्य सप्ताह लागू हो। बैंकों में पर्याप्त भर्ती की जाए। वेतन समझौते का सम्मान और बैंकों का निजीकरण रोकने की मांग की गई है। गौरतलब हो कि बैंक कर्मचारियों की सबसे बड़ी मांग सभी बैंकों में 5–डे वर्किंग लागू करने की है। कर्मचारियों का कहना है कि जब बीमा कंपनियों, रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार के कई विभागों में 5 दिन का सप्ताह है तो बैंकों में क्यों नहीं। इस पर करीब 2 साल पहले सहमति बन गई थी लेकिन सरकार ने अब तक अधिसूचना जारी नहीं की है। हड़ताल की एक बड़ी वजह बैंकों में स्टाफ की भारी कमी है। जिस कारण मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है, जिससे ग्राहक सेवा प्रभावित हो रही है। यूनियन सभी बैंकों में पर्याप्त संख्या में भर्ती की मांग कर रहा है। वहीं यूनियन ने बैंक प्रबंधन द्वारा कुछ मुद्दों पर मनमानी करने का आरोप भी लगाया है। यूनियन ने सरकारी बैंकों के निजीकरण के प्रयासों का भी हड़ताल के जरिए पूरजोर तरीके से विरोध किया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार और बैंक मैनेजमेंट ने उनकी मांगें नहीं मानी तो 26 अक्टूबर से देशभर के बैंकों में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी, जिससे पूरा बैंकिंग सिस्टम ठप हो जाएगा।

तिरोड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ग्राम चौपाल से दिया नशा मुक्ति का संदेश

परसवाड़ाघाट में अवैध शराब और जुए पर शिकंजा

कटंगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन पर तिरोड़ी थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और गांवों को अपराध मुक्त करने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में ग्राम सावरगांव में तिरोड़ी थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। वहीं परसवाड़ाघाट में अवैध शराब और जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। ग्राम सावरगांव को शराब मुक्त बनाने के संकल्प के साथ तिरोड़ी पुलिस ने ग्राम चौपाल लगाई। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को समझाया कि अवैध शराब के कारण गांव में चोरी, मारपीट और घरेलू विवाद की घटनाएं बढ़ती हैं। नशे के कारण कई परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि गांव में कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से शराब बनाता या बेचता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। ग्रामीणों ने भी पुलिस का साथ देने और गांव को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। चौपाल के बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम परसवाड़ाघाट में एक महिला के घर दबिश दी।

एसडीएम ने की टीकाकरण की अपील

0 से 5 वर्ष के बच्चों को लगवाएं टीके

कटंगी। एसडीएम कटंगी विजय सिंह यादव ने अनुभाग के सभी जनों से अपील की है कि वह अपने बच्चों को जीवन रक्षक टीकाकरण का लाभ अवश्य दिलाएं। एसडीएम कार्यालय से एक रात रवाना करने के बाद एसडीएम ने अपील जारी की।एसडीएम ने कहा कि जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को जीवन रक्षक टीकाकरण के निर्धारित डोज अनिवार्य रूप से लगवाएं। इसके लिए लोग अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र और आंगनबाड़ी केंद्रों पर पहुंचकर लगातार चल रहे टीकाकरण कार्यक्रम में बच्चों को ले जाकर टीकाकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा किड्ड टीकाकरण से बच्चों को कई गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है ।

बुराई के प्रतीक का किया दहन–धूमधाम से मनाया गया पारंपरिक नारबोद पर्व

कटंगी।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी खेती–किसानों से जुड़े पारंपरिक पर्व पोला के ठीक दूसरे दिन समूचे क्षेत्र में नारबोद का पर्व बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। ग्रामीण अंचल से लेकर शहरी क्षेत्र तक इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। मान्यता के अनुसार नारबोद को बुरी शक्तियों, बीमारियों और नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इसे गांव से बाहर निकालने से गांव–शहर में सुख–समृद्धि आती है और रोग–दोष दूर होते हैं। इसी मान्यता के चलते सुबह तड़के करीब 5 बजे लोगों ने मिट्टी से बनी नारबोद की बड़ी–बड़ी प्रतिमाएं बनाकर उन्हें गांव के बाहर तालाब और नदी में विसर्जित कर नष्ट किया। नगर में इस पर्व का मुख्य आकर्षण वार्ड क्रमांक 5 और 6 से निकला विशाल जुलूस रहा। यहां कई फीट ऊँची नारबोद की आकृति बनाई गई थी। यह जुलूस ढोल–नगाड़ों के साथ नगर के सिनेमा चौक से शुरू होकर सिवनी रोड होते हुए श्मशान घाट पहुंचा, जहां विधि–विधान के साथ नारबोद के पुतले का दहन किया गया। जुलूस के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। नारबोद को गांव के बाहर ले जाते वक्त लोगों ने पारंपरिक बोली में खांसी, खोखला, डेंगू, मोंगसा घेऊन जाई रे

नारबोद' के नारे लगाए। इसका अर्थ है कि नारबोद गांव की सारी बीमारियां, कष्ट और बुराइयां अपने साथ ले जाए। बुजुर्गों के अनुसार नारबोद पर्व कृषि संस्कृति से जुड़ा एक महत्वपूर्ण लोकपर्व है। पोला पर्व बैलों के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, तो नारबोद पर्व गांव की शुद्धि का पर्व है। किसान मानते हैं कि बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों और फसलों पर लगने वाले रोगों को नारबोद अपने साथ लेकर जाती है।

मुंदीवाड़ा में मनाया गया तान्हा पोला– खेती–किसानी में अब आधुनिक यंत्रों और मशीनरी का उपयोग तेजी से बढ़ गया है। मगर, खेती–किसानी से जुड़ी प्राचीन परंपराओं और संस्कृति को बचाने का काम आज भी राणा हनुमान सिंह ट्रस्ट के द्वारा किया जा रहा है।

ट्रस्ट के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष नारबोद के दिन कटंगी शहर के मुंदीवाड़ा में बच्चों के लिए तान्हा पोला का आयोजन करवाया गया। ट्रस्टी विजय सिंह सरस्वार ने शाम 04 बजे पोला स्थल पर राणा हनुमान सिंह के छायाचित्र के साथ ही बच्चों के द्वारा लाए गए लकड़ी और मिट्टी से बने पशुधन की आकृति की पूजा अर्चना की गई। ट्रस्ट के द्वारा बच्चों में बचपन से ही पशुओं, खेती और मेहनत के प्रति सम्मान की भावना प्रकट करने के लिए बीते कई सालों से यह आयोजन करवाया जा रहा है। पोले के दिन जहां किसान अपने असली बैलों को सजाकर उनकी पूजा करते हैं, वैसे ही तान्हा पोला के दिन बच्चे अपने खिलौना बैलों की पूजा कर यह सीखते हैं कि बैल किसान का सच्चा साथी है। यह पर्व पीढ़ी दर पीढ़ी खेती की संस्कृति को आगे ले जाने का माध्यम है। दादा– पिता से देखी हुई परंपरा को बच्चे छोटे रूप में निभाते हैं।

जन विश्वास अभियान में पहुंचे कलेक्टर ने कहा शासन की योजनाओं का हो प्रभावी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को मिले सुविधाएं

मण्डला/नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को कलेक्टर ने नैनपुर क्षेत्र का भ्रमण किया। नैनपुर के चिरईडोंगरी क्षेत्र के भ्रमण के दौरान विभिन्न शासकीय संस्थाओं एवं केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा हितग्राहियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने निर्देश दिए। आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र अमझर माल-1 का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति एवं अन्य आवश्यक प्रविष्टियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी रजिस्टरों में नियमित रूप से प्रविष्टियां की जाएं तथा सैम एवं मैम श्रेणी के बच्चों की जानकारी भी रजिस्टर में अद्यतन रखी जाए। उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन एवं पोषण आहार की जानकारी भी ली।

तितली उड़ी कविता सुनाई

बालिकाओं द्वारा तितली उड़ी कविता सुनाई गई जिसे सुनकर वहां उपस्थित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के चेहरों पर मुस्कान आ गई। इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर राशन वितरण व्यवस्था का जायजा लिया तथा हितग्राहियों को खाद्यान्न का नियमानुसार एवं सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उक्त परिसर में स्थित प्राथमिक शाला का निरीक्षण भी किया। इस दौरान शिक्षक नीलेश हरदहा द्वारा जिले की विशेषताओं एवं स्थानीय विषयों पर तैयार किए गए चित्रों की उन्होंने सराहना की।

सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण

सांदीपनि विद्यालय चिरईडोंगरी पहुंचकर विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कक्षाओं में आवश्यकतानुसार फर्नीचर की व्यवस्था शीघ्र कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई एवं शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत संचालित कक्षाओं में कलेक्टर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कक्षा 12वीं की छात्रा संजेश्वरी भूमिया ने बताया कि विद्यालय में स्मार्ट क्लास एवं अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन होने से पढ़ाई में काफी मदद मिल रही है। छात्रा ने कलेक्टर के समक्ष जेईई परीक्षा उत्तीर्ण करने का संकल्प व्यक्त किया।

बालक छात्रावास का जायजा

कलेक्टर ने राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह शासकीय बालक छात्रावास चिरईडोंगरी का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास के शौचालयों में नियमित स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली तथा विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

देखा ओपीडी दवा वितरण

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आरोग्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान ओपीडी में 11 मरीजों के आने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने दवा वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा मरीजों को आवश्यक दवाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने कृषि प्रक्षेत्र का भी भ्रमण कर वहां संचालित गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

जनविश्वास अभियान पर समीक्षा

जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें तथा आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर प्रभावी निराकरण किया जाए। बैठक में जनसुनवाई को ग्राम स्तर तक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित दिवसों में ग्राम स्तर पर पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुनें तथा प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान समग्र एवं संबंधित अभिलेखों के संधारण, ई-केवाईसी तथा फार्मर रजिस्ट्री सहित आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

नियमित ट्रैकिंग के निर्देश

महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने हितग्राही एवं विभागीय रजिस्टरों का सही एवं नियमित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की नियमित ट्रैकिंग एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि जनविश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की सेवाओं को अधिक पारदर्शी जवाबदेह एवं जनसुलभ बनाना है। अधिकारी-कर्मचारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

माटी के गणेश पर कार्यशाला आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से माटी के गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्रों शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में योगेस श्रीवास्तव उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य तारेंद्र पांडे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पर्यावरण विद् राजेश क्षत्री ने उपस्थित होकर लोगों को मार्गदर्शन दिया। छात्रों ने अपने हाथों से सुंदर-सुंदर गणेश प्रतिमाएं बनाईं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने इस वर्ष अपने घरों में माटी के गणेश जी स्थापित करने और दूसरों को भी प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संजय विश्वकर्मा इको क्लब प्रभारी सुनील तिवारी दीपक चक्रवर्ती आकाश पटेल भूषण पाठक शिक्षक उपस्थित होकर कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया सभी छात्रों ने नर्मदा के संरक्षण के लिए शपथ भी ली।

राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के साथ किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते के निर्देशन एवं परियोजना अधिकारी अनूप नामदेव के मार्गदर्शन में रानी अवंती बाई वार्ड में पोषण रैली का आयोजन किया गया रैली के माध्यम से लोगों को संतुलित आहार पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। पोषण रैली में वार्ड पार्षद श्रीमती ज्योति बाजपेयी सहित स्कूली बच्चे, शिक्षक शिक्षिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की रैली के दौरान बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पचेश्वरी चौरसिया, समीना खोखर, रजनी गौतम तथा सहायिका सरोज चौधरी एवं भुवनेश्वरी यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

आरक्षक की संदिग्ध मौत

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्वारा बटालियन में पदस्थ ट्रेड आरक्षक अजय डोले पिता पदम डोले निवासी छिंदवाड़ा का शव कमरे में मिला। बताया जा रहा है कि परेड में अनुपस्थित रहने पर तलाश के दौरान आरक्षक मृत अवस्था में मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी।

आज लगेगी लोक अदालत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वाराआज प्रात: 10:30 बजे से जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। देशभर में राष्ट्रीय लोक अदालतें लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान का माध्यम रही हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

पुलिस ने किया तीन गिरफ्तार

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में डीजल चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं आरोपियों की धरपकड़ हेतु पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली एवं थाना नैनपुर पुलिस ने डीजल चोरी के अलग-अलग मामलों में कुल 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी में प्रयुक्त सामग्री एवं डीजल बरामद किया है।

हाईवे पर हो रही डीजल चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए आयुष यादव पिता विनोद कुमार उम्र 18 वर्ष निवासी पिपरपानी चौकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर तथा कान्हा भांवरे को गिरफ्तार किया।

सब जूनियर फुटबॉल टीम पहुंची सीहोर

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित सब जूनियर बॉयज डीएफए राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिले की टीम सीहोर के लिए रवाना हो गई है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 6 सितंबर से 19 सितंबर तक सीहोर जिले में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों की 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। सब जूनियर बॉयज डीएफए टीम के चयन के लिए 16 अगस्त को महात्मा गांधी स्टेडियम में चयन ट्रायल आयोजित किया गया था। जिले के सभी विकासखंडों से कुल 80 खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 18 खिलाड़ियों का चयन मंडला सब जूनियर बॉयज डीएफए टीम के लिए किया गया जिसमें अर्जुन बाजपेयी, मैत्रेय सुरजुसे, दिव्यांश उइके, मयंक सिंह सैयाम, प्रकाश कुमार राणा, अरनव जैन, नितेश परते, शानू मार्को, सचिन मरावी, तेजेश्वर धुर्वे, दुर्गेश यादव, जीवन तेकाम, विवेक कुमार परते, अशोक कुमार सैयाम, सिद्धार्थ उइके, चिराग धुर्वे, रिंस नामदेव एवं शौर्य चौहान है।

उप-निरीक्षक हुए पदोन्नत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस विभाग में हाल ही में हुए पदोन्नति आदेश के क्रम में पुलिस के तीन उप-निरीक्षकों को निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकारियों में उप निरीक्षक भाविका मर्सकोले, उप निरीक्षक संजीव उइके एवं उप निरीक्षक मनोज यादव शामिल हैं। पदोन्नत निरीक्षकों के सम्मान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में फ्लैप सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा पदोन्नत अधिकारियों के कंधों पर निरीक्षक पद के स्टार लगाकर उन्हें पदोन्नति की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। फ्लैप सेरेमनी के दौरान एसडीओपी पीयूष मिश्रा, डीएसपी सतीश चतुर्वेदी सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस की टक्कर से लोहे से लदा वाहन पलटा

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्र मत)।

मंडला जबलपुर नेशनल हाईवे 30 मार्ग पर टिकरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुम्हा घाट और चीरी के पास दो वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई। बताया गया कि मंडला से जबलपुर जा रही एक यात्री बस ने सड़क किनारे खड़े एलपीटी आयशर वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आयशर वाहन पलट गया। इस दुर्घटना में आयशर के चालक-परिचालक घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकालकर नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है वहीं पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। जानकारी अनुसार कुम्हा घाट और चीरी घाट के बीच पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने के कारण इस हाईवे मार्ग को वन-वे किया गया है। एलपीटी आयशर वाहन क्रमांक डीएल सीएक्स 8564 रायपुर से लोहे की खिड़कियां लेकर नारायणगंज आ रहा था। जबलपुर की तरफ से आ रहे एक वाहन को साइड देने के लिए आयशर चालक ने अपना वाहन सड़क किनारे रोक लिया था। इसी दौरान मंडला से जबलपुर की तरफ जा रही यात्री बस क्रमांक एमपी 51 जेडबी 5568 ने खड़ी

आयशर को पीछे से टक्कर मार दी। वाहन पलटने के कारण मार्ग पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई थी। इस हादसे में आयशर चालक राजेन्द्र दहयाक पिता धरम दास 23 वर्ष निवासी गोसलपुर धरमपुरा जबलपुर के सिर और हाथ में चोट आई है। वहीं परिचालक अरूण ठाकुर पिता गोपाल सिंह 20 वर्ष निवासी आमखोह कुंडम रोड जबलपुर के पैर में चोट लगी है। दोनों घायलों का उपचार नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिंडरई चौकी पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

11 प्रकरण दर्ज, 85 लीटर अवैध शराब जब्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध कच्ची एवं जहरीली शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पिंडरई चौकी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 11 प्रकरण दर्ज कर 85 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी एवं नैनपुर एसडीओपी मनीष राज के निर्देशन में पिंडरई चौकी प्रभारी निरीक्षक अंशुल गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस ने 42 लीटर कच्ची शराब एवं 43 लीटर पक्की शराब, कुल 85 लीटर अवैध शराब बरामद की। पुलिस की लगातार कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कार्रवाई में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

कार्रवाई में निरीक्षक अंशुल गुप्ता, उपनिरीक्षक मनोरंजन नगपुरे, एएसआई सेवाराम, प्रधान आरक्षक मोहन कुडापे, आरक्षक राम सिंह, प्रधान आरक्षक अवधेश पासी, आरक्षक संगीता, आरक्षक कप्तान, आरक्षक भानु एवं आरक्षक सचिन सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पोला पिठौरा परंपरा पर कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

बजरंग व्यायाम शाला पुराना अखाड़ा बस स्टैंड रोड से कई वर्षों से पोला पिठौरा पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इस परंपरा के तहत बड़ी संख्या में छोटे-बड़े सभी लोग गेंड़ी बनाकर शोभायात्रा में शामिल होते हैं। ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रंगरेज घाट पहुंचती है जहां गेंड़ी का विधिवत विसर्जन किया जाता है। गेंड़ी के दूसरे दिन जिसे वड़गा कहा जाता है खाप का विसर्जन किया जाता है।

इस अवसर पर लोग अपने-अपने घरों में बनाए गए गुजिया सेव खुरमी सहित अन्य पकवान लेकर मां नर्मदा के तट पर पहुंचते हैं। वहां विसर्जन के बाद सभी लोग आपस में मिल-जुलकर प्रसाद एवं पकवान ग्रहण करते हैं। यह परंपरा केवल एक आयोजन नहीं बल्कि मंडला की लोक संस्कृति आस्था भाईचारे और पुरानी विरासत की पहचान है। पीढ़ियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी उसी उत्साह उमंग और श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है।

थाना नैनपुर पुलिस की कार्रवाई

ट्रैक्टर से डीजल चोरी का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। थाना नैनपुर क्षेत्र के ग्राम बन्धा में ट्रैक्टर से डीजल चोरी का प्रयास करने वाले आरोपी दुर्गेश कुमार पिता स्व. गुलाब डेहरिया, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम छिछारी, थाना खटिया, जिला मंडला को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध थाना के अन्य प्रकरण में गिरफ्तारी वारंट लंबित होने से उक्त प्रकरण में उसकी फॉर्मल गिरफ्तारी की गई। आरोपी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल एवं 20 लीटर की तेल की कुप्पी जप्त की गई। प्रार्थी हरिशचन्द पटेल की रिपोर्ट पर थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 423/2026, धारा 331(3), 62 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। आरोपी को दिनांक 10 सितंबर 2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी नैनपुर मंशाराम वगेन, एएसआई जगदीश सेयाम, प्रधान आरक्षक राजन मरावी, आरक्षक राजकुमार एवं थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम नैनपुर मोहगांव मंडला एवं घुघरी विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित हुआ। इस दौरान ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं शासकीय योजनाओं वित्तीय प्रबंधन तथा सुरक्षित बैंकिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

महाविद्यालय में 30 दिवसीय रोजगार उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में स्वामी विवेकानंद कैरियरे मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ब्यूटी पार्लर विषय पर अल्पावधि रोजगार उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जी सी मेश्राम के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. देव प्रकाश उईके एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रियंका चक्रवर्ती के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम सयोजक डॉक्टर प्रियंका चक्रवर्ती ने छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का स्पष्ट दर्शन था कि युवा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित ना रहे, बल्कि वे अपने हाथों में हुनर और पैरों पर स्वतंत्रता लेकर खड़े हो और इन्हें विचारों को धरातल पर लाने के लिए यह प्रशिक्षण करवाया जा रहा है। सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट प्रशिक्षण संस्था के कॉर्डिनेटर द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। डॉ. ज्योति सिंह के द्वारा कविता के माध्यम से छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. जी सी मेश्राम के द्वारा अपने वक्तव्य में छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर जीवन में आगे बढ़ाने का मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण संस्था की ट्रेनर कुमारी संजना ठाकुर के द्वारा 30 दिवस में किए जाने वाले समय सारणी से छात्राओं को अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर जे एस उर्वेती द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी कर्मचारी और बाहर से आए अतिथि एवं उपस्थित छात्राओं का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन राहुल विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय से प्रो एम के बघेल, डॉ. राजेश मासतकर, डॉ. कुलभूषण रजक, प्रो. रविन चौहान, प्रो. आकांक्षा मरावी, प्रो. सचिन मरावी, गिरवर सिंह राजपूत, डॉ. नरेंद्र रहंगडाले, डॉ. रवि यादव, डॉ. संजीव सिंह, अमित सेन, श्रीमति विमला वाल्के, श्री मति सुधा कमरे, मनीष साहू, अमित यादव, रिया अवधवल सहित छात्राएं उपस्थित रही।

वार्षिक साधारण आमसभा की सूचना वर्ष 2026

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित अंजनिया पंजीयन क्रमांक 94 के अंतर्गत समस्त कृषको को सूचित किया जाता है कि समिति अंजनिया में साधारण वार्षिक आम सभा दिनांक 29/09/2026 दिन मंगलवार को समिति कार्यालय अंजनिया प्रागण में दोपहर 1:00 बजे से रखी गई है। जिसमें आप सभी सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

प्रबंधक
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि शाख सहकारी समिति मर्यादित (बी-पेक्स)अंजनिया

वार्षिक आमसभा सूचना

क्रमांक/जि.सह.संघ./आमसभा/2026/26 मंडला दिनांक 09/09/2026

जिला सहकारी संघ मर्यादित मण्डला पंजीयन कृमांक 04 के समस्त सम्माननीय सदस्यों को सूचना दी जाती है कि संघ की वार्षिक आम सभा दिनांक 22/09/2026 दिन मंगलवार को दोपहर 12:00 बजे से कार्यालय मण्डला में विचारार्थ आयोजित की गई है जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। निर्धारित समय पर गणपूर्ती (कोरम) के आभाव में वार्षिक आमसभा की बैठक स्थगित की जाकर 12:30 बजे पुन: प्रारंभ की जावेगी जिसमें गणपूर्ती की आवश्यकता नही होगी। कृपया आम सभा में उपस्थित होने का कष्ट करें।

प्रबंधक
जिला सहकारी संघ मर्यादित मण्डला

संपादकीय

जेन-जी के तराने

आजकल युवाओं को साधने, लुभाने, पुचकारने और उसके तराने गाने की होड़ मची है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी सबसे आगे हैं। उन्हें चारों तरफ 'युवा-युवा' ही दिखाई देते हैं। कमाल यह है कि जेन-जी भी प्रधानमंत्री से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं और उन्हें ही 'विकसित भारत' की बुनियाद का नेता मान रहे हैं। संभव है कि ऐसे बयान 'प्रायोजित' हों! प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कुछ दीक्षांत समारोहों और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के मंचों से भी जेन-जी को साधने के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी बीते कुछ समय से 'छात्रों की गूंज' के जरिए जेन-जी को साध रहे हैं। वह अपने आवास पर युवाओं से मुलाकातें कर रहे हैं और देश का विमर्श साझा कर रहे हैं। यहां तक कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कबूल किया है कि नई पीढ़ी, नई सोच के साथ नई पोशाक भी होनी चाहिए। नतीजतन उन्होंने 'समाजवाद' का रंग भी 'नीला' कर दिया है। समाजवादी नौजवान सभा से जुड़े काडर की वेशभूषा लाल-हरी के बजाय 'गहरी नीली' कर दी गई है। अखिलेश की एक आंख जेन-जी पर है, तो दूसरी आंख दलितों पर है, लिहाजा बाबा अंबेडकर का राग अलापना और हर पार्टी-कार्यालय में अंबेडकर के चित्र को 'अनिवार्य' घोषित किया है।

जेन-जी के प्रति ये तराने निस्वार्थ नहीं हैं। चुनाव जीतने के मद्देनजर जेन-जी के सुर बजाए जाने लगे हैं। यदि राजनीतिक जमात की युवाओं के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता वाकई गंभीर होती, तो कमोबेश देश में 8.70 करोड़ युवा ऐसे न होते, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। यह कोई निजी डाटा नहीं, बल्कि भारत सरकार के नीति आयोग के अध्ययन का निष्कर्ष है। बहरहाल 2027 में 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। उनमें उप्र, गुजरात, पंजाब आदि राज्यों के चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। उप्र में अब 4.54 करोड़ जेन-जी मतदाता हैं। गुजरात में 1.23 करोड़ अर्थात करीब 28 फीसदी युवा मतदाता हैं। पंजाब में यह संख्या 53.87 लाख है। मणिपुर में 4.71 लाख और गोवा में 2.10 लाख जेन-जी मतदाता हैं। ये मतदाता किसी भी दल की सरकार बनवाने और स्थापित सत्ता को उखाड़ फेंकने में सक्षम हैं। शायद इसीलिए मजबूरन जेन-जी के तराने गाने पड़ रहे हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव की घंटियां अभी से बजनी शुरू हो गई हैं। जेन-जी आबादी 37-38 करोड़ बताई जा रही है। अब हर चार मतदाताओं में से एक मतदाता जेन-जी है। कल्पना करें कि यदि अमरीकी आबादी से अधिक इतने मतदाताओं में ध्रुवीकरण होता है, तो चुनाव के नतीजे क्या हो सकते हैं? शायद इसी चुनाव-नीति के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मंत्रियों और पार्टी स्तर पर सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हों और जेन-जी से खुद को साझा करें। मंत्री और सांसद आदि विश्वविद्यालयों में भी जाएंगे और एक पूरा दिन युवा छात्रों के बीच बिताएंगे। उनकी समस्याओं को समझने के प्रयास करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी जेन-जी का तराना गाएंगे। क्या ऐसी कवायदों से जेन-जी को पटाया जा सकता है या भाजपा के साथ जोड़ा जा सकता है? वैसे 2024 के आम चुनाव में 40 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा के पक्ष में वोट दिया था। उसके बाद अब परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। बेशक जेन-जी ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग या सत्ता-परिवर्तन का आह्वान नहीं किया है, लेकिन वे शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार को लेकर व्यवस्था-परिवर्तन करना चाहते हैं। व्यवस्था-परिवर्तन के मायने क्या होते हैं? सरकार और विभिन्न राजनीतिक दल महसूस कर रहे हैं कि यदि जेन-जी का आक्रोश, गुस्सा, विद्रोह अपनी हदें लांघने लगेगा, तो कोई भी सत्ता बच नहीं पाएगी।

12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

एक या दो नहीं, चारों दिशाओं में अपनी पहुंच मजबूत कर रहा है भारत

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

दिल्ली इस समय दुनिया की कूटनीति का नया केंद्र बन गई है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए एक के बाद एक दुनिया के प्रमुख नेता भारत पहुंच रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय मुलाकातों का लंबा सिलसिला यह बताने के लिए काफी है कि भारत की वैश्विक भूमिका अब कितनी तेजी से बढ़ रही है। रूस से लेकर चीन, ईरान से लेकर खाड़ी देशों और अफ्रीका से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया तक, इन मुलाकातों के जरिए भारत एक साथ कई मोर्चों पर अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है। यह केवल नेताओं की मुलाकात नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती ताकत, उसकी स्वतंत्र विदेश नीति और अपनी शर्तों पर सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखने की रणनीति का स्पष्ट संकेत है।

इन मुलाकातों की शुरुआत 11 सितंबर यानि आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ होगी। रूस भारत का पुराना और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार है। ऐसे समय में जब रूस और पश्चिम के बीच तनाव बना हुआ है, पुतिन के साथ मोदी की बातचीत का महत्व और बढ़ जाता है। रक्षा सहयोग, ऊर्जा, परमाणु क्षेत्र, अंतरिक्ष और यूरेशियाई भू-राजनीति जैसे मुद्दों पर दोनों देशों के रिश्ते भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का महत्वपूर्ण आधार हैं। इसके बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकातें होंगी। ईरान के साथ संवाद पश्चिम एशिया में भारत के हितों, ऊर्जा सुरक्षा और चाबहार बंदरगाह जैसे संपर्क-साधनों के लिहाज से अहम है। वहीं गुटेरेस के साथ बातचीत यह संकेत देती है कि भारत वैश्विक संस्थाओं में सुधार और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने के सवाल पर अपनी भूमिका को और मुखर करना चाहता है।

12 सितंबर का कार्यक्रम भारत की 'एक साथ कई मोर्चों पर साझेदारी' वाली रणनीति को स्पष्ट करता है। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबीय अहमद अली, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के साथ बैठकें भारत के लिए अफ्रीका, आसियान, खाड़ी और हिंद-प्रशांत, चारों दिशाओं में अपनी पहुंच मजबूत करने का अवसर हैं। खासकर वियतनाम और मलेशिया के साथ संबंध हिंद-प्रशांत में भारत की सक्रियता तथा समुद्री सुरक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। इसी दिन राष्ट्रपति पेजेशकियन की राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात भी भारत-ईरान संबंधों की व्यापकता को रेखांकित करती है। लेकिन सबसे अधिक निगाहें शाम को होने वाली प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक पर रहेंगी। भारत-चीन संबंधों में सीमा विवाद और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच शीर्ष स्तर की बातचीत यह संदेश देती है कि भारत प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद के रास्ते बंद नहीं करना चाहता। यह 'प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व और संवाद' वाली व्यावहारिक कूटनीति का संकेत है।

13 सितंबर को कजाखस्तान, फिलीपींस, मिस्र और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं के साथ बातचीत इस रणनीति को और व्यापक बनाती है। कजाखस्तान भारत के लिए मध्य एशिया तक पहुंच का महत्वपूर्ण द्वार है, फिलीपींस हिंद-प्रशांत में समुद्री साझेदारी की दृष्टि से अहम है, जबकि मिस्र स्वेज नहर और पश्चिम एशिया-अफ्रीका के बीच भारत की कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ संवाद भारत-अफ्रीका साझेदारी और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने के लिहाज से विशेष महत्व रखता है।

बुरुंडी, नाइजीरिया और युगांडा के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकातें भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये बैठकें बताती हैं कि भारत अफ्रीका को केवल व्यापारिक बाजार के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देख रहा है।

देखा जाये तो इन द्विपक्षीय बैठकों का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत किसी एक शक्ति-गुट के साथ खड़े होने के बजाय सभी प्रमुख शक्ति केंद्रों के साथ अपने हितों के आधार पर संबंधों को संतुलित करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। रूस से रक्षा और ऊर्जा, ईरान से कनेक्टिविटी, खाड़ी से निवेश और ऊर्जा, चीन से संवाद, आसियान से हिंद-प्रशांत सहयोग और अफ्रीका से ग्लोबल साउथ की साझेदारी, इन सभी को एक साथ साधने की कोशिश दिखाई देती है।

यही भारत की सामरिक स्वायत्तता का नया रूप है। दिल्ली में होने वाली ये मुलाकातें दुनिया को यह संदेश देंगी कि भारत अब केवल वैश्विक व्यवस्था का सहभागी नहीं, बल्कि उसके स्वरूप और दिशा को प्रभावित करने वाली एक निर्णायक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है।

कुछ बातें जाने देने के लिए होती हैं, अनदेखी कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक परिपक्वता है

ज्योति भास्कर

मनुष्य के जीवन में बड़ी परेशानियां जितनी पीड़ा नहीं देतीं, कई बार छोटी-छोटी बातें उससे कहीं अधिक बेचैन कर देती हैं। किसी ने हमारी उम्मीद के अनुसार व्यवहार नहीं किया, काम में छोटी-सी गलती हो गई या किसी ने हमारी आलोचना कर दी। घटनाएं छोटी होती हैं, लेकिन हम उन्हें अपने मन में इतना बड़ा बना लेते हैं कि पूरा दिन खराब हो जाता है। जीवन को शांत और सुखी बनाने के लिए यह समझना जरूरी है कि हर बात प्रतिक्रिया नहीं मांगती है। कुछ बातें केवल गुजर जाने के लिए होती हैं।

हम चाहते हैं कि काम बिना गलती के पूरा हो, मौसम हमारे अनुकूल रहे और योजनाओं में कोई बाधा न आए। लेकिन जीवन किसी व्यक्ति की सुविधा के अनुसार नहीं चलता। उसमें देरी होगी, गलती होगी, असहमति होगी, निराशा होगी और कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां भी आएंगी, जिन्हें हम बदल नहीं सकते। बुद्धिमानी यह नहीं कि जीवन से हर परेशानी समाप्त कर दी जाए। बुद्धिमानी यह है कि हम तय करना सीखें कि किस परेशानी को अपने मन में कितना स्थान देना है।

एक छोटी-सी बात को बड़ी समस्या बनने से रोकने का सबसे सरल तरीका है कुछ क्षण रुकना। तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या यह बात एक महीने बाद भी मेरे लिए महत्वपूर्ण होगी? यदि उत्तर नहीं है, तो शायद इसे आज अपने मन की शांति छीनने देने का भी कोई कारण नहीं है। हर बहस जीतना आवश्यक नहीं है। हर गलती को लेकर स्वयं को दोषी ठहराना भी आवश्यक नहीं है। कभी-कभी शांति पाने के लिए सही होने से अधिक महत्वपूर्ण शांत रहना होता है। जब हम हर बात को व्यक्तिगत लेना बंद करते हैं, तब जीवन हल्का महसूस होने लगता है।

हम समझने लगते हैं कि दूसरे लोगों का व्यवहार हमेशा हमारे बारे में नहीं होता। कई बार लोग स्वयं अपनी परेशानियों, असुरक्षाओं और तनावों से जूझ रहे होते हैं। जीवन बहुत छोटा है। इसे उन बातों पर खर्च करना समझदारी नहीं है, जिन्हें कुछ समय बाद हम स्वयं महत्वहीन समझेंगे। अपनी ऊर्जा उन लोगों, कार्यों और सपनों के लिए बचाइए, जो वास्तव में आपके जीवन को अर्थ देते हैं। छोटी बातों को जाने देना कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक परिपक्वता है।

जब आप हर छोटी परेशानी को अपने भीतर जगह देने से इन्कार कर देते हैं, तब धीरे-धीरे आपको एहसास होता है कि शांति किसी बाहरी परिस्थिति का उपहार नहीं है। शांति एक चुनाव है। और हर दिन हमारे सामने यह चुनाव होता है कि हम छोटी-छोटी बातों को अपने ऊपर हावी होने दें या मुस्कुराकर उन्हें जाने दें। अंततः सुखी जीवन का अर्थ यह नहीं कि जीवन में परेशानियां नहीं होंगी। इसका अर्थ यह है कि परेशानियां आपके भीतर कितनी देर तक रहेंगी, इसका निर्णय आप स्वयं करना सीख जाएं। जीवन में हर छोटी बात को अपने मन पर हावी होने देना स्वयं को अनावश्यक पीड़ा देना है। हर बहस जीतना और हर गलती पर परेशान होना जरूरी नहीं। कुछ बातों को जाने देना ही सच्ची समझदारी है। अपनी ऊर्जा उन चीजों पर लगाइए, जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि सच्ची खुशी समस्याओं के खत्म होने में नहीं, बल्कि उन्हें सही दृष्टि से देखने में है।

रूस–भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

ब्रिक्स 2026 समिट पूर्व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगामी दौरे से काफी उम्मीदें हैं, और इस पर तेज़ी से काम चल रहा है। भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत 18वें ब्रिक्स समिट की मेज़बानी कर रहा है। यह समिट 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होना तय है। राष्ट्रपति पुतिन के मुख्य समिट से एक दिन पहले, 11 सितंबर को नई दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। उनके दौरे में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक खास द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

द्विपक्षीय एजेंडा में कई अहम क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है

रक्षा और परमाणु ऊर्जा- क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की- भारत को एडवांस्ड सू-57 फाइटर जेट्स की बिक्री एजेंडा में सबसे ऊपर होगी। पेस्कोव ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के समिट से पहले भारतीय पत्रकारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत में यह बात कही। अमका में देरी के बाद भारतीय वायु सेना दो स्क्वाड्रन पर विचार कर रहा है। चर्चा में भारत को 5वीं पीढ़ी के सू-57 फाइटर एयरक्राफ्ट के अलावा एस-500 सिस्टम की संभावित बिक्री भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, रूस नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भारत के साथ बातचीत का इंतज़ार कर रहा है।

व्यापार और वित्तीय सहयोग- दोनों देशों के पश्चिमी प्रतिबंधों के असर को कम करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर ज़ोर देने की उम्मीद है। रूसी अधिकारियों ने बताया है कि ब्रिक्स देशों के साथ उनके 90 प्रतिशत तक लेन-देन अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, जो वित्तीय मज़बूती की दिशा में एक कदम है। द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य 100 बिलियन है। रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की खोज में सहयोग भी एजेंडा में शामिल है। भारत को सेमीकंडक्टर के लिए इनकी ज़रूरत है। रूस के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि भारत के पास वैश्विक भंडार का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है। रूस रेयर अर्थ खनिजों की खोज में भारत की मदद कर सकता है। नएस्थान तलाशें

टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग- पेमेंट की दिक्कतों के कारण भारत-रूस व्यापार 65 बिलियन पर अटका हुआ है, क्योंकि रूस को डॉलर इम्पोर्ट करने की इजाज़त नहीं है। रूस और ब्रिक्स के बीच अब लगभग 90% लेन-देन नेशनल करेंसी में हो रहा है, और रुपये के सरप्लस (अतिरिक्त) का मुद्दा धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। रुपये का वह ढेर - रूस के पास भारतीय बैंकों में लगभग 8 बिलियन अतिरिक्त रुपये पड़े हैं जिनका वह इस्तेमाल नहीं कर सकता - मुख्य मुद्दों में से एक होगा। समिट से पहले, भारतीय इंडस्ट्रियल एजेंसियां मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में गहरे संबंधों के लिए माहौल तैयार कर रही हैं। समिट के दौरान, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर रिसर्च में सरकार और रिसर्च के स्तर पर करीबी सहयोग को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है।

भू-राजनीतिक पहलू

भू-राजनीतिक नज़रिए से, यह दौरा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। नई दिल्ली रूस पर अपनी पारंपरिक रक्षा और ऊर्जा निर्भरता को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और व्यापक क्षेत्रीय स्थितियों को भी संभाल रही है। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे - भारत को फिर से एक संभावित मध्यस्थ के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में योगदान देने की भारत की इच्छा का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है, जिससे राजनयिक बातचीत में एक सकारात्मक माहौल बना है।

ट्रंप प्रशासन ने भारत को रूसी तेल खरीदने (50% टैरिफ की धमकी) के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन भारत की ऊर्जा ज़रूरतें ज़्यादा अहम हैं। अमेरिका इस समिट पर बारीकी से नज़र रखेगा क्योंकि इसमें डी-डॉलराइज़ेशन पर चर्चा हो सकती है - पेस्कोव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं- रूस डी-डॉलराइज़ेशन नहीं चाहता; अमेरिका ने खुद डॉलर को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है।

भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, मज़बूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण के तहत, समिट 11-सदस्यीय समूह में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाना, क्लाइमेट एक्शन और प्रस्तावित ग्लोबल रिसर्च एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क (GRAIN) जैसी मल्टीलेटरल पहल शामिल हैं, जो सदस्य देशों के बीच हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करेंगी।

राष्ट्रपति पुतिन का आगामी दौरा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य रक्षा, ऊर्जा और उभरती टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में भारत-रूस साझेदारी को मज़बूत करना है, और यह सब मज़बूत और विस्तारित होते ब्रिक्स गठबंधन के व्यापक ढांचे के भीतर हो रहा है। यह सिर्फ ब्रिक्स का एक औपचारिक दौरा नहीं है; यह ब्रिक्स के भीतर एक छोटा भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन है। 11 तारीख को ही बड़ी घोषणाओं की उम्मीद की जा सकती है।

हूतियों ने मिसाइल और घातक रॉकेट बनाने के लिए किया क्लाउड एआई का इस्तेमाल : रिपोर्ट

सन्ना

एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने यमन में मौजूद हथियारों की इंजीनियरिंग करने वाले एक ग्रुप की पहचान की है, जो कि मिसाइलों और गाइडेड रॉकेट के लिए गाइडेंस सॉफ्टवेयर बनाने के लिए उसके क्लाउड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल का इस्तेमाल कर रहा है। एंथ्रोपिक ने गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि उसने चीन, रूस और यमन में ऐसे छह ऑपरेशन रोके हैं, जिनमें लोगों ने पारंपरिक हथियार बनाने, खुफिया जानकारी इकट्ठा करने या हथियारों की खरीद के लिए क्लाउड का इस्तेमाल किया था।

एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में शामिल ग्रुप हूती कई मिसाइल प्रोग्राम पर काम कर रहा था, जिसमें 2,000 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली मल्टी-स्टेज बैलिस्टिक मिसाइल और R2000 सेट नाम का मिसाइल सिस्टम शामिल था। इस सिस्टम में हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल का एक वैरिएंट भी था। एंथ्रोपिक को यह भी पता चला कि इन लोगों ने उड़ने वाले वाहनों के लिए गाइडेंस, नेविगेशन और कंट्रोल सॉफ्टवेयर बनाने के लिए इंसानी सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जगह क्लाउड कोड का इस्तेमाल किया। हालांकि कंपनी को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ग्रुप ने कोई ऑपरेशनल हथियार सफलतापूर्वक तैयार किया हो, लेकिन उसने कहा कि इन लोगों ने एक गाइडेड रॉकेट का टेस्ट लॉन्च किया था, जो फेल हो गया। एंथ्रोपिक के मुताबिक, यमन के ग्रुप ने एक ओपन-सोर्स ऑटोपायलट को फोन-क्लास फ्लाइट कंप्यूटर के साथ जोड़ने और उड़ने वाले वाहन को कंट्रोल और स्टेबल करने के लिए जरूरी सॉफ्टवेयर बनाने के लिए क्लाउड का इस्तेमाल किया।

इस काम में कंट्रोल और पोजिशन-एस्टिमेशन सॉफ्टवेयर लिखना, कंट्रोल सेटिंग्स को ट्यून करना, फर्मवेयर बिल्ड चलाना और फ्लाइट सिमुलेशन करना शामिल था। ग्रुप ने एक ही समय में क्लाउड के कई इंस्टेंस का इस्तेमाल किया और हर एक को अलग-अलग काम सौंपे। एक इंस्टेंस का इस्तेमाल कोडिंग के लिए, दूसरे का रिसर्च के लिए और तीसरे का पहले वाले इंस्टेंस से बने कोड की समीक्षा करने के लिए किया गया। एंथ्रोपिक ने कहा कि इन लोगों ने बार-बार उसके सुरक्षा उपायों को बायपास करने की कोशिश की, जिससे काम का असली मकसद छिपाया जा सके। इन लोगों ने गतिविधियों को कई सेशन में बांटा और ऐसे तरीकों का इस्तेमाल किया ताकि अलग-अलग इंटरैक्शन से उनके बड़े हथियार प्रोग्राम का पता न चल सके। कंपनी ने कहा कि उसके सुरक्षा उपायों ने कई रिक्वेस्ट को ब्लॉक किया, लेकिन सभी को नहीं। गाइडेड रॉकेट का टेस्ट फेल होने के कुछ ही घंटों बाद, वे लोग यह पता लगाने के लिए वापस क्लाउड पर आए कि क्या गड़बड़ हुई थी। एंथ्रोपिक ने कहा कि उसने इस ऑपरेशन से जुड़े अकाउंट्स को बैन कर दिया और पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के पार्टनर्स के साथ जानकारी शेयर की।

फिलीपींस के बचावकर्मी आग लगने के 40 घंटे बाद जलते हुए जहाज पर पहुंचे

मनीला, (वार्ता)। फ़िलीपींस के बचावकर्मी एक जहाज में भयंकर आग लगने के 40 घंटे से ज़्यादा समय के बाद दर्जनों लापता लोगों की तलाश में एमवी जून एस्टर पर पहुंचने में सफल रहे हैं। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है, 43 लोगों को बचाया गया है। इनमें से कई लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस दुर्घटना में अभी भी 84 लोग लापता हैं। शुक्रवार सुबह तटरक्षक बल की ओर से जारी की गई तस्वीरों में जहाज से अभी भी धुआं निकलता दिख रहा है; यह नाव राजधानी मनीला से कोरोन द्वीप जा रही थी। बुधवार को खोज एवं बचाव अभियान शुरू होने के बाद से ही ज़हरीली गैसों और गर्मी की वजह से अधिकारियों को जहाज़ पर चढ़ने में मुश्किल हो रही थी। तटरक्षक बल के अनुसार, वे आखिरकार शुक्रवार को करीब 11:30 बजे उस पर चढ़ने में कामयाब रहे। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने पहले बीबीसी को बताया था, हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती जहाज़ के अंदर घुसना है क्योंकि वहां अभी भी घना धुआं साफ़ दिखाई दे रहा है।

हूतियों से बचने के लिए गुहार लगाते रहे सऊदी प्रिंस, लेकिन ट्रंप ने नहीं उठाया फोन

वॉशिंगटन

अमेरिका और पश्चिम एशिया की राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के फोन कॉल को दो बार अस्वीकार कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार सऊदी प्रिंस चाहते थे कि अमेरिका हूती विद्रोहियों के खिलाफ सीधे हवाई हमले करे, लेकिन ट्रंप ने फिलहाल ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है।

बता दें कि यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही वे हनिश द्वीपों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर एक बड़ा खतरा मंडराने लगा है।

वहीं मोखा शहर उस जलडमरूमध्य से केवल 80 किलोमीटर की दूरी पर है, जिससे होकर दुनिया भर का लगभग 12 प्रतिशत व्यापार और सामान गुजरता है। हूती लड़ाकों के आगे बढ़ने से सऊदी समर्थित यमन सरकार की फौज पीछे हटने को मजबूर हो गई है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि यमन के मोखा शहर में जब हूती सेना तेजी से आगे बढ़ रही थी और सऊदी समर्थित यमन की सेना पीछे हट रही थी, तब हालात की गंभीरता को देखते हुए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन किया।

मिली जानकारी के अनुसार पहला कॉल गुरुवार को एमबीएस ने बिगड़ते हालात की जानकारी देने के लिए किया था। इसके कुछ घंटों बाद प्रिंस ने दोबारा फोन किया और ट्रंप से अपील की कि अमेरिका सीधे हूती विद्रोहियों पर सैन्य हमले करे।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने सऊदी प्रिंस के सीधे सैन्य दखल के आग्रह को ठुकरा दिया। इसके पीछे अमेरिका की सोची-समझी रणनीति मानी जा रही है। इस रणनीति को ऐसे समझा जा सकता है कि अमेरिका का फिलहाल यमन के संघर्ष में सीधे तौर पर उतरने का कोई इरादा नहीं है। वहीं एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका की पहली और एकमात्र प्राथमिकता लाल सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखना और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। अमेरिका चाहता है कि इस तरह की क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय और क्षेत्रीय भागीदार देश खुद आगे आएं और मोर्चा संभालें। हालांकि, अमेरिका सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों के खिलाफ खुफिया जानकारी और टार्गेटिंग डेटा जरूर मुहैया कराएगा।

गगनयान कार्यक्रम: एलवीएम3 एम7 मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन का हॉट टेस्ट सफल

चेन्नई, (वार्ता)। गगनयान मिशन के लिए इस्तेमाल होने वाले एलवीएम3 रॉकेट के ऊपरी तीसरे चरण, यानी क्रायोजेनिक इंजन का फ़्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह जानकारी इसरो ने गुरुवार को दी। एक ताजा जानकारी में अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसने एलवीएम3 प्रक्षेपण यान के सातवें परिचालन मिशन (एलवीएम3 एम7) के लिए चुने गए क्रायोजेनिक इंजन की फ़्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह परीक्षण नौ सितंबर, 2026 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) में मेन इंजन और स्टेज टेस्ट फैसिलिटी (एमईटी) में किया गया। हर मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन को उड़ान के लिए मंज़ूरी मिलने से पहले हॉट टेस्ट से गुज़रना पड़ता है। ज़्यादा ऊंचाई पर काम करने के लिए डिज़ाइन किए गए नोज़ल वाले इस उपरी चरण के इंजन की हॉट टेस्टिंग समुद्र-स्तरीय परिस्थितियों में करने के लिए, एक नोज़ल प्रोटेक्शन सिस्टम विकसित किया गया था और कई क्वालिफ़िकेशन परीक्षणों के माध्यम से उसे पहले ही प्रमाणित किया जा चुका था।एलवीएम3 प्रक्षेपण यान की पेलोड क्षमता बढ़ाने के लिए, एलवीएम3 के भविष्य के मिशनों की योजना सीई20 इंजन के लिए 22टी के उन्नत थ्रस्ट स्तर पर संचालित होने वाले सी32 चरण के साथ बनाई गई है। इसे ध्यान में रखते हुए, उड़ान स्वीकृति परीक्षण 22टी थ्रस्ट स्तर पर आयोजित किया गया।

मायावती का अखिलेश पर हमला, कहा- सपा में पीडीए का मामला ढोंग, चरित्र और चेहरा दोहरा

लखनऊ, (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन दलों द्वारा नीला रंग अपनाने और नीला कपड़ा इस्तेमाल करने से गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही जातिवादी, संकीर्ण, सामंतवादी एवं पूंजीवादी सोच नहीं बदल सकती।

सुश्री मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि इन वर्गों के प्रति वास्तव में हित और कल्याण की भावना रखने वालों को अपना दिल और दिमाग साफ करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के पीडीए की बात करने वाले

नेताओं की सोच, चाल, चरित्र और चेहरा दोहरा व बईमानी वाला रहा है। उन्होंने कहा कि बसपा अनुशासनहीनता आदि के कारण समय-समय पर जिन लोगों को पार्टी से निकालती है, उनमें से कुछ लोग दूसरी पार्टियां और छोटे-छोटे संगठन बना लेते हैं। ऐसे लोगों को स्वार्थी और अवसरवादी बताते हुए मायावती ने कहा कि वे किसी भी पार्टी के हित में नहीं हो सकते।

बसपा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी पार्टियां बिना किसी गठबंधन के चुनाव नहीं लड़ सकतीं और सत्ता में शामिल हुए बिना सत्ता का सुख नहीं छोड़तीं। उन्होंने दूसरी पार्टियों से नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने की कोशिश करने वालों को पहले अपना गिरेबान झांकने की सलाह दी। सुश्री मायावती ने कहा कि बसपा से निकाले गए लोगों को दूसरी पार्टी में शामिल करना ऐसा होगा जैसे डूबते जहाज में सवार होना। उन्होंने कहा कि खासकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और बहुजन समाज के हित में बसपा से दूरी बनाने वाले नेताओं को मौजूदा हालात में पार्टी और समाज के हित को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटाकर दूसरी जिम्मेदारी लेने के लिए कहा था, उस दिन उन्होंने दबाव के बावजूद तत्काल संन्यास की घोषणा नहीं की थी। बसपा अध्यक्ष ने बताया कि पूरी रात घटनाक्रम को रोकने के लिए प्रयास किए गए, जिसके बाद अगले दिन सुबह करीब 6:30 बजे उन्हें संन्यास की घोषणा करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर इस पूरे घटनाक्रम के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं को और जानकारी दी जाएगी।

कर्नाटक में नक्सलियों का पांच लाख रुपये की मांग वाला पत्र मिलने से मचा हड़कंप

बेंगलुरु,(वार्ता)। कर्नाटक में तुमकुरु जिले के गंगासागर गांव में नक्सलियों का पांच लाख रुपये की मांग करने वाला पत्र मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि तेलुगु भाषा में लिखा यह पत्र पीपल्स वॉर जनशक्ति पार्टी के कॉमरेड देवाना दलम के नाम से जारी किया गया है, जो गांव में कुंतला भुशप्पा के खेत में मिला। पत्र में चेतावनी दी गयी है कि अगर इसकी जानकारी पुलिस को दी गयी तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस पत्र में दावा किया गया है कि नक्सली उप्पारा वेंकटेश से जुड़े उत्पीड़न और राजनीतिक साजिश के मामले में दखल दे रहे हैं और कानूनी खर्चों को पूरा करने के लिए 5 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। पावागडा पुलिस ने पत्र की सचाई का पता लगाने, इसके पीछे के लोगों की पहचान करने और यह तय करने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या इसका किसी संगठित नक्सली नेटवर्क से कोई संबंध है। यह घटना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कर्नाटक ने पहले कई कैडरों के आत्मसमर्पण के बाद खुद को नक्सली गतिविधियों से मुक्त घोषित कर दिया था। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह घटना डर पैदा करने की एक अलग-थलग कोशिश है या फिर चरमपंथी गतिविधियों के फिर से शुरू होने का संकेत है। इस बीच उपमुख्यमंत्री डॉ. परमेश्वर ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और वह तुमकुरु के दौरे के दौरान स्थिति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, मैं आज तुमकुरु जा रहा हूं। मैं पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों को बुलाऊंगा और मामले पर चर्चा करूंगा ताकि यह समझ सकूं कि क्या हुआ है।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर मोखा बंदरगाह पर किया कब्जा

सना,(वार्ता)

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब समर्थित सरकार समर्थक बलों से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा पर कब्ज़ा कर लिया है। यह जानकारी सैन्य सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने दी है। मोखा पर कब्ज़ा होने के बाद, ईरान समर्थित यह गुट बाब अल-मंदेब जल डमरूमध्य से सिर्फ 75 किलोमीटर दूर रह गया है। यह जलडमरूमध्य उस व्यापारिक मार्ग का दक्षिणी प्रवेश-द्वार है जो एशिया और यूरोप को जोड़ता है। हूतियों ने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए कोई खतरा नहीं हैं लेकिन उन्होंने सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाने की अपनी धमकी दोहराई। सऊदी अरब तेल निर्यात के लिए लाल सागर पर निर्भर रहा है, क्योंकि अमेरिका-इजरायल की लड़ाई के कारण खाड़ी होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है। यमन के हूती विद्रोहियों, वहां की सरकार और सऊदी अरब के बीच बढ़ते टकराव के कारण से तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। खबर है कि एक हफ़्ते पहले दक्षिण-पश्चिम में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद से सैकड़ों लोग मारे गए और हज़ारों लोग बेघर हो गए।सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सरकार समर्थक सेनाओं की मदद के लिए पश्चिमी यमन में हूती-नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए और हूतियों ने दक्षिणी सऊदी अरब के शहरों और तेल ठिकानों पर मिसाइलें और ड्रोन दागे। मोखा के निवासियों ने बताया कि बुधवार रात सरकार समर्थक बलों के साथ ज़बरदस्त लड़ाई के बाद हूती लड़ाके शहर में घुस आए, जिससे कई परिवारों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा। कई विस्थापित परिवार पूर्व में अदन शहर की ओर जा रहे हैं, जहां यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का मुख्यालय है। हूती की ओर से मोखा पर कब्ज़े की तुरंत कोई पुष्टि नहीं हुई लेकिन हूती-संचालित अल-मसीराह टीवी के अनुसार, गुट सर्वोच्च राजनीतिक परिषद ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि सऊदी की सेनाओं को खदेड़े जाने के बाद पश्चिमी तट के ज़िलों में झड़पें रुक गई हैं।

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए 723.31 अरब नेपाली रुपये की आवश्यकता

काठमांडू,(वार्ता)। नेपाल की सरकार ने अनुमान जताया है कि 26 अगस्त को रसुवा के भोटेकोशी नदी क्षेत्र में आयी विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए 723.31 अरब नेपाली रुपये (4.74 अरब डॉलर) से अधिक की जरूरत पड़ेगी। यह आंकड़ा राष्ट्रीय योजना आयोग और राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण की संयुक्त तकनीकी टीम द्वारा तैयार त्वरित क्षति एवं आवश्यकता आकलन में सामने आया है। कुल राशि में से 473.57 अरब नेपाली रुपये (3.10 अरब डॉलर) बुनियादी ढांचे को फिर से बहाल करने के लिए आवश्यक होने का अनुमान है। यह कुल पुनर्बहाली जरूरत का करीब 75 प्रतिशत है। ऊर्जा और परिवहन से जुड़े बुनियादी ढांचे को सबसे अधिक नुकसान हुआ है।बाढ़ से 759 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाली 13 जलविद्युत परियोजनाएं और कुल 24 मेगावाट क्षमता वाले पांच सौर ऊर्जा संयंत्र प्रभावित हुए हैं। आकलन के अनुसार, क्षतिग्रस्त ऊर्जा बुनियादी ढांचे और बिजली ग्रिड को बहाल करने पर 390.62 अरब नेपाली रुपये (2.56 अरब डॉलर) खर्च होने का अनुमान है। सड़कों और पुलों को भी भारी नुकसान पहुंचा। करीब 69 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं, जबकि 33 मोटर योग्य पुल बह गए और चार अन्य पुलों को आंशिक नुकसान हुआ। प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद 64 झूला पुलों में से 53 क्षतिग्रस्त हो गये। परिवहन बुनियादी ढांचे की पुनर्बहाली पर 73.34 अरब नेपाली रुपये खर्च होने का अनुमान है। बाढ़ से रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन जिलों में मकानों तथा अन्य सामाजिक बुनियादी ढांचे को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

यूक्रेन के शॉपिंग सेंटर पर रूस के हमले में पांच लोगों की मौत और 67 घायल

कीव, (वार्ता)

यूक्रेन के निप्रोपेत्रोवस्क इलाके के पावलोहराद शहर में एक शॉपिंग मॉल पर रूसी ड्रोन के हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 67 घायल हो गए। यह जानकारी बीबीसी ने यूक्रेनी अधिकारियों के हवाले से शुक्रवार को दी। गृह मंत्री इवान विहिव्स्की ने कहा कि दिनदहाड़े हुए इस हमले में दुकानें और वाहन इसकी चपेट में आए। उन्होंने बताया कि यह हमला उस समय हुआ, जब सड़कों पर लोगों की भारी भीड़ थी। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में ज़ापोरिज़्ज़िया और सुमी शहरों में स्थित दो अन्य शॉपिंग मॉल भी रूसी हवाई हमलों का निशाना बने।

रूस ने बुधवार रात सोची शहर में यूक्रेन के समुद्री ड्रोन हमले की जानकारी दी, जिसमें 28 लोग घायल हुए थे साथ ही, यूक्रेन के हमलों में तीन और लोगों की मौत की भी खबर है।

यूक्रेन की आपातकालीन सेवा द्वारा जारी की गई तस्वीरों में पावलोहराद की एक सड़क पर धुएं के गुबार के बीच दमकलकर्मी जलते हुए वाहनों पर पानी डालते हुए दिखाई दे रहे हैं। टेलीग्राम पोस्ट में, क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्सांद्र हंझा ने बताया कि घायल हुए 67 लोगों में से आठ बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने गुरुवार के हमले में मारे गए लोगों के परिवारों और उनके करीबियों के प्रति संवेदना व्यक्त की। श्री जेलेंस्की ने अपने बयान में कहा, रूसी सेना ने उन लोगों को मारने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जो शॉपिंग सेंटरों के पास खड़े थे। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने ड्रोन हमले को दबाव बनाने की चाल बताया। उन्होंने कहा, रूस का मानना है कि आम नागरिकों पर लगातार हमले करके यूक्रेनियों को थकाया जा सकता है और यूक्रेन को झुकने पर मजबूर किया जा सकता है। बुधवार को सुमी में एक मॉल पर रूसी ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। गुरुवार को सुमी में रूसी हवाई बमबारी में आठ लोगों के घायल होने की रिपोर्ट सामने आई है, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

विजय देवरकोंडा ने लॉन्च किया स्किनकेयर ब्रांड अनहाइप

अभिनेता विजय देवरकोंडा ने फंक्शनल स्किनकेयर ब्रांड अनहाइप लॉन्च किया है। विजय इस ब्रांड के सह-संस्थापक हैं और उन्होंने इसके उत्पादों के निर्माण एवं विकास में शुरुआत से सक्रिय भूमिका निभाई है। ब्रांड का उद्देश्य युवाओं के लिए रोजमर्रा की स्किनकेयर को सरल, प्रभावी और सुलभ बनाना है। विजय ने बताया कि उन्होंने टीम के साथ कई महीनों तक फॉर्मूलेशन पर काम किया और उत्पादों के विभिन्न संस्करणों को करीब नौ महीने तक खुद इस्तेमाल कर उनकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता को परखा। विजय ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले और किफायती उत्पाद तैयार करना है, जिनके लिए अनावश्यक तामझाम की जरूरत न हो और जिन्हें कम उम्र से ही रोजमर्रा की दिनचर्या में शामिल किया जा सके। अनहाइप के साथ विजय ने मनोरंजन जगत से इतर उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र में भी कदम रखा है।

बी.आर.चोपड़ा की महाभारत 14 सितंबर से शेमारू टीवी पर होगी प्रसारित

बी. आर. चोपड़ा की लोकप्रिय प्रस्तुति महाभारत 14 सितंबर से शेमारू टीवी पर प्रसारित होगी। धारावाहिक महाभारत का प्रसारण प्रतिदिन शाम सात बजे किया जाएगा। धर्म, परिवार, रिश्तों, कर्तव्य और मूल्यों की यह कालजयी गाथा दशकों बाद भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय है। धारावाहिक ने परिवारों को एक साथ बैठकर इसे देखने और इसके किरदारों एवं कहानियों पर चर्चा करने का अवसर दिया था। अब शेमारू टीवी के माध्यम से पुरानी पीढ़ी को अपनी यादें फिर जीने और नई पीढ़ी को इस लोकप्रिय प्रस्तुति से जुड़ने का मौका मिलेगा। भीष्म पितामह की भूमिका निभाने वाले मुकेश खन्ना ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि दशकों पहले निभाया गया किरदार आज भी लोगों की बातचीत का हिस्सा रहेगा। उन्होंने बताया कि उन्हें पहले दुर्योधन की भूमिका की पेशकश हुई थी, लेकिन वह अर्जुन या कर्ण का किरदार निभाना चाहते थे और अंततः उन्हें भीष्म पितामह की भूमिका मिली। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने उनकी जिंदगी बदल दी। श्री खन्ना ने कहा कि महाभारत केवल टेलीविजन शो नहीं रहा, बल्कि इसके किरदार लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। उन्होंने शेमारू टीवी पर इसके प्रसारण को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि दर्शकों को अविस्मरणीय यादों को फिर से जीने का अवसर मिलेगा।

साम्युक्ता की रैपो 23 में एंट्री, जन्मदिन पर मेकर्स ने किया स्वागत

अभिनेत्री साम्युक्ता की आगामी फिल्मों की सूची में एक और नया प्रोजेक्ट जुड़ गया है। वह अभिनेता राम पोथिनेनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रैपो 23 में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने साम्युक्ता के जन्मदिन पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनके फिल्म से जुड़ने की आधिकारिक घोषणा की और उनका स्वागत किया। साम्युक्ता ने बिंबिसारा, विरुपाक्षा, वाथी, भीमला नायक और कडुवा जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से पहचान बनाई है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं और विभिन्न विधाओं की फिल्मों में काम किया है। रैपो 23 में साम्युक्ता पहली बार राम पोथिनेनी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। यह फिल्म राम पोथिनेनी के निर्देशन में पहली फिल्म है। फिल्म की कहानी लिखने और निर्देशन की जिम्मेदारी भी राम पोथिनेनी संभाल रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी अपने नए बैनर रैपो सिनेमैटिक्स के तहत फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म में साम्युक्ता के किरदार की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए फिल्म में शामिल होने पर उनका स्वागत किया। साम्युक्ता जल्द ही गुव्वला चेरुवु घाट में नजर आएंगी। इसके अलावा वह स्लमडॉग- 33 टेंपल रोड, हैन्दवा, द ब्लैक गोल्ड और स्वयम्भू जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

हक़ सिर्फ देखी नहीं, इस पर बात भी होनी चाहिएः इमरान हाशमी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने कहा है कि फिल्म हक़ केवल देखने की नहीं, बल्कि इस पर चर्चा करने की भी जरूरत है।इमरान ने कहा कि फिल्म एक ऐसे वैवाहिक रिश्ते की कहानी है, जो शुरुआत की खुशियों से आगे बढ़कर मुश्किल दौर और तलाक तक पहुंचता है। इसमें एक पुरुष अपनी मान्यताओं के लिए संघर्ष करता है, जबकि महिला भरण-पोषण और सम्मान जैसे अपने बुनियादी अधिकारों के लिए लड़ती है।उन्होंने कहा कि अभिनेता के तौर पर उन्हें ऐसे किरदार चुनौतीपूर्ण लगते हैं, जिनकी सोच उनके अपने विचारों से अलग हो। पटकथा को बार-बार पढ़कर किरदार की भावनाओं और उसकी सच्चाई को समझना उनके लिए महत्वपूर्ण है। हक़ का प्रसारण 20 सितंबर को रात आठ बजे एंड पिक्चर्स पर होगा।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश वंदन यात्रा का आज सिवनी जिले के 978 ग्रामों पर भ्रमण के बाद हुआ विश्राम

सिवनी। स्वतंत्र मत। आज भाजपा मंडल लखनादौन के हायर सेकेंडरी स्कूल, गणेशगंज में आयोजित समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश वंदन यात्रा के समापन समारोह में सहभागिता कर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी को नमन किया यह यात्रा सिवनी जिले के 978 गांवों का भ्रमण कर के आज गणेशगंज पहुंची जन जन तक समरसता,समता का संदेश संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी के बेगमपुरा के स्वप्न को साकार करने का यह प्रयास होगा सार्थक होगा। इस कार्यक्रम की प्रस्तावना भाजपा महामंत्री मुकेश बघेल जी द्वारा रखी गई उनके द्वारा बताया गया कि समरसता संकल्प अभियान का यह तीसरा चरण आज पूर्ण हुआ आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताए कि चौथे चरण पर संत जनों से सम्पर्क एवं संत समागम के कार्यक्रम ओर फिर हॉस्टल पर रहने वाले विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम किये जाएंगे।इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन जी ने कहा कि संत रविदास महाराज जी के जीवन दर्शन और उनके विचारों को हम सभी अपनाएंगे और एक समृद्ध सम्पन्न श्रेष्ठ समाज का स्वप्न जो रविदास जी ने देखा था उसको साकार करने का प्रयास करेंगे,उद्बोधन की कड़ी पर मुख्य अतिथि मंडला सिवनी सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार समाज के प्रत्येक नागरिक के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश की सेवा कर रही है। अंत्योदय हमारी प्राथमिकता है इन आयोजनों के माध्यम से हम प्रयास करते है कि समाज पर फैली कुरीतियों को दूर कर सके और जो श्रेष्ठ भारत समृद्ध भारत का स्वप्न हमारे मोदी जी ने देखा है उस पर योगदान दे सके,वहां उपस्थित जन भावनाओं को ध्यान पर रखते हुए संसद श्री कुलस्ते जी ने संत श्री रविदास महाराज जी सामुदायिक भवन के निर्माण की घोषणा की है और शासकीय हाई स्कूल गनेश गंज पर लाइब्रेरी की घोषणा की गई,सतत चलने वाले इस कार्यक्रम का आभार भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र डहेरिया द्वारा किया गया।

श्री डहेरिया ने बताया कि कलश वंदन यात्रा जो कि पूरे सिवनी जिले के अधिक से अधिक गांवों तक समरसता का संदेश लेकर पहुंची आज यह पवित्र कलश को यहां निर्मित होने वाले मंदिर पर स्थापित किया जाएगा और इस कलश पर जो पवित्र मिट्टी है उसे मंदिर की नींव या प्रांगण पर डाला जाएगा साथ ही समाज से भेदभाव दूर करने का संकल्प लिया गया ओर आपके द्वारा भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारियों ,जनप्रतिनिधियों,मोर्चे के जिला अध्यक्ष एव पदाधिकारियों,भाजपा मंडल अध्यक्ष,आदिम जाति कल्याण विभाग,पुलिस विभाग ओर इस यात्रा पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले समस्त महानुभावों का आभार व्यक्त किया गया।

पीड़ित रूपलाल को मिला दिव्यांग प्रमाण पत्र, असलम बाबा ने की निस्वार्थ मदद

सिवनी। स्वतंत्र मत। अंबेडकर वार्ड निवासी रूपलाल प्रजापति पिता शंकरलाल प्रजापति पिछले करीब डेढ़-दो वर्षों से बीमारी के चलते पैरालिसिस से पीड़ित हैं। बीमारी के कारण उन्हें चलने-फिरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

अपनी समस्या उन्होंने कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष असलम बाबा को बताई।रूपलाल की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए असलम बाबा ने निस्वार्थ भावना के साथ उनकी मदद का बीड़ा उठाया और उन्हें जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जिला चिकित्सालय में प्रस्तुत कर प्रक्रिया पूरी कराने में सहयोग किया। मेडिकल बोर्ड द्वारा परीक्षण एवं आवश्यक प्रक्रिया के बाद 10 सितंबर 2026 को जिला चिकित्सालय की ओर से रूपलाल प्रजापति को दिव्यांग प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र मिलने पर रूपलाल प्रजापति ने असलम बाबा और जिला चिकित्सालय का हृदय से आभार व्यक्त किया।रूपलाल प्रजापति ने कहा कि असलम बाबा हमेशा जाति-धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों की निस्वार्थ सेवा करते हैं। दिव्यांग प्रमाण पत्र मिलने से अब उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शास्त्री वार्ड में भ्रमण कर नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने सुनी जनता की समस्याएें

सिवनी। स्वतंत्र मत। आज सिवनी नगरीय क्षेत्र के शास्त्री वार्ड क्रमांक 04 में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया जी द्वारा वार्ड पार्षद श्रीमति राजश्री संदेश बास्सा नगर पालिका सिवनी के प्रभारी सीएमओ गजेन्द्र पांडे के साथ वार्ड में भ्रमण कर वार्ड के नागरिको की समस्याओं को सुना एवं उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश निकाय की संबंधित शाखा प्रभारियों को दिये गये। विदित होवे कि निर्धारित दिनांक के दिन प्रत्येक शुक्रवार को समय प्रात: 11 बजे से 04 बजे तक उक्त अभियान आयोजित किया जा रहा है। विदित होवे कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मान. डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशन में समूचे मध्यप्रदेश में यह अभियान संचालित है शासन आदेश के परिपालन में नगरपालिका सिवनी में इस अभियान को चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण अंतर्गत क्षेत्रों में भ्रमण कर निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना है।

सीएम हेल्पलाईन जनसुनवाई जन आवेदन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करना है। इसके साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया सृजन संस्था प्रभारी श्रीमति सुषमा राय एवं श्रीमति सुभा जायसवाल के द्वारा शास्त्री वार्ड में भ्रमण कर स्वच्छता के लिये जनजागरूकता अभियान चलाया गया एवं वार्ड के नागरिको को खुले स्थानों खाली प्लाटों एवं नालियो में कचरा न फेकने, गंदगी न करने की समझाईश दी गई।

नंदौरा में बंदरों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी सामान्य वन परिक्षेत्र के गोपालगंज बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत नंदौरा में इन दिनों बंदरों की टोली के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में करीब 30 से 40 बंदरों की टोली लगातार उत्पात मचा रही है। बंदरों द्वारा फसलों के साथ-साथ कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि बंदर खेतों में लगी मक्का और सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बंदरों की टोली खेतों में पहुंचकर फसलों को तोड़ने और बर्बाद करने के साथ ही ग्रामीणों के घरों में भी घुसने का प्रयास करती है। इससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि वे छोटे बच्चों और बुजुर्गों को काटने के लिए दौड़ते हैं। इसके अलावा गांव में घूमने वाले कुत्तों को भी बंदरों द्वारा दौड़ाया जाता है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

बंदरों के उत्पात का असर वेदप्रकाश के कच्चे मकान पर भी पड़ा। बंदरों के छप्पर पर कूदने से छप्पर क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों के अनुसार हाल ही में छप्पर का निर्माण कराया गया था। बारिश के मौसम में छप्पर क्षतिग्रस्त होने से परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बंदरों के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को सामान्य वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र सोनी से चर्चा कर समस्या से अवगत कराया।

ग्रामीणों ने बंदरों को गांव से दूर भगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की। मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने संबंधित बीट प्रभारी को मौके पर भेजा, जिसके बाद बंदरों की टोली को गांव से कुछ दूर भगाया गया। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि बंदरों के आतंक से स्थायी रूप से निजात दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि फसलों को हो रहे नुकसान के साथ ही बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन कुरई एवं छपारा विकासखंड की बैठक आज

नवीन कार्यकारिणी गठन, विस्तार एवं संचालक प्रषिक्षण पर होगी चर्चा

सिवनी। स्वतंत्र मत। प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच सिवनी जिला कार्यकारिणी द्वारा जारी समयसारणी अनुसार कुरई एवं छपारा विकासखंड के समस्त निजी स्कूल संचालकों की बैठक 12 सितंबर 2026, दिन-शनिवार को प्रात: 11.00 बजे से रेस्ट हॉउस, कुरई एवं दोपहर 2.00 बजे से सरस्वती ज्ञान मंदिर, भीमगढ़ रोड, छपारा में आयोजित की गयी है। बैठक में मुख्य रूप से जिले से निजी स्कूल संचालकों के प्रशिक्षण, विद्यार्थियों की सुरक्षा हेतु मानक निर्धारण, पालक हेतु स्टूडेंट पिकअप कार्ड की व्यवस्था, विद्यार्थियों एवं पालकों को आने वाली समस्या जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। संगठन के जिला मीडिया प्रभारी शुभम सोनी द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कुरई एवं छपारा की कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया जावेगा। कार्यकारी अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत ने दोनों ही विकासखंड के समस्त स्कूल संचालक साथियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए निवेदन किया है।

पुलिस की निष्क्रियता पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा कान्हीवाड़ा क्षेत्र में महिलाओं ने संभाला मोर्चा

सिवनी। स्वतंत्र मत। कान्हीवाड़ा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम ड्यूटी में प्रशासनिक और पुलिस की उदासीनता के चलते अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से फलफूल रहा है। बार-बार लिखित शिकायत देने के बाद भी जब पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, तो तंग आकर गांव की महिलाओं ने स्वयं कानून और सुरक्षा की कमान अपने हाथों में ले ली। महिलाओं ने हाथों में डंडे लेकर एकजुट होकर अवैध शराब के खिलाफ कड़ा मोर्चा खोल दिया है और रात्रि के समय गांव में खुद ही सर्च ऑपरेशन चलाना शुरू कर दिया है।

खेतों की टपरियों और दुकानों से हो रहा संचालन

ग्रामीण महिलाओं के अनुसार, गांव की मुख्य सड़क पर बनी तीन दुकानों और खेतों के भीतर बनाई गई तीन अलग-अलग टपरियों में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है। शराब ठेकेदार के हौसले इतने बुलंद हैं कि वह गांव के अंदर तक शराब की होम डिलीवरी करवा रहा है। इस अवैध कारोबार के कारण गांव के युवा और यहाँ तक कि स्कूली छात्र भी तेजी से नशे के गिरफ्त में आ रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ रहा है।

सागर हादसे के बाद ग्रामीणों में बढ़ा खौफ

मध्य प्रदेश के सागर जिले में हाल ही में जहरीली शराब पीने से हुई दर्दनाक मौतों की घटना के बाद से ड्यूटी ग्राम के लोग और अधिक सहम गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध और मिलावटी शराब के कारोबार पर रोक नहीं लगाई गई, तो कान्हीवाड़ा क्षेत्र में भी कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस प्रशासन ने जल्द ही इन अवैध अड्डों पर ताले नहीं लगाए, तो उनका यह आंदोलन और अधिक उग्र होगा।

कान्हीवाड़ा बजरंग व्यायामशाला में टीन शेड के लिए 2.50 लाख स्वीकृत

सिवनी। स्वतंत्र मत। विधानसभा क्षेत्र के विधायक ठाकुर रजनीश सिंह ने कान्हीवाड़ा स्थित बजरंग व्यायामशाला में युवाओं की मांग पर टीन शेड निर्माण के लिए 2 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की है। व्यायामशाला में टीन शेड का निर्माण होने से युवाओं को व्यायाम एवं खेल गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। बारिश और तेज धूप के दौरान भी युवा व्यायाम एवं अन्य गतिविधियां सुविधाजनक तरीके से कर सकेंगे। बताया गया कि युवाओं द्वारा लंबे समय से व्यायामशाला में टीन शेड निर्माण की मांग की जा रही थी।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग का सघन अभियान

तीन दिनों में 23 प्रकरण दर्ज, 61 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 1885 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद

मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण, विदेशी मदिरा के नमूने जांच के लिए भेजे

नरसिंहपुर। आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार संचालित विशेष अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश एवं प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी श्री बी.एल. उइके के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग नरसिंहपुर द्वारा जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा 6, 7 एवं 8 सितम्बर को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध शराब के अड्डों पर दबिश देकर कार्रवाई की गई। इस दौरान वृत्त नरसिंहपुर, गोटेगांव, करेली एवं गाडरवारा क्षेत्रांतर्गत सघन कार्रवाई करते हुए कुल 61 लीटर हाथ भट्टी अवैध मदिरा, 1885 किलोग्राम महुआ लाहन, 14.40 बल्क लीटर देशी मदिरा एवं 2.34 बल्क लीटर विदेशी मदिरा बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 23 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

मदिरा दुकानों का भी किया गया सघन निरीक्षण

विशेष अभियान के दौरान आबकारी विभाग द्वारा जिले की मदिरा दुकानों का भी सघन निरीक्षण किया गया। 6 एवं 7 सितम्बर को विभिन्न वृत्तों में 6 मदिरा दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 4 दुकानों से विदेशी मदिरा के नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला, जबलपुर भेजे गए हैं। वहीं 8 सितम्बर को वृत्त गोटेगांव एवं गाडरवारा क्षेत्रांतर्गत 4 मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया और 7 सितम्बर की कार्रवाई के दौरान संभाग स्तरीय उड़नदस्ता के अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, आबकारी उप निरीक्षक श्री संजीव जैन, श्री रतन सिंह धुर्वे, श्रीमती दीपाली भोजक, परिवीक्षाधीन आबकारी उप निरीक्षक सुश्री आकांक्षा धनोतिया, श्री रामचरण प्रजापति सहित आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं नगर सैनिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 8 सितम्बर की कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती दीपाली भोजक, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री सदर सिंह बरकड़े तथा आबकारी अमले के श्री नवल सिंह ठाकुर, श्री अनिल सिंह राठौर, श्री लालजी चौधरी, श्री दीपांश चौकसे, श्री तन्मय टेकाम, महिला आरक्षक सुश्री अंकिता शुक्ला एवं सुश्री आकृति जैन उपस्थित रहे।

स्वच्छता केवल नगर पालिका की नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : कलेक्टर रजनी सिंह

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए केवल नगर पालिका के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा और वार्ड स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करना होगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने यह बात बुधवार को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत स्वच्छतम पोर्टल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित जिला स्तरीय स्वच्छता कार्यशाला में कही। कार्यशाला में नगर पालिका नरसिंहपुर के अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, करेली नगर पालिका की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता नेमा, नगरपालिका नरसिंहपुर, करेली एवं गोटेगांव के

जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं करेली, उपयंत्री एवं स्वच्छता प्रभारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी हमें उस आदर्श स्थिति तक पहुंचना है, जहां शहर में कहीं भी कचरे के ढेर दिखाई न दें और घरों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का नियमित संग्रहण एवं वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रत्येक माह स्वच्छता की स्थिति को पिछले माह से बेहतर बनाना है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

लुप्त हो रही बहरूपिया कला को जीवित रख रहे हैं संजय मस्ताना

गाडरवारा। आधुनिकता और मोबाइल के इस दौर में जहाँ मनोरंजन के साधन बदल गए हैं, वहीं एक ऐसी कला जो कभी गांव-गांव, गली-गली लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन हुआ करती थी, आज धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है। वह कला है बहरूपिया कला। लेकिन नगर गाडरवारा में इन दिनों एक कलाकार इस विलुप्त हो रही कला को अपनी जीवंत प्रस्तुति से फिर से जिंदा कर रहा है। हम बात कर रहे हैं प्रसिद्ध बहरूपिया कलाकार संजय मस्ताना की।

नगर में इन दिनों संजय मस्ताना अपनी कला का शानदार प्रदर्शन करते हुए लोगों का भरपूर मनोरंजन कर उन्हें खूब हँसाने का काम कर रहे हैं। संजय मस्ताना रोजाना नई-नई वेशभूषा में, अलग-अलग किरदारों में नगर की सड़कों, बाजारों और चौराहों पर भ्रमण करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

यूसीमास ग्लोटच गाडरवारा टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर किया क्षेत्र का नाम रोशन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

यूसीमास ग्लोटच अकादमी की टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है ।? ज्ञातव्य रहे कि यह अकादमी बच्चों को मानसिक विकास के आधार पर अंकगणित के साथ बच्चों की गति एवं सटीकता को आगे बढ़ाने का अभ्यास कराती है । बहुत कम समय में निर्धारित प्रश्नों को केवल मानसिक गति से हल कर उत्तर देने से सक्षम होती है । अपनी सर्वोत्तम विधा से नगर एवं क्षेत्र में बच्चों की मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता को निरंतर नया आयाम देने वाली संस्था द्वारा गत दिनों 5 एवं 6 सितंबर को मुंबई के सिडको एग्जीबिशन सेंटर वाशी में पूरे देश से चयनित 4500 प्रशिक्षित बच्चों के मध्य गति एवं सटीकता के इस महाकौशल के प्रदर्शन में इस अकादमी के 10 बच्चों ने भाग लिया और 8 मिनट की अवधि में 200 प्रश्नों के गणितीय प्रश्नों को हलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया ।इनकी इस उपलब्धि पर अकादमी के संचालक सोनाली नवीन चौबे ने सभी पालकों को आभार एवं बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रावण्य सूची में अपना स्थान बनाने वाले बच्चों को आगामी दिसंबर माह में दिनांक 12 और 13 दिसम्बर को सुगतदासा इंडोर स्टेडियम, कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित होने वाले यू सी मास अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता एवं वर्ल्ड कप हेतु चयनित भी किया है ।इन बच्चों में राघव विवेक दुबे ,अथर्व आशीष खरे ,मोइज सरफराज खान, आशी अरविंद कुशवाहा, ओजस ओमप्रकाश कौरव, अथर्व गिरीश गुप्ता,सात्विक उपेंद्र वस्त्राकर, तनिष्क आशीष आर्य , अग्रिमा अंकुर अग्रवाल ने अपना उत्कर्ष प्रदर्शनकिया।

नागरिकों की समस्याओं के निराकरण को लेकर महापौर ने किया विभिन्न क्षेत्रों का मैदानी निरीक्षण

मदन मोहन चौबे, सीएलपी पाठक एवं राम जानकी हनुमान वार्ड का लिया जायजा

बाधित आवागमन को लेकर अधिकारियों को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश, सड़क निर्माण एवं नाला कव्हरिंग के प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का लगातार मैदानी निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में महापौर श्रीमती सूरी ने मदन मोहन चौबे वार्ड, सीएलपी पाठक वार्ड, राम जानकी हनुमान वार्ड के पवन पुरी क्षेत्र एसबीएन हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंच मार्ग सहित आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

नागरिकों से सीधे संवाद कर सुनीं आवागमन संबंधी समस्याएं

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने महापौर सूरी को अवगत कराया कि उनके घरों तक पहुंचने वाले मार्ग में निर्माण कार्य कराए जाने के कारण रास्ता बाधित हो गया है। इसके चलते संबंधित गली अत्यधिक संकरी हो गई है। नागरिकों ने बताया कि इसी मार्ग से बच्चों, महिलाओं एवं वृद्धजनों का नियमित आवागमन होता है जिससे आवागमन में परेशानी के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। महापौर ने नागरिकों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर संबंधित उपयंत्री को स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों के आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा मार्ग सुरक्षित एवं सुगम बना रहे, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई प्राथमिकता से की जाए।

महाजन टाल से स्थल तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव, शीघ्र कराया जाएगा कार्य–निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने सड़क निर्माण की आवश्यकता से भी महापौर को अवगत कराया। नागरिकों द्वारा संबंधित मार्ग का भ्रमण कराते हुए सड़क निर्माण की मांग रखी गई। महापौर सूरी ने

जानकारी देते हुए बताया कि महाजन टाल से उक्त स्थल तक सड़क निर्माण कार्य का प्रस्ताव तैयार है तथा शीघ्र ही निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्रीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र की मूलभूत अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी।

खुले नाले की समस्या के निराकरण हेतु नाला कव्हरिंग का प्रस्ताव बनाने के निर्देश–सीएलपी पाठक वार्ड एवं मदन मोहन चौबे वार्ड के बीच वाली गली में खुले नाले को कव्हर कराने की मांग भी नागरिकों द्वारा महापौर के समक्ष रखी गई। नागरिकों ने बताया कि खुले नाले के कारण आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी समस्या बनी रहती है तथा बच्चों एवं वृद्धजनों के आवागमन के दौरान दुर्घटना की आशंका रहती है। महापौर सूरी ने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संबंधित उपयंत्री को नाला कव्हरिंग के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए।

सफाई एवं पेयजल व्यवस्था को लेकर भी दिए आवश्यक निर्देश–निरीक्षण के दौरान महापौर ने क्षेत्र की साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमित एवं पर्याप्त सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे। साथ ही महापौर ने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों से प्राप्त समस्याओं का मौके पर परीक्षण कर उनका शीघ्र एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

नागरिकों एवं स्कूली बच्चों की सुविधा हेतु तत्काल आवागमन सुलभ बनाने के दिए निर्देश

महापौर सूरी ने श्री राम जानकी हनुमान वार्ड के साईपुरम प्रवेश मार्ग पवनपुरी क्षेत्र के साथ एसबीएन हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंच मार्ग सहित आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पाइपलाइन डालने के कार्य के बाद मार्ग की स्थिति प्रभावित हुई है, जिसके कारण स्थानीय नागरिकों के साथ–साथ स्कूल आने–जाने वाले बच्चों को भी आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महापौर ने मौके पर संबंधित अधिकारियों को नागरिकों एवं स्कूली बच्चों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवागमन सुलभ बनाए जाने हेतु तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं विकास कार्यों के दौरान नागरिकों एवं स्कूली बच्चों के आवागमन में अनावश्यक बाधा उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश

महापौर सूरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण कर नागरिकों की समस्याओं को मौके पर समझा जा रहा है, ताकि आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर उनका शीघ्र निराकरण कराया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों के लिए सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फोटो : विकास गुप्ता

उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित हुई रेखा अंजू तिवारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश शासन प्रशासन की संचालित योजनानुसार कटनी जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में कृष्ण राधा जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसी संदर्भ मे सेक्टर क्र. 3 आचार्य विनोबा वार्ड क्र. 15 आंगनबाड़ी केंद्र में 55,56,200 तीनों केंद्र के संयोजन से नन्हे मुन्ने नटखट बच्चों की अनुपंम मोहक छवि कृष्ण राधा के विभिन्न रूप में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ उक्त अवसर पर समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी के मुख्य अतिथ्य में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित हुई और सभी केंद्रो के बच्चो ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुति दी।

इस पुनीत पावन अवसर पर मुख्य चिकित्सालय लेब टेक्लेशियन अधिकारी तृप्ति दुबे का जन्मोत्सव कृष्ण राधा के हाथों से केक काटकर धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम विशेष सराहनीय सहयोग सुपरवाइजर निधि पटेल, आशा कार्यकर्ता मालती चौधरी, लवली नामदेव द्वारा समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी का आत्मीय भव्य सम्मान रोली तिलक व श्रीफल कलम भेंट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सर्वप्रथम नन्हे मुन्ने नटखट राधा–कृष्ण की पुष्प वर्षा एंव रोली तिलक लगाकर आरती की ओर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बिस्कुट टाफी पेन पेंसिल मिठाई देकर आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत हुए कार्यक्रम में विशेष सराहनीय सहयोग आशा कार्यकर्ता करूणा विश्वकर्मा, दीक्षा मिश्रा, सहायिका गुलाब बाई रजक, विमला चौधरी सहित बच्चों के अभिभावकों की गरिमामय उपस्थित मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। **फोटो : विकास गुप्ता**

कलेक्टर ने निर्माणाधीन पुल का किया औचक निरीक्षण

गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ समय-सीमा में पूर्णता के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने कलेक्टर आशीष तिवारी ने शुक्रवार को बिलहरी–कैमोरी–स्लीमनाबाद मार्ग पर कटनी नदी एवं बहुड़ा नदी के संगम पर निर्माणाधीन पुल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को पुल का निर्माण दिसंबर मासांत तक हर हाल में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 2 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत से निर्माणाधीन यह पुल क्षेत्र के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों के लिए बारहमासी आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। कलेक्टर तिवारी ने निर्माण एजेंसी को कार्य में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को मिलेगी बारहमासी आवागमन की सुविधा

पुल के निर्माण से निटर्रा, बांधा इमलाज, हथकुरी, घुघरा, खरखरी, नैगवां, पिपरिया परौहा, बड़खेरा सहित आसपास के अनेक गांवों के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। बारिश के दौरान नदी के जलस्तर बढ़ने से प्रभावित होने वाले आवागमन को भी सुगम और सुरक्षित बनाने में यह पुल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कलेक्टर तिवारी ने मौके पर निर्माण की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों से कार्य की प्रगति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण हो और निर्माण की गुणवत्ता उच्च स्तर की हो, ताकि इसका लाभ ग्रामीणों को शीघ्र मिल सके। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के महाप्रबंधक प्रभात जैन, एसडीएम कटनी जितेन्द्र पटेल, पर्यावरणविद् निर्भय सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

बस स्टेण्ड चौकी पुलिस ने घटना के चंद घंटों के भीतर आरोपियों को दबोचा

मुख्य आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद, एक आरोपी फरार

कटनी (स्वतंत्रमत)। अहमद नगर निवासी समीर अंसारी पिता साबिर अंसारी, उम्र 26 वर्ष द्वारा थाना कोतवाली कटनी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि रात्रि करीब 09:30 बजे वह अहमद नगर मोड़ के पास स्थित चाय की दुकान पर चाय पी रहा था। इसी दौरान महेन्द्र चौधरी, अभिषेक चौधरी, डंका चौधरी एवं तनवीर खान वहां पहुंचे और शाम के समय हुए विवाद को लेकर गाली–गलौज करने लगे। फरियादी द्वारा गाली देने से मना करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसे जमीन पर पटक दिया और लात–घूंसों से मारपीट करने लगे। फरियादी द्वारा वहां से भागने का प्रयास करने पर आरोपी महेन्द्र चौधरी ने जेब से चाकू निकालकर उसके सिर पर दो बार वार किया तथा तीसरी बार चाकू से हमला करने पर बचाव के प्रयास में चाकू फरियादी की बांयी आंख के पास लग गया, जिससे वह घायल हो गया। मौके पर मौजूद मोशीन हुसैन एवं मुनौअर अंसारी द्वारा बीच–बचाव कर फरियादी को बचाया गया, जिसके बाद

आरोपी मौके से फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अप.क्र. 1027/2026 धारा 296(बी), 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा घायल फरियादी को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया तथा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में चौकी प्रभारी बस स्टेण्ड नेहा मौर्य द्वारा पुलिस टीम के साथ आरोपियों की तलाश हेतु तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्रित कर उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। आरोपी चाका, थाना कुठला क्षेत्र के निवासी होने से उनके सकुनत पर तलाश की गई, लेकिन आरोपी घर पर नहीं मिले। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि घटना में शामिल 3 आरोपी शहर से बाहर भागने की फिराक में चाका बायपास के आसपास देखे गए हैं।

सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल चाका बायपास क्षेत्र में घेराबंदी कर महेन्द्र उर्फलक्की चौधरी, अभिषेक चौधरी एवं पवन चौधरी उर्फ डंका चौधरी को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा समीर अंसारी के साथ एकराय होकर मारपीट करना तथा महेन्द्र चौधरी द्वारा जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला करना स्वीकार किया गया। आरोपी महेन्द्र चौधरी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी तनवीर खान निवासी चाका, कटनी घटना के बाद से फरार है, जिसकी तलाश हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

महेन्द्र चौधरी उर्फ लक्की पिता अशोक कुमार चौधरी, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम चाका, शासकीय स्कूल के पास, थाना कुठला, जिला कटनी। अभिषेक चौधरी पिता रामजी चौधरी, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम चाका, हनुमान मंदिर के पास, थाना कुठला, जिला कटनी। पवन चौधरी उर्फ डंका चौधरी पिता अशोक कुमार चौधरी, उम्र 18 वर्ष, निवासी ग्राम चाका, शासकीय स्कूल के पास, थाना कुठला, जिला कटनी। तनवीर खान निवासी चाका, जिला कटनी फरार। चौकी प्रभारी बस स्टेण्ड नेहा मौर्य द्वारा बताया गया कि आरोपियों द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर समीर अंसारी के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर घायल किया गया था। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के चंद घंटों के भीतर 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा मुख्य आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है। फरार आरोपी तनवीर खान की तलाश जारी है, जिसे शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

फोटो : विकास गुप्ता

140 पाव देशी शराब जब्त, 4 प्रकरण दर्ज

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई का सिलसिला सतत जारी है। इसी क्रम में आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी मंशाराम उइके के नेतृत्व में आबकारी वृत्त–3 के अंतर्गत ग्राम हिरवारा, पिपरिया, गाताखेड़ा, सिंगनपुरी, निवार एवं सलैया में दबिश दी गई। दबिश के दौरान अलग–अलग स्थानों से 60 पाव प्लेन मदिरा एवं 80 पाव मसाला मदिरा सहित कुल 140 पाव देशी मदिरा बरामद की गई। जब्त मदिरा की कुल मात्रा 25.2 बल्क लीटर है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(अ) के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। आबकारी विभाग ने स्पष्ट कहा है कि अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रवीण रतन वरकड़े परिवीक्षाधीन आबकारी उप निरीक्षक सीमा कोल मुख्य आरक्षक राजेश गोटिया एवं चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी तथा आरक्षक अनुराग शर्मा8, रवि राज और सिमरन उरमलिया उपस्थित रहे।

स्कूल बसों की सघन जांच में 8 की फिटनेस निरस्त

11 वाहन थाना बरही में खड़े कराए

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर कटनी के निर्देश एवं मार्गदर्शन पर जिले में संचालित स्कूल वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर परिवहन विभाग द्वारा लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल द्वारा कटनी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्कूल बसों एवं अन्य स्कूल वाहनों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों की स्थिति का बारीकी से परीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कुल 38 स्कूल बसों एवं स्कूल वाहनों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई वाहनों में सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आईं। जांच में 8 स्कूल बसों में आपातकालीन द्वार पर सीट लगी हुई पाई गई। इसके अलावा इन वाहनों में ङ्करूझ्ष्ठ (पेनिक बटन) भी सुचारू रूप से कार्य करता हुआ नहीं पाया गया। स्कूली बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से इन कमियों को गंभीर मानते हुए परिवहन विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर उक्त 8 स्कूल बसों की फिटनेस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी। साथ ही कार्रवाई के दौरान संबंधित स्कूल वाहनों को सुरक्षार्थ थाना बरही में खड़ा कराया गया, ताकि बिना आवश्यक सुरक्षा मानकों के कोई भी वाहन स्कूली बच्चों के परिवहन में संचालित न हो सके। जांच के दौरान सुधा स्मृति स्कूल की दो बसों क्रमांक एमपी स्क्क२१क्क३०२९ एवं स्क्क२१क्क४०९ का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार एसएसएस गुरुकुल स्कूल की चार बसें क्रमांक स्क्क२१क्क३१६, स्क्क२१क्क३१८, स्क्क२१त्नक्क१२० एवं त्नछ्व१८ङ्ग८२५४ भी जांच के दायरे में रहीं। इसके अलावा ऋष्ट स्कूल की तीन बसों क्रमांक स्क्क२१९क्क७३४, स्क्क२१९क्क७३५ एवं स्क्क२१९क्क६५२ का भी परिवहन विभाग की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया।

इसी क्रम में सरस्वती स्कूल के एक टाटा मैजिक वाहन सहित एक अन्य स्कूल वाहन क्रमांक स्क्क२०क्ष्८२८६ की भी जांच की गई। इस प्रकार कार्रवाई के दौरान कुल 11 स्कूल वाहनों को थाना बरही में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। परिवहन विभाग द्वारा वाहनों की फिटनेस, आपातकालीन द्वार, पेनिक बटन सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य स्कूल वाहनों में यात्रा करने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। स्कूल बसों में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए निर्धारित सुरक्षा उपकरणों एवं व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से कार्य करना आवश्यक है। आपातकालीन द्वार पर सीट लगाए जाने से किसी दुर्घटना या आपात स्थिति में बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसी तरह ङ्करूझ्ष्ठ एवं पेनिक बटन जैसी सुरक्षा व्यवस्था का सही तरीके से काम करना भी विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल ने स्पष्ट किया कि स्कूल वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य है। परिवहन विभाग द्वारा जिले में स्कूल वाहनों की जांच का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जिले में 17 सितंबर से शुरू होगी स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना

कटनी (स्वतंत्रमत)। ग्रामीण आबादी क्षेत्र में निवासरत भूखण्ड धारकों को उनके भूखण्ड का विधिवत स्वामित्व अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन–2026 योजना का जिले में 17 सितंबर से शुभारंभ किया जायेगा। इसके अंतर्गत जिले के लगभग 1 लाख 6 हजार 618 आबादी भूखण्ड धारकों को उनके नाम से स्वामित्व अधिकार अभिलेख के निष्पादन एवं पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले के समस्त आबादी भूखण्ड धारकों से अपील की है कि वे योजना का लाभ लेने के लिए समय रहते अपनी समग्र ई.केवाईसी एवं भूखण्ड लिंकिंग की नि:शुल्क प्रक्रिया पूर्ण करा लें।

स्वामित्व का वैधानिक दस्तावेज बनेगा आर्थिक सशक्तिकरण का आधार–योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित भूखण्डों के धारकों को उनके भूखण्ड के संबंध में विधिवत एवं प्रमाणित स्वामित्व अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण परिवारों के पास अपनी संपत्ति का महत्वपूर्ण एवं उपयोगी वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध होगा। स्वामित्व अधिकार अभिलेख मिलने से शासकीय एवं वित्तीय कार्यों में सुविधा होगी। पात्रता एवं संबंधित बैंकिंग नियमों के अधीन इस संपत्ति का उपयोग बैंक ऋण प्राप्त करने में भी किया जा सकेगा। इससे ग्रामीण परिवारों की संस्थागत वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी और संपत्ति के आर्थिक उपयोग की संभावनाएं बढ़ेंगी।

ई.केवाईसी और भूखण्ड लिंकिंग कराना जरूरी

कलेक्टर ने संबंधित आबादी भूखण्ड धारकों से अपील की है कि योजना के क्रियान्वयन से पहले अपनी समग्र ई–केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। इसके साथ ही भूखण्ड को भूखण्ड धारक की जानकारी से लैण्ड लिंकिंग/केवाईसी कराना भी आवश्यक है। हितग्राही अपने ग्राम के संबंधित पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक अथवा उपलब्ध स्थानीय सहायता केंद्रों से संपर्क कर ई–केवाईसी एवं भूखण्ड लिंकिंग की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ई–केवाईसी एवं भूखण्ड लिंकिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही स्वामित्व अधिकार अभिलेख के निष्पादन एवं पंजीयन की आगामी कार्यवाही सुचारू रूप से पूरी हो सकेगी। इसलिए जिन हितग्राहियों की प्रक्रिया लंबित है, वे निर्धारित समय में इसे पूर्ण कराएं।

मलेशिया को 3-1 से हराकर भारत फाइनल में

फ़ाइनल में, भारत का सामना दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा

मोकी, चीन (वार्ता)।

कप्तान अनमोल एक्का के दो गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने शुक्रवार को यहां एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। फ़ाइनल में, भारत का सामना रविवार, 13 सितंबर की शाम को पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। भारत ने एक बार फिर संयमित और दृढ़ प्रदर्शन किया और जीत हासिल की। अब टीम लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर छठी बार अपना खिताब बचाने से बस एक जीत दूर है।

एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए

कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर टीम की अगुवाई करते हुए पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए, जिससे टूर्नामेंट में उनके गोल की संख्या 16 हो गई और वे स्कोरिंग चार्ट में सबसे ऊपर बने हुए हैं। साथ ही, गोलकीपर और प्लेयर ऑफ द मैच विवेक लाकड़ा का प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने कई बेहतरीन बचाव किए, जिसमें पेनल्टी स्ट्रोक रोकना भी शामिल था, जिससे भारत मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रहा। भारत ने अच्छी शुरुआत की और दो बार गोल करने के करीब पहुंचा और तीन शॉर्ट कॉर्नर भी हासिल किए, लेकिन पहला क्वार्टर गोल-रहित रहा। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही गतिरोध तोड़ा, जब अनमोल एक्का ने 16वें मिनट में चौथे शॉर्ट कॉर्नर का फ़ायदा उठाते हुए मलेशियाई गोलकीपर अमस्यार के दाईं ओर से एक लो फ्लिक के ज़रिए गोल किया।

लाकड़ा ने शानदार बचाव किया

मलेशिया ने तुरंत जवाब दिया और अगले ही मिनट में बराबरी करने के करीब पहुंच गया, जिससे उन्हें एक शॉर्ट कॉर्नर मिला। हालांकि, लाकड़ा ने शानदार बचाव किया। भारत को 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और क्वार्टर के अंत में गोल करने के दो अच्छे मौके मिले, लेकिन वे 1-0 की बढ़त के साथ ब्रेक पर गए। जब मलेशिया ने दबाव बनाया और इरादे के साथ हमला किया, तो लाकड़ा ने शानदार डबल सेव करके टीम को संभाला। 36वें मिनट में मनमीत सिंह राय को येलो कार्ड मिलने के बाद भारत के 10 खिलाड़ी ही मैदान पर रह गए, जबकि मलेशिया को 39वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे गोल में नहीं बदल पाए।

प्रभदीप सिंह को 41वें मिनट में येलो कार्ड दिखाया गया

मलेशिया बराबरी करने के लिए एरियल बॉल्स (हवा में उछालकर खेली जाने वाली गेंदों) का सहारा लेता रहा, लेकिन भारत का डिफेंस संगठित बना रहा। प्रभदीप सिंह को 41वें मिनट में येलो कार्ड दिखाया गया, जिससे भारत फिर से 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने लगा। मलेशिया को 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन उनका मूव एक ऑफ-टारगेट स्लैप-पुश पर खत्म हुआ। आखिरकार चौथे क्वार्टर में भारत को वह राहत मिली जिसकी उन्हें तलाश थी। 51वें मिनट में मलेशियाई डिफेंस की वजह से गोल करने का मौका चूकने के बाद, भारत ने तेज़ी से पलटवार किया और सुखविंदर के गोल से अपनी बढ़त 2-0 कर ली। इसके बाद लाकरा ने एक और शानदार खेल दिखाया। 53वें मिनट में मलेशिया को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने तेज़ी से बाईं ओर डाइव लगाई और अपने ग्लव से उस शॉट को रोक दिया।

भारत ने 54वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया

भारत ने 54वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। मलेशिया ने वीडियो रेफरल के ज़रिए इस फैसले को चुनौती दी लेकिन रेफरल हार गए। अनमोल ने कोई गलती नहीं की और ज़ोरदार फ्लिक से गोलकीपर को छकाते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मैच के आखिरी मिनटों में मलेशिया को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन लाकरा और भारतीय डिफेंस डटे रहे। 58वें मिनट में लाकरा ने एक और शानदार डाइव लगाकर ज़ोरदार फ्लिक को बचाया। सिर्फ़ 24 सेकंड बचे थे, जब मलेशिया को अपना आठवां पेनल्टी कॉर्नर मिला और हूटर बजने के साथ ही एम राहुल ने एक सांत्वना गोल किया।

फाइनल में पाकिस्तान हो या श्रीलंका कोई फर्क नहीं पड़ता: दीप्ति शर्मा

दुबई (वार्ता)

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा कि महिला एशिया कप टी-20 का फाइनल मुकाबला पाकिस्तान से हो या श्रीलंका के साथ इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। बंगलादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 40 रनों से जीत दर्ज करने के बाद दीप्ति ने एक सवाल के जवाब में कहा, च्च्असल में यह उनके नतीजे पर निर्भर करता है, लेकिन भारतीय टीम इस बारे में जानती है। हमारी टीम किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेती। फ़र्क नहीं पड़ता कि फ़ाइनल में श्रीलंका आता है या पाकिस्तान, जो भी टीम आए। हम हमेशा एक टीम के तौर पर यही सोचते हैं कि हर मैच में हम बेहतर कैसे कर सकते हैं। पूरी टीम के तौर पर हम कैसे और अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। बस यही। हम कल साथ बैठेंगे और कल का मैच देखेंगे। इससे हमें फ़ाइनल के लिए अपनी रणनीति बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

भारत ने अब तक इस प्रतियोगिता में अपने सभी मैच जीते हैं और जिन आंकड़ों को हराया है, उनमें पाकिस्तान भी शामिल है। उस मैच में भारत ने पाकिस्तान पर कुल मिलाकर 55 रन और 68 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल किया था। दीप्ति ने उस मैच में दो विकेट लिए थे। बंगलादेश के बासीम फाइनल में 3/26 के प्रदर्शन के बाद वह एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कलाकार हैं, उनके नाम अब तक 11 विकेट हैं। बंगलादेश के खिलाफ उन्होंने छह गेंदों पर 13 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था। उन्होंने कहा, असल में जब मैंने क्रिकेट शुरू किया था, तब मैं स्टॉक में था। इसलिए दो इंडिकेशन में योगदान देने की क्षमता से ही मेरे पास आ रही है। जब भी मुझे बल्लेबाजों का मौका मिलता है, तो मुझे विश्वास रहता है कि मैं भी योगदान दे सकता हूं। इसलिए आज मुझे जो कुछ गेंदें छूटने को मिलीं, उससे मैं खुश हूं। इसी तरह से मैंने काम करना शुरू कर दिया है। पहले दोस्ती करना हो या पहले विकेट, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं हमेशा की तरह एक टीम के लिए योगदान देता हूं। चाहता हूँ चाहता हूं। भारत के लिए चिंता का एक तरफा समुद्र तट है, जो खिताबी मुकाबले में उसके लिए परेशानी बन सकता है। विशेष रूप से कैचिंग। लगातार भारत की कमज़ोरियों में इज़ाफ़ा हो रहा है और बंगलादेश के खिलाफ भी भारतीय खिलाड़ियों ने चार कैच छोड़े हैं। उन्होंने कहा, एक टीम के तौर पर हम स्कैचिंग में अच्छा काम कर रहे हैं। प्रशिक्षण में हम कैच और स्कोटिंग की भी प्रोफेशनल अभ्यास कर रहे हैं। मेरा मानना है कि कभी एक दिन हो जाता है, तो कभी दूसरे दिन ऐसा होता है। लेकिन एक टीम के तौर पर हम पूरी तरह से तैयार करने के लिए तैयार हैं।

सबालेंका ने पेगुला को हराकर लगातार चौथी बार यूएस ओपन फाइनल में बनाई जगह

न्यूयॉर्क (वार्ता)

मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने महिला एकल सेमीफ़ाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर लगातार चौथी बार यूएस ओपन खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। यहाँ आर्थर ऐश स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गये मुकाबले में टॉप-सीडेड बेलारूसी खिलाड़ी सबालेंका ने आक्रामक खेल दिखाया, पेगुला के 12 विनर्स के मुकाबले 29 विनर्स लगाए और फ्लशिंग मीडोज में अपनी जीत का सिलसिला 19 मैचों तक बढ़ा दिया। सबालेंका ने कड़े मुकाबले वाले शुरुआती सेट में दमदार प्रदर्शन किया। एक समय दोनों खिलाड़ी 4-4 पर बराबरी पर थे, तभी सबालेंका ने फोरहैंड विनर के साथ एक ब्रेक पॉइंट बचाया। इसके बाद उन्होंने 5-6 के स्कोर पर पेगुला की सर्विस तोड़ी और 43 मिनट में पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया। सबालेंका ने दूसरे सेट में भी अपना जबरदस्त हमला जारी रखा, पेगुला की सर्विस तोड़कर 3-1 की बढ़त बनाई और फिर आखिरी गेम में एक और ब्रेक हासिल करके एक घंटे 20 मिनट में जीत पक्की की। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, मैं जो भी फैसला लूंगी, वह सही फैसला होगा। पेगुला ने माना कि सबालेंका ने बहुत ही ऊंचे स्तर का टेनिस खेला। अमेरिकी खिलाड़ी ने कहा, उन्होंने कमाल का खेल दिखाया। उन्होंने बहुत ऊंचे स्तर का खेल खेला। सच कहूँ तो, मुझे नहीं लगता कि आज मैं ज़्यादा कुछ कर सकती थी। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार चौथी बार यूएस ओपन फ़ाइनल में पहुंच गई हैं।सबालेंका अब क्रिस एवर्ट और सेरेना विलियम्स के बाद लगातार तीन यूएस ओपन एकल खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बनने की कोशिश कर रही हैं।

राजीव राम का शानदार यूएस ओपन करियर सेमीफाइनल में खत्म हुआ

न्यूयॉर्क (वार्ता)। शुक्रवार को राजीव राम का शानदार यूएस ओपन करियर खत्म हो गया, लेकिन डबल्स में दुनिया के पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी को इससे बेहतर विदाई नहीं मिल सकती थी। फ्लशिंग मीडोज में तीन बार के चैंपियन रहे राम और उनके लंबे समय के साथी जो सैलिसबरी को पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त केविन क्राविट्ज़ और टिम पुएट्ज़ ने 6-3, 6-4 से हराया। इस हार के साथ ही राम का लगातार 26वीं बार यूएस ओपन में हिस्सा लेने का सिलसिला खत्म हो गया, जो पुरुष डबल्स इवेंट के इतिहास में सबसे ज़्यादा है। साथ ही उनके उस करियर का भी समापन हो गया जिसमें छह ग्रैंड स्लैम खिताब, 32 एटीपी डबल्स खिताब, छह मास्टर्स खिताब दो ओलंपिक सिल्वर मेडल शामिल थे।

सीएसके के अगले कोच के बारे में धोनी लेंगे फ़ैसला

चेन्नई (वार्ता)

कप्तानी छोड़ने और पिछले सीज़न में एक भी मैच न खेलने के बावजूद, महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का एक अहम हिस्सा बने हुए हैं। सीएसके मैनेजमेंट उनके अगले कदम का इंतज़ार कर रहा है, खासकर नए हेड कोच को फ़ाइनल करने के मामले में। माना जा रहा है कि वह अभी अमेरिका में हैं और 22 सितंबर के आसपास लौट सकते हैं। उम्मीद है कि सीएसके मैनेजमेंट उस समय के आसपास अगले कोच के बारे में फ़ैसला लेने और उसके बाद ट्रांसफ़र और ट्रेड पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगा। सीएसके अधिकारी लगातार कह रहे हैं कि उन्होंने अभी तक किसी कोच को नहीं चुना है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उन्होंने एक विदेशी उम्मीदवार को चुना है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह किसी दूसरी फ्रेंचाइज़ी के साथ भी बातचीत कर रहा है। उम्मीद है कि धोनी के लौटने और सीएसके के टॉप मैनेजमेंट अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद स्थिति साफ़ हो जाएगी। इस बीच क्या धोनी सीएसके फ्रेंचाइज़ी में हिस्सेदारी खरीदना चाहते थे? ऐसी खबरें आई हैं, जिनमें से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पूर्व कप्तान ने सीएसके में हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी, लेकिन मैनेजमेंट उनके द्वारा बताई गई शर्तों पर सहमत नहीं हुआ।ज्ज सीएसके के एक बड़े अधिकारी ने धोनी के साथ इस मुद्दे पर बातचीत से इनकार किया है। सीएसके के सीनियर अधिकारी ने कहा, एमएस ने हमसे कभी इस बारे में नहीं पूछा। हमने इस मामले पर कभी चर्चा नहीं की। हमारे पास इस बात की भी कोई जानकारी नहीं है कि उन्होंने मिस्टर एन. श्रीनिवासन से इस बारे में बात की है या नहीं।ज्ज इसके बावजूद, धोनी के पास फ्रेंचाइज़ी के शेयर हैं। चेन्नई से मिली जानकारी से पता चलता है कि पूर्व कप्तान ने कुछ शेयर तब खरीदे थे जब वे बिक्री के लिए उपलब्ध थे। हालांकि सीएसके के शेयर खुले बाज़ार में ट्रेड नहीं होते, क्योंकि कंपनी अनलिस्टेड है, लेकिन उन्हें ऑफ़-मार्केट ट्रांज़ैक्शन के ज़रिए निजी तौर पर खरीदा जा सकता है। धोनी के पास एक लाख से ज़्यादा शेयर हैं, लेकिन शेयरहोल्डिंग पैटर्न के बड़े नज़रिए से यह बहुत छोटा हिस्सा है। जनता के पास 30 करोड़ से ज़्यादा आउटस्टैंडिंग शेयर हैं, जो फ्रेंचाइज़ी की कुल शेयर कैपिटल का लगभग 40 प्रतिशत है।

शुरुआती बड़ी गिरावट के बाद 121 अंक नीचे बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई (वार्ता)।

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच शुक्रवार को सुबह 700 अंक से ज्यादा लुढ़कने के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स अंत में 121 अंक नीचे बंद हुआ। सेंसेक्स में सुबह के समय बड़ी गिरावट थी। एक समय यह 742 अंक उतर गया था, लेकिन बाद में अंतरग्रीय बाजार में कच्चे तेल के नरम पड़ने से इसकी गिरावट काफी कम रह गयी। अंत में यह 120.83 अंक टूटकर 74,781.76 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 79.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत फिसलकर 23,398.10 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल करीब तीन प्रतिशत टूटकर 104 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है। गुरुवार को यह 107 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। वृहत बाजार में भी अधिकतर सूचकांक लाल निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.01 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.58 प्रतिशत टूट गया। सेक्टर आधारित सूचकांकों में आईटी, बैंकिंग, वित्त और मीडिया समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे। रियल्टी, धातु, ऑटो, तेल एवं गैस और रसायन सेक्टरों में बिकवाली ज्यादा हुई। एनएसई में जिन 3,638 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,039 के शेयरों में गिरावट और 1,473 के हरे निशान में रहे। अन्य 126 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 19 के शेयरों में गिरावट रही। टाटा स्टील का शेयर 1.67 प्रतिशत उतर गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 1.33 फीसदी, सनफार्मा का 1.18, बजाज फाइनेंस का 1.13, एनटीपीसी का 1.10, पावरग्रिड का 1.07, एलएंडटी का 1.01, एक्सिस बैंक का 0.99, मारुति सुजुकी का 0.96 और महिंद्रा एंड महिंद्रा का 0.94 प्रतिशत नीचे रहा। भारतीय स्टेट बैंक, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी गिरावट में बंद हुए। एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.02 प्रतिशत की बढ़त में रहा। टेक महिंद्रा में 1.38 फीसदी की तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटरनल, इंफोसिस, बीईएल, ट्रेंट, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और अडानी पोर्टस के शेयर भी ऊपर रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.93 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.18 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.60 प्रतिशत गिर गया।

हुंडई ने कनेक्टड कारों के लिए पेश किया रिमोट इमोबिलाइजर

गुरुग्राम (वार्ता)। हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी कारों में एक और सुरक्षा फीचर जोड़ते हुए रिमोट इमोबिलाइजर पेश किया है जिससे वाहन को अनाधिकृत रूप से स्टार्ट करने से रोका जा सकेगा। कंपनी ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि हुंडई वेन्यू के एचएक्स10 और हुंडई वेन्यू एन लाइन के एन10 संस्करण में अभी यह फीचर पेश किया जा रहा है। इन दोनों संस्करणों में कनेक्टेड-कार-नेविगेशन-कॉकपिट लगा हुआ है। आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से हुंडई ब्लूलिंक से लैस सभी वाहनों में यह अपडेट उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही भविष्य में आने वाली कंपनी की सभी कनेक्टेड कारों में यह एक मानक फीचर होगा। वाहन मालिक हुंडई ब्लूलिंक ऐप के जरिये अपनी पार्क की गई कार को दूर से ही इमोबिलाइज कर सकेंगे यानी उसे स्टार्ट होने से रोक सकेंगे। यह न सिर्फ चोरी या लूट की स्थिति में काम आयेगा, बल्कि नाबालिग बच्चों को भी बिना अनुमति कार ले जाने से रोकने में कारगर होगा। यदि चोरी का शक हो, तो ग्राहक हुंडई ब्लूलिंक ऐप के जरिये तुरंत इस फीचर को सक्रिय कर सकते हैं, ताकि गाड़ी बंद होने के बाद उसे दोबारा स्टार्ट न किया जा सके।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

मुंबई (वार्ता) देश का विदेशी मुद्रा भंडार 04 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 44.903 अरब डॉलर के जबरदस्त उछाल के साथ 785.706 अरब डॉलर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह लगातार 10वां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। इस दौरान इसमें 118 अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई है। गत 28 अगस्त को समाप्त सप्ताह में यह 11.475 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर पर रहा था जो उस समय का रिकॉर्ड था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 04 सितंबर को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार में गिरावट आयी है जबकि विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 47 अरब डॉलर से अधिक का जबरदस्त इजाफा हुआ है। आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 47.498 अरब डॉलर बढ़कर 648.168 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी। इसमें अमेरिका डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं। इनके मूल्य का निर्धारण डॉलर की तुलना में इनकी संदर्भ दर के आधार पर होता है। वहीं, स्वर्ण भंडार एक सप्ताह में 2.594 अरब डॉलर घटकर 113.816 अरब डॉलर रह गया। लगातार छह सप्ताह बढ़ने के बाद इसमें गिरावट आयी है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.916 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। विशेष आहरण अधिकार 40 लाख डॉलर घटकर 18.806 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा भंडार की वृद्धि में रिजर्व बैंक की 08 जून को घोषित स्वैप फैसिलिटी का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

चीनी नरम, अन्य जिंसों में तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चीनी का औसत भाव टूट गया जबकि अन्य जिंसों में तेजी रही। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 30 रुपये घटकर 5,499 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। वहीं, गुड़ 20 रुपये महंगा होकर 5,985 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 22 पैसे घटकर 59.98 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 21 रुपये बढ़कर 4,172 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं तीन रुपये चढ़कर 2,864 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोला गया। आटे की कीमत सात रुपये बढ़ी। दाल-दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 31 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मसूर दाल 21 रुपये और उड़द दाल 20 रुपये महंगी हुई। तुअर दाल का भाव 17 रुपये और मूंग दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 67 रिंगिट गिरकर 4,818 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.85 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजार में आज सूरजमुखी तेल 44 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत 35 रुपये और सोया तेल की 25 रुपये बढ़ गई। सरसों तेल 12 रुपये और वनस्पति सात रुपये महंगा हुआ।

देश के युवा देश का भविष्य गढ रहे हैं, नाराज फूफा लोग अपनी पुरानी सोच में ही अटके हैः सीतारमण

मुंबई (वार्ता)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों को गलत साबित करने तथा युवा वर्ग की ऊर्जा और उपलब्धियों की अनदेखी कर उनके भविष्य को धूमिल बताने वाले आलोचकों को नाराज़ फूफाओं की संज्ञा देते हुए कहा कि ऐसे लोग तथ्य नहीं बल्कि अपने आग्रह-दुराग्रह से प्रेरित लोग हैं। वित्त मंत्री यहां भारत के 7वें ग्लोबल फिनटेक महोत्सव-2026 के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी युवा आबादी का लाभ कोई कल्पना नहीं बल्कि परिणामों में झलक रही वास्तविकता है, वह कल के कोड लिख रही है और पुरानी सोच में अटके लोग इसे देख नहीं पा रहे हैं। जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित समापन सत्र में अपने भाषण के प्रारंभ में ही वहां उपस्थित युवा प्रतिभाओं के समूह की ओर संकेत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, इस सभागार के चारों ओर नज़र डालिए-यह युवा और गतिशील प्रतिभाओं के असाधारण समूह से भरा हुआ है। इस आयोजन स्थल पर मौजूद उत्साह, जुनून और ऊर्जा को नज़रअंदाज़ करना असंभव है, और मैं इसे स्वीकार करना चाहती हूँ। स्पष्ट रूप से, यहाँ जोश हाई (आसमान में) है। उन्होंने कहा , हालाँकि, भारत की युवा आबादी के विस्तार को निरंतर निराशावाद के चश्मे से देखने की कुछ टिप्पणीकारों की आदत बन गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत वास्तविक समय में अपनी जनसांख्यिकीय लाभांश (युवा आबादी के ऊंचे अनुपात) का अनुभव कर रहा है और प्रतिभाशाली तथा महत्वाकांक्षी लोगों से भरे इस सभागार को देख कर यह संभावना साकार होती दिखती है कि देश के युवा एक जीवंत, ठोस और भविष्य को आकार देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इसी ऊर्जा के बल पर भारत ने यूपीआई के रूप में दुनिया के सबसे शक्तिशाली डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया है, दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का मजबूती से खड़ा है तथा अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नई सीमाओं को पार कर रहा है। श्रीमती सीतारमण के अनुसार इसके विपरीत कुछ जानी-पहचानी आवाजे हैं जो नये युग की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को पिछली सदी के इंची-टेप से मापने में लगी रहती है और उनकी ओर से लगातार यह सवाल उठाये जाते रहते हैं कि क्या हमारी आर्थिक वृद्धि हमारे युवाओं की आकांक्षाओं और ऊर्जा के अनुरूप हो रही। इसी संदर्भ में उन्होंने ऐसी आवाजों के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस्तेमाल किये गये - नाराज फूफा वाली लोकोक्ति का इस्तेमाल किया। वित्त मंत्री ने कहा, हमारे नाराज़ फूफा लोग भारत की आर्थिक गति और हमारे युवाओं की क्षमताओं पर हर समय संदेह करने का कोई-न-कोई बहाना ढूंढ लेते हैं। वे टेलीविजन स्टूडियो में बैठकर इस बात पर बहस करने में अपना समय बिताते हैं कि क्या भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश (युवा वर्ग) हमारे हाथ से निकल चुका है या वह अब एक बोझ में बदल गया है। उन्होंने कहा, ऐसे लोग ठोस आँकड़ों के बजाय वाइबकास्टिंग और फीलकास्टिंग (अपने आग्रह-दुराग्रह को तथ्य के रूप में प्रस्तुत करने) के तरीकों पर निर्भर रहते हैं। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि ऐसे लोग बीते विषयों के उत्तर की प्रतीक्षा करते हुए बीते दौर में अटक कर रह गये हैं जबकि देश के युवा मस्तिष्क उनके इस निंदक रवैये को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुके हैं और उन्होंने वास्तव में इसे साकार करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी अपनी उत्पादकता को प्रमाणित करने के लिए पुराने पैमानों की स्वीकृति का इंतज़ार नहीं कर रही है। वे (भारत के युवा) आने वाले कल का कोड लिख रहे हैं, स्थायी उद्यमों का निर्माण कर रहे हैं और यह साबित कर रहे हैं कि भारत का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ कोई काल्पनिक संभावना नहीं, बल्कि एक सक्रिय और अजेय वास्तविकता है। इस सभागार में मौजूद लोग अवसरों का इंतज़ार नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे प्लेटफॉर्म बना रहे हैं,।

प्रदेश में बनेंगे 6 नए एक्सप्रेस-वे, मुंबई को जोड़ेगी 8 लेन चौड़ी सड़कः सीएम मोहन यादव

सीएम ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी, मप्र को बताया सबसे तेज गति से निवेश लाने वाला राज्य

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश को मुंबई से जोड़ने 8 लेन चौड़ी सड़क बनकर तैयार हो गई है। इसके साथ प्रदेश में 6 एक्सप्रेस-वे बनाए जाएंगे। सीएम मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बड़ा ऐलान किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी इस मौके पर मौजूद थे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सागर के शराब कांड में सख्त कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने कहा कि कल आरोपियों के आशियाने तोड़े गए थे जबकि आज एक आरोपी का एनकाउंटर हुआ है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि हम प्रदेश में हर साल एक लाख नौकरियां देने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ढाई लाख पदों पर पदोन्नतियां होंगी, जिसमें लगभग एक लाख पदोन्नतियां हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश को पूरे देश में सबसे तेज गति से निवेश लाने वाला राज्य बताया। उन्होंने कहा कि हमने देश के साथ ही विदेश में भी निवेशकों का दिल जीता है।

उन्होंने कहा- प्रदेश में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। लगभग 15 लाख करोड़ से

अधिक के निवेश प्रस्ताव अब तक धरातल पर उतर चुके हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा कि जहां ढाई साल पहले प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता 25000 मेगावाट थी, वहीं आज 7000 मेगावाट की वृद्धि के साथ यह 32000 मेगावाट हो गई है।

पीथमपुर से मुंबई तक 8 लेन एक्सप्रेस-वे तैयार

सीएम मोहन यादव ने कहा कि पीथमपुर से मुंबई तक 8 लेन एक्सप्रेस-वे तैयार हो चुका है. उन्होंने प्रदेश में नए 6 एक्सप्रेस वे बनाने का भी ऐलान किया। प्रेस वार्ता में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बीजेपी के सेवा संकल्प अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा। सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन, कार्यों और सेवा गतिविधियों पर केंद्रित रहेगा। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश में हुए परिवर्तनों की भी जानकारी देंगे।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि 17 सितंबर को प्रदेशभर में 68 हजार बूथों पर दीपोत्सव मनाएंगे। शाम 7 बजे लाभार्थियों के घरों में आशीर्वाद का दीप जलाएंगे। अन्य प्रमुख स्थानों पर भी दीपोत्सव होगा। स्कूलों में मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें चित्रकला, ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, सेवा कार्य, प्रदर्शनियां, संवाद एवं जनसंपर्क समेत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच सेवा का संकल्प लेकर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए सेवा केवल संकल्प नहीं, जीवन का ध्येय है और यही भाव इस अभियान की आत्मा बनेगा।

मटकी फोड़ का आयोजन आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह के कीर्ति स्तंभ चौराहे पर आजाद स्मृति मंच के तत्वावधान में दही हांडी और प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें धर्मस्य एवं संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और आनंद विभाग के मंत्री लखन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सिद्धार्थ जयंत कुमार मलैया, जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पूर्व विधायक अजय टंडन, पूर्व नपाध्यक्ष मनु मिश्रा सहित विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष हेमंत छाबड़ा, शिक्षाविद नन्हें सिंह ठाकुर, सत्येंद्र भावसिंह लोधी, संजय मौर्य, लोकेंद्र पटेल लकी, अधिवक्ता संघ के जिलाध्यक्ष मुकेश पाण्डेय, रतनचंद जैन, मनीष शर्मा, नगरपालिका अमरसिंह राजपूत, बीएम दुबे, कृष्णकुमार चौबे, डॉ अरुणा उज्जैनकर, प्रो डॉ कमल चौरसिया, सुधीर विद्यार्थी की महत्वपूर्ण उपस्थिति रहेगी।

अयोध्या नगर को आदर्श नगर के रूप में विकसित करना हमारी प्राथमिकता : राज्यमंत्री श्रीमती गौर

गोविंदपुरा में 1.43 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कलयाण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविन्दपुरा में विकास कार्यों का भूमि-पूजन करते हुए कहा कि नागरिकों को सर्वसुविधायुक्त वातावरण प्रदान करना तथा अयोध्या नगर को एक च्आदर्श नगरज् के रूप में स्थापित करना सरकार का संकल्प है। विकास कार्यों से क्षेत्रवासियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा और वर्षाकाल में जलभराव से होने वाली समस्या से स्थायी मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 68 स्थित अयोध्या नगर में लगभग 1.43 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न अवसंरचनात्मक

एवं नागरिक सुविधा संबंधी विकास कार्यों का भूमि- पूजन किया। इन निर्माण कार्यों में मुख्य रूप से उच्च गुणवत्ता युक्त सीमेंट-कंक्रीट (सीसी) सड़कों का निर्माण, सुदृढ़ आरसीसी नालियों का विस्तार, पेविंग ब्लॉक आच्छादन तथा सामुदायिक परिसंपत्तियों का जीर्णोद्धार शामिल है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने अयोध्या नगर के जी सेक्टर में 34 लाख रूपये तथा एल सेक्टर में 42 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़कों का शिलान्यास, जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से के सेक्टर में रोटरी से इसरो नाले तक 33 लाख रूपये तथा द होम्स से अभिनव होम्स फेस-4 तक 9 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली आरसीसी नालियों का भूमि-पूजन एवं वर्धमान ग्रीन में 11 लाख रूपये की लागत से सीसी सड़क एवं संतोषी बिहार में 14 लाख रूपये की लागत से सड़क, नाली, पेविंग ब्लॉक तथा कम्युनिटी हॉल की छत के मरम्मत कार्यों का शुभारंभ किया।

महिला एवं बाल विकास आयुक्त ने बाल संस्थाओं का किया निरीक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

आयुक्त महिला एवं बाल विकास संदीप जी.आर. ने पदभार संभालते ही विभागीय योजनाओं और संस्थाओं की जमीनी स्थिति की पड़ताल शुरू कर दी है। शुक्रवार को उन्होंने इंदौर पहुंचकर छावनी स्थित राजकीय बाल आश्रम, ऑब्जर्वेशन होम (संप्रेक्षण गृह), स्पेशल होम और वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को जाना तथा संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। राजकीय बाल आश्रम के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वहां निवासरत बच्चों से आत्मीय बातचीत की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य सहित अन्य

सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थाओं में बच्चों से संबंधित सभी अभिलेख व्यवस्थित और अद्यतन रूप से संधारित किए जाएं। इसके बाद ऑब्जर्वेशन होम और स्पेशल होम पहुंचे आयुक्त ने वहां रह रहे बच्चों से भी विस्तार से बातचीत की।

वर्षा ऋतु में सर्पदंश के बढ़ते जोखिम को देखते हुए राज्य शासन ने जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

-शासकीय अस्पतालों में एंटी-वेनम की पर्याप्त उपलब्धता की जाए सुनिश्चित, सर्पदंश की स्थिति में तत्काल निकटतम अस्पताल पहुंचने की अपील

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

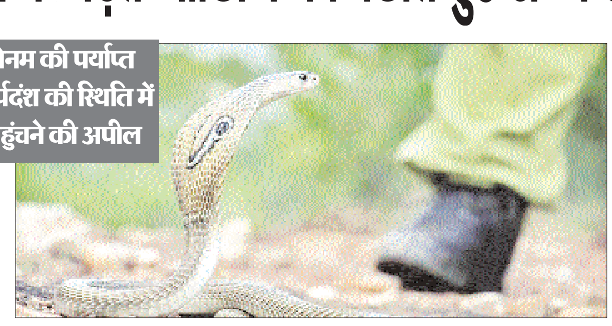

मध्यप्रदेश में सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए सर्पदंश को 'स्थानीय आपदा' घोषित किया गया है। वर्षा ऋतु में सांपों के प्राकृतिक आवास एवं बिलों में पानी भर जाने के कारण वे सुरक्षित एवं सूखे स्थानों की तलाश में मानव बस्तियों, घरों और खेतों के आसपास आने लगते हैं। इससे सर्पदंश की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।इसके प्रभावी प्रबंधन एवं नागरिकों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए ग्रह विभाग के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जिलों को व्यापक एवं समन्वित कार्ययोजना के तहत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके अंतर्गत पंचायत एवं शहरी वार्ड स्तर तक जन-जागरूकता, प्रशिक्षित सर्प-मित्रों एवं सर्प पकड़ने वालों की उपलब्धता, सभी शासकीय अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में विषरोधी औषधि की व्यवस्था और सर्पदंश की घटनाओं का जिला स्तरीय डाटाबेस तैयार किया जाएगा।

शासकीय अस्पतालों में एंटी-वेनम की उपलब्धता अनिवार्य- प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्पदंश के उपचार के लिए आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों, उपकरणों तथा पर्याप्त मात्रा में एंटी-वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण पंचायतों एवं शहरी वार्डों में प्रशिक्षित स्नेक-कैचर्स अर्थात सर्प-मित्रों का डेटाबेस तैयार करने तथा उनकी सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश की घटना होने पर झाड़-फूंक, अंधविश्वास अथवा अन्य गैर-चिकित्सकीय उपायों में समय न गंवाते हुए पीड़ित को तत्काल निकटतम शासकीय अस्पताल पहुंचाया जाए। सर्पदंश के उपचार समय पर चिकित्सकीय सहायता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पंचायत एवं वार्ड स्तर पर जारी होंगे हेल्पलाइन नंबर- नागरिकों को सर्प रेस्क्यू एवं उपचार की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराने के लिए पंचायत एवं वार्ड स्तर पर स्थानीय हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाएंगे। इन नंबरों के माध्यम से नागरिक सर्प रेस्क्यू के लिए प्रशिक्षित सर्प-मित्रों से संपर्क करने के साथ ही निकटतम एंटी-वेनम उपलब्ध शासकीय अस्पताल की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे।

नशा से कभी किसी का भला नहीं हुआ : राज्यमंत्री लोधी

रविदास जयंती पर निकली समरसता संकल्प अभियान कलश वंदन यात्रा

दमोह (स्वतंत्र मत)

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी के नेतृत्व में समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश वंदन यात्रा विभिन्न ग्रामों में आयोजित की जा रही है। यात्रा के दौरान ग्रामों में स्थापित संत रविदास के मंदिरों में कलश स्थापना एवं पूजन किया जा रहा है। कलश में संत रविदास जी की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी एवं जल का समावेश किया गया है। इसके साथ ही गुरु ग्रंथ की भी स्थापना की जा रही है। यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के समरसता, सामाजिक समानता, सद्भाव और

नशामुक्त समाज के संदेश को जन.जन तक पहुंचाना है।

राज्यमंत्री लोधी ने कहा कि संत रविदास ने समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने और बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया है। उन्होंने नशामुक्ति का आह्वान करते हुए कहा लगे दम तो मिटे गम, यह एक बहाना है, नशा प्रगति नहीं मित्रों, मौत का बुलावा है। उन्होंने कहा कि संत रविदास के विचारों को शिरोधार्य करते हुए सभी को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित कर सम्मान देने का कार्य सरकार द्वारा किया गया है। इनमें मध्यप्रदेश की जन्मभूमि महू, लंदन की शिक्षाभूमि नागपुर की दीक्षाभूमि, नई दिल्ली की महापरिनिर्वाण भूमि तथा मुंबई की चैत्यभूमि शामिल हैं। चतुर्थ दिवस की कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ मगदुपुरा से हुआ। यात्रा झलौन, गुहंची, पुरा, मुहरा, मोहड़, हिनौती, केवलारी, बांदोपहार, तेजगढ़, परासई, बिजौरा, खमरिया, कंचनपुरी, बीजाडोंगरी एवं गूढ़ा सहित कुल 16 ग्रामों में पहुंची।

तेज रफ्तार अर्टिगा ने राहगीर को मारी टक्कर, युवक गंभीर

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा थाना क्षेत्र के खचना नाका इलाके में गुरुवार रात तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने सड़क से गुजर रहे एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद कार चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन लेकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात करीब 10 बजे कुंदन पिता मोहन बंसल 32 वर्ष निवासी नवोदय वार्ड ककराई बाजार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान खचना की ओर से रनेह की तरफ जा रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुंदन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने डायल.112 को सूचना दी। पुलिस वाहन की मदद से घायल युवक को हटा सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां ड्यूटी डॉक्टर द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है।

नाबार्ड ने आजीविका मिशन समूहों को मार्केट लिंकेज का दिया प्रशिक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के लिए नाबार्ड द्वारा आजीविका मिशन के सभा कक्ष में मार्केट लिंकेज विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएलएफ पदाधिकारियों एवं बैंक सखियों को समूहों के उत्पादों को बाजार से जोड़ने तथा बैंक लिंकेज के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा देने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत आजीविका मिशन के स्टाफ द्वारा नाबार्ड के डीडीएम राजन तोमरी के स्वागत एवं समूहों की महिलाओं के अभिनंदन के साथ हुई। डीडीएम राजन तोमरी ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बैंक लिंकेज के माध्यम से रोजगार शुरू करने और परिवार की आय बढ़ाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। हिरदेश सिंह ठाकुर ने एफओएम एवं नॉन एफओएम सहित रोजगार से जुड़ी

योजनाओं की जानकारी देते हुए समूह की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। वहीं ब्लॉक प्रबंधक आजीविका मिशन धर्मेंद्र मिश्रा ने समूहों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं स्थानीय संसाधनों के आधार पर हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार कर उन्हें नाबार्ड के माध्यम से बाजार से जोड़ सकती हैं। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर नाबार्ड द्वारा बैंक लिंकेज में उत्कृष्ट कार्य एवं समूहों के भौतिक सत्यापन में योगदान के लिए रागिनी राय, वंदना मेहरा, आरती सोनी और नेहा सोनी को सम्मानित किया गया। वहीं सीएलएफ नेतृत्व के लिए नालेश्वर सीएलएफकी अध्यक्ष सुनीता सोनी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दीदी कैफे की बहनों द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय शुक्ला, दीपक सोनी, सहायक विकासखंड प्रबंधक दिनेश साहू सहित आजीविका मिशन के स्टाफ की भूमिका रही।

पीएम पोषण योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)

पीएम पोषण योजना में लापरवाही पर 22 स्वसहायता समूह हटाए गए, 28 शाला प्रभारियों को नोटिस

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में पीएम पोषण शक्ति योजना का क्रियान्वयन जनपद पंचायतों के अंतर्गत गठित स्वसहायता समूहों के माध्यम से किया जाता है। गत जुलाई एवं अगस्त माह में योजना के तहत बच्चों को मध्यान्ह भोजन वितरण व्यवस्था की 280 शालाओं में विशेष मॉनीटरिंग कराई गई। उन्होंने कहा मॉनीटरिंग के दौरान नियमानुसार एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराने वाले 22 स्वसहायता समूहों को हटा दिया गया है। जिला पंचायत द्वारा इन समूहों के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि 28 शाला प्रभारियों की जिम्मेदारी थी कि यदि विद्यालय में शासन के निर्धारित मापदंडों के अनुसार मध्यान्ह भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है तो तत्काल समूह अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। समय पर कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण सभी 28 शाला प्रभारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनके जवाब प्राप्त होने के बाद नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा जिले की प्रत्येक शाला में शासन के निर्देशानुसार बच्चों को स्वादिष्ट, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा। पीएम पोषण योजना का उद्देश्य बच्चों को पर्याप्त पोषण उपलब्ध कराने के साथ विद्यालयों में उनकी नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देना है ताकि सुबह टिफिन की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण कोई बच्चा स्कूल आने से वंचित न रहे।

आयुष्मान आरोग्य शिविर में ग्रामीणजनों को मिली बहु विशेषज्ञीय स्वास्थ्य सेवाएं

दमोह (स्वतंत्र मत)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उनके नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान पर ही आवश्यक बहु .विशेषज्ञीय चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिविल अस्पताल हटा में एक विशेष आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किया गया। सीबीएमओ हटा डॉ. यूएस पटेल के देखरेख में आयोजित इस शिविर में स्थानीय नागरिकों सहित क्षेत्र के विभिन्न अंचल में निवासरत ग्रामीण जनों ने शिविर में पहुंचकर उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच उपचार एवं परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। आयुष्मान आरोग्य शिविर में स्त्री रोग से जुड़े 43 मरीजों शिशु रोग 87 ईएनटी 12 अस्थि रोग 30 एवं नेत्र रोग 15 तथा दंत रोग 36 एवं फिजियोथेरेपी संबंधी 69 मरीजों ने विशेषज्ञ स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं परामर्श सेवा से लाभान्वित हुए। जिला स्तर से ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. विशाल शुक्ला, स्थानीय शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अमन श्रीवास्तव, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्यांशु अवस्थी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मयंक प्यासी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. भूमिजा राजपूत सहित दंत चिकित्सक डॉ. मनीष बहेरिया, एमआरडब्ल्यू अल्पना पटेल शिविर में पहुंचे और मरीजों को उनकी स्वास्थ्य आवश्यकतानुसार समुचित उपचार.परामर्श सेवा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गई। आवश्यकता वाले मरीजों को आगे की जांच एवं उपचार की प्रक्रिया के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। शिविर के दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वस्थ खान पान, जीवनशैली तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी गई।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित पुरवा कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एलआईजी -706 श्रीमति कन्या कुमारी नायडू पति श्री एम. वेणु गोपाल नायडू को आंवटित है। आवंटी श्रीमति कन्या कुमारी नायडू का निधन दिनांक 24.09.2019 को होने के पश्चात् उनके नामिनी श्री एम. वेणु गोपाल नायडू पिता श्री एम. लक्ष्गी नरसिंमहलु द्वारा यह भवन उनके पक्ष में नामांतरण करने हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक HIG-84 श्रीमती नीना यदु पति श्री ए.के. यदु एवं श्री आदित्य कुमार यदु के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 08.01.2010 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती नीना यदु पति श्री ए.के. यदु एवं श्री आदित्य कुमार यदु ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 08.09.2026 के माध्यम से श्री आशुतोष सिंह पिता श्री अरविन्द सिंह को विक्रय किया है। अतः श्री आशुतोष सिंह पिता श्री अरविन्द सिंह द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

प्ररुप-चार
नियम 4 (4) देखिये।
मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता
(कृषि खाते का विभाजन) नियम, 2020
न्यायालय तहसीलदार, वृत्त नौरोजाबाद,
तहसील नौरोजाबाद, जिला उमरिया, (म.प्र)
उद्घोषणा
समक्षः- न्यायालय तहसीलदार,
वृत्त नौरोजाबाद तहसील नौरोजाबाद
स्थान - नौरोजाबाद
प्रकरण क्रमांक-0016/अ-27/2026-27

जबकि आवेदक कंचन गुप्ता पति अभयानन्द गुप्ता निवासी ग्राम देवगवांखुर्द बनाम 1. किरण गुप्ता पति सिद्धार्थ गुप्ता 2. शिवांगी पिता भूपेन्द्र 3. शिवाती पिता भूपेन्द्र सभी निवासी ग्राम देवगवांखुर्द तहसील नौरोजाबाद ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट खाते में के अपने हिस्से के विभाजन के लिए सह-खातेदार के रूप में आवेदन किया है। और जब कि उक्त खाते का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है, एवं सुनवाई की तारीख 25/09/26 स्थान-नौरोजाबाद पर 11.00 बजे नियत की गई है। उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्याता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हों, तो प्रस्तुत करें। आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा । खाते का विवरण- पटवारी हल्का क्रमांक/ सेक्टर क्रमांक देवगवांखुर्द ग्राम/ नगर का नाम देवगवांखुर्द खाता क्रमांक....., सर्वेक्षण संख्यांक- 272/1/1, क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)- 0.620 हे., भू-राजस्व (रूपये में)- 0.00

दिनांक- 11/09/2026
स्थानः नौरोजाबाद

तहसीलदार
तहसील नौरोजाबाद
जिला उमरिया (म.प्र.)

आयकर कार्यालय जबलपुर में नवनिर्मित 'मंथन' एवं 'समन्वय' हॉल का लोकार्पण

तकनीक के दौर में बेहतर करदाता सेवाओं के लिए संकल्पित आयकर विभाग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आयकर कार्यालय, जबलपुर में आज नव-निर्मित 'मंथन' कॉन्फ्रेंस हॉल एवं 'समन्वय' आयकर हॉल का भव्य अनावरण एवं लोकार्पण संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली के अध्यक्ष रवि अग्रवाल रहे, जिनके कर-कमलों द्वारा इन सभागारों का उद्घाटन किया गया। समारोह में मुख्य आयकर आयुक्त श्रीमती सविता बुंदस, श्रीमती शुचि अग्रवाल तथा आयकर आयुक्त (अपील)धनंजय वंजारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में सीबीडीटी अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक के इस युग में आयकर विभाग करदाताओं को सुगम एवं श्रेष्ठ सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कृषि में आधुनिक तकनीक का समावेश

ग्राम उड़ना में ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया छिड़काव का हुआ सफल प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम उड़ना में आधुनिक कृषि तकनीक का एक नया अध्याय देखने को मिला। यहाँ स्थानीय कृषक ओमकार पटेल के खेत में लगी धान की फसल पर ड्रोन के माध्यम से नैनो यूरिया के छिड़काव का सजीव (लाइव) प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर पाटन विधायक अजय विश्नोई, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय सहित उप संचालक कृषि उमेश कटहरे, आत्मा परियोजना संचालक डॉ. इंदिरा त्रिपाठी, एसडीएम मानवेन्द्र सिंह और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

एक अंक की वजह से अटका मेडिकल छात्र का साल

याचिका पर हाईकोर्ट ने यूनिवर्सिटी चांसलर से मांगा जवाब, 15 सितंबर को अगली सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मेडिकल की पढ़ाई में एक-एक अंक की अहमियत क्या होती है, इसका अंदाजा उस समय और गहरा हो जाता है, जब महज एक अंक की कमी किसी छात्र के पूरे शैक्षणिक वर्ष पर भारी पड़ने लगे। ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्र राम नरेश कुशवाहा के मामले में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के सामने भी यही सवाल पहुंचा है। छात्र प्रथम वर्ष में केवल एक अंक की कमी के कारण आगामी परीक्षा में शामिल होने की पात्रता से बाहर होने की स्थिति में है। इसका सीधा असर उसके पूरे शैक्षणिक वर्ष पर पड़ सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के चांसलर से जवाब मांगा है। कोर्ट ने विशेष रूप से यह जानना चाहा है कि क्या विश्वविद्यालय के नियमों के तहत छात्र को केवल एक अंक ग्रेस देकर उसका साल बचाया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। याचिका में छात्र की ओर से बताया गया कि वह वर्तमान में एमबीबीएस के सेकंड प्रोफेशनल की नियमित कक्षाएं कर रहा है। पढ़ाई का क्रम आगे बढ़ चुका है, लेकिन प्रथम वर्ष के एक विषय में केवल एक अंक की कमी के कारण उसके सामने आगामी परीक्षा में

शामिल होने को लेकर संकट खड़ा हो गया है। छात्र का तर्क है कि एक अंक की यह कमी उसके पूरे शैक्षणिक भविष्य को प्रभावित कर सकती है। यदि उसे परीक्षा में आगे बढ़ने की अनुमति नहीं मिलती है तो केवल एक अंक के कारण उसे एक पूरा वर्ष गंवाना पड़ सकता है। ऐसे में छात्र ने हाई कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग करते हुए ग्रेस मार्क्स देने के निर्देश की गुहार लगाई है।

क्या नियमों के तहत दी जा सकती है राहत - मामले में महत्वपूर्ण पहलू यह है कि छात्र किसी बड़े अंतर से परीक्षा में असफल नहीं हुआ है। उसके और निर्धारित उत्तीर्णांक के बीच अंतर केवल एक अंक का है। इसी कारण याचिका में यह मुद्दा उठाया गया कि क्या ऐसी असाधारण परिस्थिति में उपलब्ध नियमों के अंतर्गत छात्र को राहत दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष मध्यप्रदेश यूनिवर्सिटीज कामन आर्डिनेंस नंबर-6 के क्लाज 32 का प्रावधान रखा गया। इस प्रावधान में कुलाधिपति को असाधारण और कठिन मामलों में ग्रेस मार्क्स देने की शक्ति होने की बात सामने आई। यही प्रावधान अब इस मामले में महत्वपूर्ण हो गया है। कोर्ट ने विश्वविद्यालय के चांसलर से स्पष्ट जवाब मांगा है कि क्या संबंधित प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए छात्र को एक अंक ग्रेस दिया जा सकता है। यदि नियम इसकी अनुमति देते हैं तो छात्र का एक साल बचने की संभावना बन सकती है। हालांकि हाई कोर्ट ने फिलहाल छात्र को एक अंक ग्रेस देने का कोई आदेश नहीं दिया है। कोर्ट ने केवल विश्वविद्यालय से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। इसलिए अगली सुनवाई में चांसलर की ओर से प्रस्तुत किया जाने वाला जवाब महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

छात्र के भविष्य पर भी नजर - मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के सामने केवल एक अंक का तकनीकी सवाल नहीं, बल्कि उस एक अंक के कारण छात्र के पूरे शैक्षणिक वर्ष पर पड़ने वाले प्रभाव का प्रश्न भी है। एक ओर परीक्षा के निर्धारित मानदंड हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसा मामला है जिसमें मामूली अंतर के कारण छात्र की आगे की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है। मेडिकल शिक्षा में पाठ्यक्रम पहले से ही लंबा और कड़ा होता है. एक परीक्षा या एक वर्ष के प्रभावित होने का असर आगे की पढ़ाई के पूरे क्रम पर पड़ सकता है। यही वजह है कि छात्र की ओर से कोर्ट के समक्ष यह आग्रह किया गया है कि उपलब्ध नियमों के तहत उसे राहत का रास्ता दिया जाए। अदालत ने भी इसी बिंदु पर विश्वविद्यालय से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

पानी भरे प्लॉट में छिपा था मगरमच्छ

सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पकड़ा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पनागर के द्वारका परिसर में 5 सितंबर से दहशत का कारण बना करीब 5 फीट लंबा मगरमच्छ आखिरकार शुक्रवार सुबह वन विभाग की टीम के हाथ लग गया। मगरमच्छ कॉलोनी के पानी भरे खाली प्लॉट में छिपा हुआ था। वन विभाग की 12 सदस्यीय टीम पिछले छह दिन से लगातार उसकी निगरानी और रेस्क्यू की कोशिश कर रही थी। शुक्रवार सुबह प्लॉट का पानी खाली करने के दौरान मगरमच्छ सड़क पर आया, तभी टीम ने उसे सुरक्षित पकड़ लिया।

वन कर्मी शैलेश कुमार गौतम ने बताया कि 5 सितंबर को द्वारका परिसर में मगरमच्छ होने की सूचना मिली थी। आशंका है कि मानसून के दौरान परियट नदी और नहर में तेज बहाव के कारण मगरमच्छ बहकर रिहायशी इलाके के पानी भरे प्लॉट में पहुंच गया था. सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी सौरभ शर्मा के निर्देश पर 12 सदस्यों की रेस्क्यू टीम बनाई गई. मगरमच्छ को पकड़ने में सबसे बड़ी चुनौती प्लॉट में कमर तक भरा पानी था। टीम ने जाल डालकर उसे पकड़ने की कोशिश की और पंप लगाकर पानी खाली कराने का प्रयास किया। कई बार टीम पानी में जाल लेकर उतरी, लेकिन मगरमच्छ हाथ नहीं आया। करीब एक सप्ताह तक लगातार निगरानी के बावजूद वह पकड़ में नहीं आ सका। शुक्रवार सुबह प्लॉट का पानी निकालने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान मगरमच्छ पानी से निकलकर सड़क की ओर आया। पहले से तैयार वन विभाग की टीम ने उसे तुरंत घेरकर सुरक्षित पकड़ लिया। मगरमच्छ के रेस्क्यू के बाद द्वारका परिसर के रहवासियों ने राहत की सांस ली। वन विभाग ने बताया कि रेस्क्यू किए गए मगरमच्छ को शुक्रवार सुबह ही सुरक्षित तरीके से परियट नदी में छोड़ दिया गया।

एक साल पहले भाई से हुए विवाद पर चाकू से हमला
हनुमानताल हुसैनिया मस्जिद के समीप वारदात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हनुमानताल थानातंर्गत हुसैनिया मस्जिद के पास अर्सलान उर्फ छिद्दा नामक युवक ने एक साल पहले भाई से हुए विवाद और इलाज पर खर्च हुई राशि की मांग करते हुए मोइनुद्दीन नामक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे मोइनुद्दीन के दाहिने पैर की जांघ में गंभीर चोट आई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि मदार छल्ला निवासी 26 वर्षीय मोइनुद्दीन अहमद का अर्सलान उर्फ छिद्दा के भाई अयान से एक साल पहले विवाद हुआ था, जिसकी पुलिस में भी शिकायत दर्ज करायी गई थी। सुबह साढ़े दस बजे जब मोइनुद्दीन अपनी चाय दुकान पर था, उसी समय अर्सलान उर्फ छिद्दा आया और बोला कि तुने मेरे भाई के साथ मारपीट की थी, जिसके इलाज में डेढ़ लाख रूपये खर्च हुये हैं, तुम डेढ़ लाख रूपये दो। उसने पेसे देने से मना किया तो अर्सलान उसके साथ गाली गलोज करते हुये चाकू से हमलाकर दाहिने पैर की जांघ में चोट पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया।

गणेशोत्सव पर्व पर रहो चौकस, बरतों सावधानी

एसपी ने बैठक में सुरक्षा व कानून-व्यवस्था को लेकर दिये निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गणेशोत्सव पर्व के मद्देनजर शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी ने अधीनस्थों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। एसपी सम्पत उपाध्याय ने सुरक्षा, कानून व्यवस्था व यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को चौकसी व सावधानी बरतने के निर्देश दिये। बैठक में गणेशोत्सव पर्व के दौरान जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, गणेश प्रतिमाओं की स्थापना एवं विसर्जन कार्यक्रमों, जुलूसों तथा सार्वजनिक आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुये यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, रात्रि गश्त, सोशल मीडिया पर निगरानी एवं पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। एसपी श्री उपाध्याय ने सभी अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में गणेश उत्सव समितियों, आयोजकों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने तथा गणेशोत्सव पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में एएसपी शहर डॉ. आयुष जाखड़, एएसपी सुश्री पल्लवी शुक्ला, एएसपी सुश्री अंजना तिवारी, एएसपी यातायात अखिलेश तिवारी, गोहलपुर सीएसपी शुभम सिंह, अधारताल सीएसपी राजेश्वरी कौरव, ओमती सीएसपी सोनू कुर्मी, गढ़ा सीएसपी आशीष जैन, रांझी सीएसपी सतीश साहू, बरगी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा, डीएसपी यातायात मालवीय चौक संतोष कुमार शुक्ला एवं समस्त थाना प्रभारी शहर शामिल रहे।

बैंक कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

5-डे बैंकिंग और लंबित मांगों को लेकर यूएफबीयू की देशव्यापी हड़ताल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यूनाइटेड फोरम बैंक बैंक भूमिकेन पर अन दिनाक 11 सितंबर 2026 को देशभर के विभित्र जेजे के कर्मचारी एवं अधिकारी सी एकदिवसीय बैंक हड़ताल पर रहे। हड़ताल के समर्थन में जबलपुर में भी विभित्र बैंकों के कर्मचारी एवं अधिकारियों ने एकजुट होकर शहीद पारक गोलबजार में प्रातः 10 बजे से परिवावी एवं जोरदार प्रदर्शन किया। देशायरी हड्ताल के माधाम से दिवधी वैचिष्ण चरणा तकगू करने तथा इंडियन बैंक्स एसोसिएशन द्वारा दिए गए प्रस्तावित भेदपूर्ण इसेटिव का विरोध एवं बैंक कर्मचारियों तथा अधिकारियों से सबंधित अन्य सक्ति मुद्दों के शी एवं सत्ताक निराकरण की मांग प्रमुखक से उठाई गई। इस अवसर पर यूएफबीयू जबलपुर इकाई के संयोजक अभिषेक कुमार सिन्ना ने कहा कि देश के बैंक कर्मबारी एवं अधिकारी बेफिकीरी है और देश की अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से संन्वलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। कास में विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की व्यापक सहभागिता ने पह स्पष्ट कर दिया है कि अपने लंबित मुद्दों को लेकर बैंकिंग बिरादरी पूरी रु एकजुट है। उन्होंने कहा कि लंबित मुद्दों के सकारात्मक एवं शीत निराकरण की अपेक्षा है अन्यथा आंदोलन की और व्यापक किया जाएगा।

सीपीआर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर

माता गुजरी महाविद्यालय (स्वशासी)में सीपीआर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य, जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च , जबलपुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बीएलएस टीम द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं सीपीआर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सीपीआर की प्रक्रिया समझाने के साथ-साथ व्यावहारिक प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने सही हाथों की स्थिति, छाती पर दबाव देने की तकनीक, कम्प्रेशन की दर एवं गहराई तथा सीपीआर की सही प्रक्रिया का अभ्यास किया। कार्यक्रम में 8 फैकल्टी सदस्यों एवं 66 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने पूरे सत्र में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सीपीआर तकनीक सीखने में विशेष रुचि दिखाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. संगीता झांब, प्राचार्य, माता गुजरी महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर, डॉ. प्रो. श्याम शुक्ला, प्रभारी, तथा डॉ. अनूप तिवारी, प्रोफेसर, जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च का महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा।

वृद्धों से मारपीट कर अंगूठी, रुपये व मोबाईल लूटा

माढ़ोताल और गोहलपुर क्षेत्र में वारदात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में दो बदमाशों ने एक 63 वर्षीय वृद्व को थप्पड़ जड़ते हुए हाथ में पहनी हुई सोने की अंगूटी व जेब में रखे चार सौ रुपये की नगदी छीनी और फरार हो गये। इसी प्रकार गोहलपुर में स्कूटी सवार बदमाशों ने 69 वर्षीय वृद्व को रोक-कर उसका

मोबाईल छीना और फरार हो गये। दोनों मामलों की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी शुरु कर दी है। माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि विजय नगर घड़ी चौक निवासी 63 वर्षीय प्रदीप कुमा रनेमा विगत दिनों प्रयागराज से कार से लौटे और माढ़ोताल चुंगीनाका उतरकर पैदल अपने घर की ओर जाने लगे। रात्रि करीब पौने एक बजे तीन लड़के उन्हें क्रास करके आगे निकले, उसके कुछ देरबाद दो लड़के लौटकर आये और उन्हें पकड़कर थप्पर मारते हुए मारपीट शुरु कर दी। इसके बाद आरोपिं ने उनके हाथ की अंगूली में पहनी हुई सोने की अंगूठी और चार सौ रुपये की नगदी छीन ली और मौके से फरार हो गये।

डंपर ने स्कूटी सवार युवती को रौंदा, मौत

संजीवनी नगर क्षेत्र की घटना, आरोपी चालक गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवीनगर के शराब दुकान के सामने डम्पर की टक्कर से एक स्कूटी सवार युवती की मौत हो गई है। पुलिस ने आरोपी डम्पर चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके कब्जे से वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक गिट्टी लोड करने मानेगांव की ओर जा रहा था। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि गुरूवार रात बिना नंबर के डम्पर ने स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसएल 2811 में सवार संजीवनीनगर निवासी दीक्षा गुप्ता को टक्कर मार दी। हादसे में युवती सिर के बल जीमन पर गिर गई थी। डम्पर चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग गया था। मौजूद लोगों ने युवती को तत्काल इलाज के लिए मेडिकल भेजा लेकिन तब तक युवती की हालत बिगड़ चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद हरकत में आई पुलिस ने तत्काल छानबीन करते हुए डम्पर चालक राकेश झारिया को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक डम्पर उखरी से मानेगांव माल लोड करने जा रहा था।

बेरियर तोड़कर भाग रहीं अवैध शराब से भरी स्कार्पियों को पुलिस ने पकड़ा

बरगी पुलिस की कार्रवाई, शराब का जखीरा बरामद, आरोपी चालक हिरासत में

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिवनी धूमा तरफ से अवैध शराब लेकर आ रहीं स्कार्पियों का पुलिस ने जैसे ही पीछा करना शुरु किया तो आरोपी चालक टोल प्लाजा का बूम बेरियर तोड़कर तेजी से भागा। जिसका पुलिस ने पीछा करना शुरु किया और आगे जाकर तेज रफ्तार स्कार्पियों डिवाईडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। उक्त वाहन से पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब का जखीरा बरामद किया। जिसमें 359 बॉटल व 48 पाव अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेते हुए आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की। बरगी टीआई नीलेश दोहरे ने बताया कि बीती रात पेट्रोलिंग के दौरान अवैध शराब परिवहन की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने ग्राम निगरी कैनाल के पास चैकिंग लगाई, तभी स्कार्पियो क्रमांक एमपी 20 जेड डब्ल्यु 5181 धूमा तरफ से आते दिखी, जिसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसका चालक स्कार्पियो को तेज गति से चलाकर जबलपुर तरफ टोल प्लाजा का बूम बेरियर तोड़ता हुआ भागा। जिसका पीछा करने पर चालक अपने वाहन को दून स्कूल के सामने भारत बेंज के बाजू की कच्ची सड़क पर ले जाकर डिवाईडर से वाहन को टकरा दिया, जिससे स्कार्पियों वाहन छतिग्रस्त हो गया। पीछे से पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी चालक को धर दबोचा। जिसने पूछताछ में अपना नाम आशुतोष शिवहरे उम्र 30 वर्ष निवासी खेरमाई मंदिर के पास बेलखाडू थाना कटंगी बताया।

चार लाख की अवैध शराब बरामद- पुलिस ने उक्त स्कार्पियों से 2 पेटी में मैजिक मूमेट वोटका अंग्रेजी शराब की 24 बाटल, 3 पेटी में बकाड़ी लेमन अंग्रेजी शराब की 36 बाटल, 1 पेटी में बकाड़ी मैगो चिली रम की 12 बाटल, 4 पेटी में ब्लंडर प्राईड विस्की की 48 बाटल, 1 पेटी में रायल चैलेंजर विस्की की 12 बाटल, 7 पेटी में रायल स्टेग विस्की शराब की 84 बाटल, 6 पेटी में आफिसर च्वाइस की 72 बाटल, 1 पेटी में सिग्नेचर विस्की की 12 बाटल, 3 पेटी में मैकडावल नंबर-1 की 35 बॉटल, 1 पेटी में 8 पीएम की 12 बॉटल, 1 पेटी में आईकोनिक व्हाईट शराब की 12 बॉटल, 1 पेटी में 48 पाव आफिसर च्वाईस बरामद की। इस तरह पुलिस ने उक्त वाहन से 48 पाव एवं 359 बॉटल अंग्रेजी शराब कुल कीमती 4 लाख 1 हजार 560 रूपये की तथा 1 मोबाईल एवं परिवहन में प्रयुक्त स्कार्पियों वाहना जब्त किया है।

पुलिस को देख बाईक छोड़कर भागा शराब तस्कर- इसी प्रकार पनागर पुलिस ने सकरी के जंगल की ओर से मोटर साइकिल में कच्ची शराब लेकर तिलगवां की ओर आ रहे आरोपी को दबोचने जाल बिछाया, लेकिन आरोपी पुलिस की घेराबंदी देख वाहन छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने मौके से मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड एन 5660 में बंधी बोरी से चार प्लास्टिक के डिब्बें बरामद किये, जिनमें 55 लीटर कच्ची शराब भरी हुई थी।

South Avenue Mall | moviemagic Magically Refreshed | RUBY moviemagic
RUBY - NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX
Celebrating 3X LOYALTY POINTS WITH EVERY BOOKING *VALID TILL 31ST OCTOBER'26

HAIWAAN (HINDI)	8:10 AM & 12:45 PM RUBY 9:30 AM, 4:00 PM & 6:00 PM
MIRZAPUR: THE MOVIE (HINDI) (A-18+)	9:00 AM, 11:15 AM, 3:00 PM 6:45 PM & 10:25 PM RUBY 12:30 PM & 10:00 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	8:00 AM, 10:50 AM, 1:45 PM, 3:50 PM, 4:40 PM, 6:50 PM, 7:35 PM, 10:00 PM & 10:30 PM RUBY 9:20 AM, 12:10 PM, 3:00 PM, 7:00 PM, RUBY 9:45 PM

@moviemagic_jbp
MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**